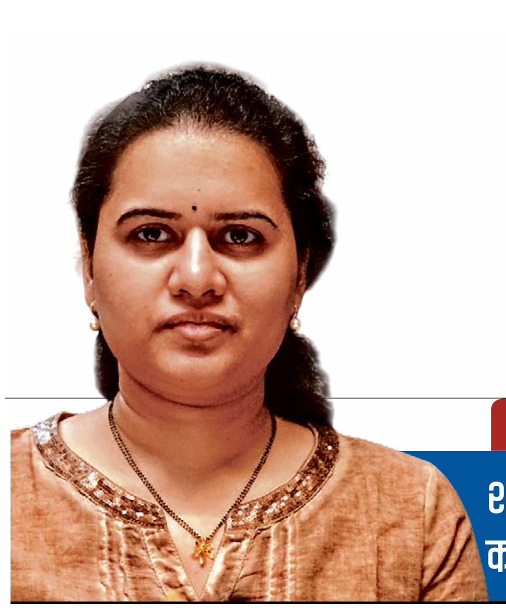

अखबार नहीं आंदोलन

प्रभात खबर

कोलकाता । रांची । पटना । जमशेदपुर । धनबाद । देवघर । मुजफ्फरपुर । भागलपुर से प्रकाशित

कोलकाता, सोमवार
28.09.2026
आश्विन कृष्ण 2 संवत 2083
पृष्ठ 10, मूल्य : ₹ 5
नगर संस्करण
वर्ष : 27, अंक : 267
रजिस्ट्रेशन : WBHIN/2000/2711
prabhatkhabar.com

स्पोर्ट्स | 09
शतरंज ओलिंपियाड : पुरुष टीम को रजत, महिला को कांस्य

देश-विदेश | 10
रुद्रप्रयाग में भूस्खलन, चार हजार लोग फंसे

संपादकीय | 06
अशोक सिंघल जी के आदर्श प्रेरणा देते हैं

तीन दिवसीय बैंक हड़ताल टली

- आइबीए-यूएफबीयू के बीच बनी सहमति
- 28 से प्रस्तावित हड़ताल व आंदोलन स्थगित

देवघर. यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आइबीए) के बीच रविवार रात हुई वार्ता के बाद 28 से 30 सितंबर की प्रस्तावित बैंक हड़ताल और आंदोलन स्थगित कर दिया गया. यूएफबीयू, देवघर इकाइ के कन्वेयनर मुन्ना कुमार झा ने इसकी जानकारी दी. यूएफबीयू की ओर से जारी 27 सितंबर के सर्कुलर के अनुसार रात 9:30 बजे आइबीए और यूएफबीयू के बीच बैठक हुई. इसमें विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श के बाद सहमति बनी.

बाकी शनिवार को अवकाश पर बनेगी उच्चस्तरीय समिति बचे हुए शनिवार को अवकाश घोषित करने के मुद्दे पर आइबीए और यूएफबीयू की उच्चस्तरीय समिति तत्काल गठित की जायेगी. समिति सभी संभावित विकल्पों पर विचार करेगी और सभी संबंधित पक्षों, विशेषकर ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए समाधान तलाशेगी.

पीएलआइ योजना में संशोधन पर होगी चर्चा : स्केल-4 व उससे ऊपर के अधिकारियों की पीएलआइ योजना को लेकर आइबीए के साथ चर्चा शुरू होगी. यूनियनों व एसोसिएशनों की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए योजना में संशोधन का प्रस्ताव सरकार के समक्ष रखा जायेगा.आठ मार्च 2024 के कार्यवृत्त में दर्ज शेष मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे.

घोषणा. 29 दिसंबर को ब्रिगेड मैदान में 10 लाख कंठों से गीता पाठ का होगा आयोजन

अब साधु-संतों का अपमान करने वालों को भेजेंगे जेल : मुख्यमंत्री

वरीय संवाददाता, कोलकाता

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित 11 हजार कंठों के भगवद्गीता पाठ कार्यक्रम में हिस्सा लिया. इस दौरान उन्होंने कहा कि बंगाल में अब हालात बदल गये हैं और किसी धर्म का पालन करने या उसका प्रचार करने से डरने की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि साधु-संतों का अपमान करने या उन्हें डराने वालों को सरकार जेल भेजेगी और 'गौमाता' की रक्षा करेगी.

'मन खोलकर गीता का पाठ करें' : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने लोगों से मन खोलकर गीता का पाठ करने और उसका वितरण करने की अपील की. उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा का पाठ करें, शंख, मृदंग और खंजरी बजायें व 'हरे कृष्ण' का नाम लें. किसी तरह का डर नहीं है. उन्होंने कहा : मौसम भी बदल गया है और जमाना भी बदल गया है. मुख्यमंत्री ने राज्य में 'टीका, शिखा, धोती और तुलसी वाली सरकार' होने की बात कही और इसे 'गौमाता की रक्षा करने वाली सरकार' बताया. उन्होंने लोगों से एकजुट रहने की अपील भी की.

भगवद्गीता पाठ कार्यक्रम में शामिल हुए शुभेंदु अधिकारी, बोले- अब बंगाल में बदल गये हैं हालात

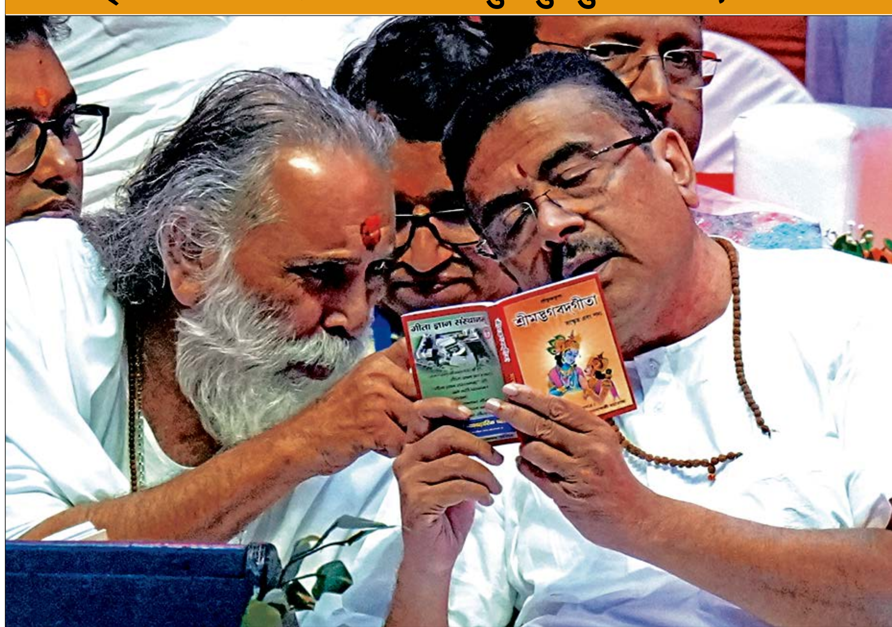

नेताजी इंडोर स्टेडियम में श्रीमद्भागवत गीता पाठ कार्यक्रम में स्वामी ज्ञानानंदजी महाराज के साथ सीएम शुभेंदु अधिकारी.

धीरेंद्र शास्त्री की तस्वीर जलाने की घटना का जिक्र : मुख्यमंत्री ने बागेश्वर बाबा के नाम से चर्चित धीरेंद्र शास्त्री की तस्वीर जलाये जाने की घटना का भी उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि स्वतंत्र देश में साधु-संत सनातन धर्म का प्रचार कर सकते हैं. उनका अपमान या उन्हें डराना स्वीकार नहीं किया जायेगा.

'आजादी' के बयान पर ममता पर साधा निशाना : कार्यक्रम के दौरान शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा. उन्होंने शनिवार को श्रीरामपुर में ममता बनर्जी की सभा में 'आजादी' संबंधी कथित टिप्पणी की आलोचना की. उन्होंने कहा कि भारत को 1947 में स्वतंत्रता मिल चुकी है और मैदान में खड़े होकर 'आजादी' के नारे लगाने वालों के खिलाफ राष्ट्रवादी जनता को एकजुट होना होगा. उन्होंने लोगों से विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ सतर्क रहने की अपील की. शुभेंदु अधिकारी ने 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और 'कश्मीर मांगे आजादी' जैसे नारों का भी उल्लेख किया व ऐसे नारों के खिलाफ एकजुट रहने की बात कही.

ब्रिगेड मैदान में आयोजित गीता पाठ में मुख्य अतिथि हो सकते हैं मोहन भागवत

शुभेंदु अधिकारी ने कार्यक्रम के दौरान 29 दिसंबर को कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में 10 लाख कंठों से गीता पाठ आयोजित करने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की संभावना है. उन्होंने ब्रिगेड में पहले हुए लक्ष कंठों के गीता पाठ और सिलीगुड़ी में आयोजित बड़े धार्मिक कार्यक्रम का भी उल्लेख किया.

जनवरी में ब्रिगेड में होगा धार्मिक सभा का आयोजन

मुख्यमंत्री ने जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य के साथ हुई बातचीत का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि उन्हें आशीर्वाद मिला है कि स्वामी रामभद्राचार्य 15 जनवरी 2027 को मकर संक्रांति के अवसर पर गंगासागर में पुण्य स्नान करेंगे. उन्होंने दावा किया कि 16 से 24 जनवरी तक ब्रिगेड में 1,000 कुंडों की धार्मिक सभा का आयोजन होगा और स्वामी रामभद्राचार्य इसका नेतृत्व करेंगे.

नवीन ने दिया जनप्रतिनिधियों व संगठन में समन्वय पर जोर

बैठक में (बायें से) सुनील बंसल, शमिक भट्टाचार्य, नितिन नवीन व शुभेंदु अधिकारी.

वरीय संवाददाता, कोलकाता

प्रदेश भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में हालिया फेरबदल के बाद रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राज्य के पदाधिकारियों, जिला नेताओं, सांसदों, विधायकों व विभिन्न मोर्चों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. न्यूटाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में हुई बैठक में संगठन और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय के साथ पार्टी और सरकार के बीच तालमेल पर जोर दिया गया. बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य और राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल समेत वरिष्ठ नेता मौजूद रहे. शुक्रवार को घोषित संगठनात्मक फेरबदल के बाद पूर्ण राज्य समिति के गठन के पश्चात नितिन नवीन का यह पहला बंगाल दौरा है. पार्टी सूत्रों के अनुसार, नितिन नवीन ने सांसदों-विधायकों समेत निर्वाचित प्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत पर जोर दिया. स्थानीय स्तर पर अलग-अलग गतिविधियों के बजाय संगठन के साथ तालमेल बनाकर काम करने का संदेश दिया गया. पार्टी नेतृत्व की ओर से संगठन के विभिन्न स्तरों पर समन्वय मजबूत करने पर पहले भी जोर दिया जाता रहा है.

सरकार के काम को जनता तक पहुंचाने पर जोर

बैठक में पार्टी और सरकार के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत पर भी चर्चा हुई. पार्टी सूत्रों के मुताबिक, सरकार की ओर से पिछले कुछ महीनों में किये गये कार्यों और योजनाओं को संगठन के माध्यम से जनता तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया. नितिन नवीन ने संगठन को मजबूत करने के साथ सरकार के कामकाज और उसकी योजनाओं की जानकारी जमीनी स्तर तक पहुंचाने पर भी जोर दिया.

संगठनात्मक फेरबदल के बाद पहला दौरा

नितिन नवीन का यह दौरा प्रदेश भाजपा में हालिया संगठनात्मक फेरबदल के बाद हो रहा है. दो दिवसीय दौरे के दौरान वह प्रदेश पदाधिकारियों, सांसदों-विधायकों, जिला नेताओं और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें कर रहे हैं. संगठन के कामकाज की समीक्षा और आगे की कार्ययोजना पर भी चर्चा हो रही है. दौरे के दूसरे दिन नितिन नवीन के पानीहाटी में सेवा कार्यक्रम व युवा संवाद में शामिल होने का कार्यक्रम है.

क्विक बाइट्स

विराट कोहली ने तोड़ा सचिन का महारिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम. विराट कोहली ने इतिहास रच दिया है. वह एक देश में खेलते हुए वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गये हैं. खास मामले में उन्होंने किसी और को नहीं बल्कि 'क्रिकेट के भगवान' कहें जाने वाले पूर्व भारतीय दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर को पीछे छोड़ा है. सचिन ने भारत में खेलते हुए वनडे में कुल 6976 रन बनाये थे. वहीं, विराट कोहली के नाम भारतीय सरजमीं पर वनडे में खेलते हुए 6983 रन हो गये हैं. तीसरे स्थान पर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग का नाम आता है. जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में खेलते हुए 5521 रन बनाये हैं.

स्पोर्ट्स पेज भी देखें

दो को 'नो यूपीआइ डे' मनायेंगे मोबाइल विक्रेता

नयी दिल्ली. व्यापारियों के 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआइ लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क लगाने के फैसले के विरोध में देश भर के मोबाइल खुदरा विक्रेता दो अक्तूबर को को 'नो यूपीआइ डे' मनाएंगे. ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, इस दिन प्रतीकात्मक रूप से क्यूआर कोड काले कपड़े से ढककर यूपीआइ भुगतान नहीं लिया जाएगा. संगठन का कहना है कि इस शुल्क से छोटे कारोबारियों पर सालाना करीब 500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा.

कांगो में नाव पलटी, 12 लोगों की मौत, कई लापता

बुकावु. कांगो की किवु झील में व्यापारियों को ले जा रही एक नाव पलट गयी, जिससे कम से कम 12 लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य लापता हो गये. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. नाव में 50 से अधिक लोग सवार थे और यह शनिवार रात किवु प्रांत में इदज्वी द्वीप के पास से गुजरते समय अचानक पलट गयी.

नारायणगढ़ में रेल हादसा, कोयला लदी मालगाड़ी के दो डिब्बे बेपटरी

प्रतिनिधि, खड़गपुर/नारायणगढ़

पश्चिम मेदिनीपुर जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के मकरामपुर इलाके में रविवार को रेल हादसा हो गया. नारायणगढ़-बेनापुर रेलवे स्टेशनों के बीच मकरामपुर के 11 नंबर रेल गेट के समीप चक मकरामपुर इलाके में कोयला लदी मालगाड़ी के दो डिब्बे अचानक पटरी से उतर गये. इस दौरान एक अन्य डिब्बा भी क्षतिग्रस्त हो गया. घटना के बाद इलाके में हलचल मच गयी. सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी और संबंधित कर्मचारी मौके पर पहुंचे व घटनास्थल का निरीक्षण शुरू किया.

ओडिशा से कोयला लेकर खड़गपुर की ओर जा रही थी मालगाड़ी : मालगाड़ी ओडिशा की दिशा से कोयला लेकर खड़गपुर की ओर जा रही थी. जब ट्रेन नारायणगढ़ के मकरामपुर इलाके से गुजर रही थी, तब चक मकरामपुर के पास उसके दो डिब्बे पटरी से उतर गये. घटना में एक अन्य बोगी को भी नुकसान पहुंचने की बात सामने आयी है. हादसे की जानकारी फैलने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ घटनास्थल के पास जुटने लगी.

हादसे के बाद पटरी पर एक-दूसरे पर चढ़े मालगाड़ी के डिब्बे.

- **मौके पर पहुंचे रेलवे अधिकारी** : सूचना मिलते ही अधिकारी-कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे. निरीक्षण के साथ दुर्घटनाग्रस्त डिब्बों को लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की गयी.
- **हादसे की वजह स्पष्ट नहीं** : दो डिब्बों के पटरी से उतरने के कारणों की जांच जारी है. ट्रैक, डिब्बों और अन्य तकनीकी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है.

पश्चिम मेदिनीपुर के नारायणगढ़ में हुई दुर्घटना में मालगाड़ी की दो बोगियां पटरी से उतरी हैं. घटना की विभागीय जांच के आदेश दिये गये हैं. हादसे के बाद ट्रेन परिचालन पर कोई खास असर नहीं पड़ा. एक-दो लोकल ट्रेनें कुछ विलंब से रवाना हुईं या उनके समय में बदलाव करना पड़ा. घटना के बाद युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू किया गया और कुछ ही घंटों में ट्रेन परिचालन सामान्य कर दिया गया.

-ओमप्रकाश चारण, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, दपूरे

पश्चिम मेदिनीपुर में दो शावकों समेत तीन हाथियों की मौत, बिजली के तार से करंट लगने की आशंका

प्रतिनिधि, खड़गपुर

पश्चिम मेदिनीपुर जिले में एक बार फिर हाथियों की मौत की खबर से चिंता और शोक का माहौल है. पीड़ाकाटा रेंज के रंजा बीट अंतर्गत हाड़तड़ा इलाके में रविवार सुबह धान के खेत से दो शावकों समेत तीन हाथियों के शव बरामद हुए. एक साथ तीन हाथियों की मौत की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुट गये. ग्रामीणों के अनुसार, सुबह खेत में हाथियों के शव पड़े होने की जानकारी मिली. इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गयी. खबर मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गये.

बिजली के तार ने बढ़ाया संदेह : हाथियों की मौत का वास्तविक कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है. हालांकि, घटनास्थल पर धान के खेत के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार ने करंट लगने की आशंका को बढ़ा दिया है. स्थानीय लोगों के एक हिस्से का अनुमान है कि बिजली के तार की चपेट में आने से तीनों हाथियों की मौत हो सकती है. वन विभाग के सूत्रों के अनुसार, खेत में सिंचाई के लिए पंप चलाने के उद्देश्य से बिजली का तार खेत के ऊपर से ले जाया गया था. वन विभाग इस बात की जांच कर रहा है कि तार में बिजली का कनेक्शन था या नहीं और यदि था, तो उसका हाथियों की मौत से कोई संबंध है या नहीं.

मृत हाथी व शावकों के शव.

इलाके में शोक : एक साथ तीन हाथियों की मौत ने वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर फिर सवाल खड़े कर दिये हैं. सूचना पाकर सुबह से ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गये. हाथियों की मौत को लेकर ग्रामीणों में दुख और चिंता देखी गयी.

जंगलमहल में करंट की चपेट में आकर हाथियों की मौत की घटना नयी नहीं : जंगलमहल के विभिन्न इलाकों में पहले भी बिजली के तार की चपेट में आने से हाथियों की मौत की घटनाएं सामने आती रही हैं. ऐसे में पीड़ाकाटा की इस घटना में भी बिजली के तार की कोई भूमिका थी या नहीं, यह जांच का महत्वपूर्ण बिंदु है. फिलहाल वन विभाग की जांच जारी है.

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तीनों हाथियों की मौत करंट लगने से हुई है. पूरे मामले की जांच की जा रही है.

जोंस जस्टिन, मेदिनीपुर के मंडल वनाधिकारी (डीएफओ)

डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर 11.42 करोड़ की ठगी, बंगाल समेत 10 राज्यों में सीबीआइ के छापे

वरीय संवाददाता, कोलकाता

डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर करीब 11.42 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ) ने बड़ी कार्रवाई की है. ऑपरेशन चक्र-छह के तहत एजेंसी ने पश्चिम बंगाल समेत देश के 10 राज्यों में 22 ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हिमांशु प्रसाद व यूनिस विश्वास के रूप में हुई है. मामला गुजरात से जुड़ा बताया गया है. पश्चिम बंगाल में भी सीबीआइ ने सॉल्टलेक और न्यूटाउन इलाके में तलाशी अभियान चलाया. केंद्रीय जांच एजेंसी ने रविवार को कार्रवाई की जानकारी दी.

30 दिनों में 142 ठिकानों पर कार्रवाई, 17 गिरफ्तार : सीबीआइ ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़े कई मामलों को अपने हाथ में लिया है. इनमें से चार मामलों में पिछले 30 दिनों के दौरान 22 राज्यों में कुल 142 ठिकानों पर व्यापक और समन्वित तलाशी अभियान चलाया गया. इन कार्रवाइयों के दौरान अब तक 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है.

ऑपरेशन चक्र-छह के तहत कार्रवाई, दो गिरफ्तार, गुजरात से जुड़ा है मामला

2.5 करोड़ कंपनी खाते में : मामले में हिमांशु प्रसाद व यूनिस विश्वास की भूमिका सामने आयी. हेक्साक्वेस्ट ग्लोबल के खाते में ठगी के 11.42 करोड़ में से 2.5 करोड़ पहुंचाये गये.

करीब तीन महीने तक 'डिजिटल अरेस्ट' का दावा : पीड़ित को साइबर अपराधियों ने करीब तीन महीने तक डिजिटल अरेस्ट में रखा. आरोप है कि अपराधियों ने खुद को पुलिस अधिकारी और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राइ) के अधिकारी के रूप में पेश पीड़ित को धमकाकर और दबाव बनाकर गिरोह के नियंत्रण वाले विभिन्न बैंक खातों में करीब 11.42 करोड़ रुपये स्थानांतरित करा लिये गये.

बैंकिंग दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त : तलाशी के दौरान बैंकिंग दस्तावेज, बैंक खातों से संबंधित रिकॉर्ड, डिजिटल उपकरण व अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किये गये. जब्त सामग्री की फॉरेंसिक जांच की जा रही है.

एशियन गेम्स : भारत की फिर चांदी ही चांदी

प्रभात खबर खेल डेस्क

एशियन गेम्स में रविवार को भारत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा. शनिवार की तरह भारत की झोली में सात पदक आये, हालांकि गोल्ड से झोली खाली रही. रविवार को भारतीय एथलेटिक्स के लिए शानदार रहा. दो रजत सहित कुल पांच पदक मिले. स्क्वैश में अनाहत सिंह और अभय सिंह के फाइनल में हारने से भारत को रजत से संतोष करना पड़ा.

हॉकी के सेमीफाइनल में

सुनेलिता टोप्पो के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को यहां एशियाई खेलों के अपने अंतिम पूल-बी मैच में सिंगापुर को 7-0 से रौंद दिया, जिससे अब सेमीफाइनल में उसका सामना कोरिया से होगा.

आठवें दिन फिर झोली में सात मेडल

27 लाख वोटरों के नाम कटने के लिए ममता जिम्मेदार, भाजपा या आयोग नहीं : शुभेंदु

मतुआ समुदाय से सीएए के लिए आवेदन करने की शांतनु ठाकुर की अपील

संवाददाता, बनगांव

केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी व जलमार्ग राज्य मंत्री और ऑल इंडिया मतुआ महासंघ के संघाधिपति शांतनु ठाकुर ने मतुआ समुदाय के लोगों से नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत आवेदन करने की अपील की है. उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिक के तौर पर चिन्हित होने के लिए सीएए के तहत आवेदन करना जरूरी है. रविवार को उत्तर 24 परगना के बनगांव स्थित नीलदर्पण प्रेक्षागृह में आयोजित बनगांव जिला मतुआ सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री ठाकुर ने समुदाय के लोगों से अपनी भावी पीढ़ी के भविष्य और भारत सरकार का साथ देने के लिए इस प्रक्रिया में शामिल होने का आह्वान किया. उन्होंने ऑल इंडिया मतुआ महासंघ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के आने के बाद ठाकुरनगर और ओड़ाकांदी को नयी पहचान मिली है. उन्होंने आने वाले दिनों में ठाकुरनगर के विकास के लिए सभी लोगों से महासंघ से जुड़े रहने की अपील की.

श्री ठाकुर ने कहा कि महासंघ की ओर से सरकार के समक्ष कई मांगें रखी गयी हैं. उन्होंने उम्मीद जतायी कि आने वाले दिनों में इन मांगों को पूरा

तृणमूल में गिरफ्तारी की दस्तक, भाजपा में कुर्सी खिसकने का डर

खड़गपुर/झाड़ग्राम. पश्चिम मेदिनीपुर और झाड़ग्राम की राजनीति इन दिनों दो अलग-अलग वजहों से सुर्खियों में है. एक ओर तृणमूल कांग्रेस से जुड़े नेताओं के खिलाफ सामने आ रहे मामलों और पुलिस कार्रवाई ने पार्टी के भीतर और राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है, तो दूसरी ओर भाजपा में चल रहे संगठनात्मक बदलाव ने कई नेताओं की राजनीतिक भूमिका और पद को लेकर चर्चाओं को तेज कर दिया है. तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के मामलों की जांच तथा नये-नये आरोप सामने आने के बीच कुछ नेताओं पर पुलिस कार्रवाई भी हुई है. हाल में पिंगला के पूर्व विधायक और तृणमूल नेता अजीत माइती की गिरफ्तारी के बाद जिले की राजनीति में इस मुद्दे पर चर्चा और तेज हुई है. उनके खिलाफ पार्टी में पद दिलाने के नाम पर पैसे लेने का आरोप सामने आया है.

एसआइआर को लेकर निर्वाचन आयोग का किया बचाव

वरीय संवाददाता, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान करीब 27 लाख नाम हटाये जाने को लेकर राजनीतिक विवाद के बीच मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को यहां प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा. उन्होंने दावा किया कि "27 लाख वोटरों के नाम कटने के लिए ममता जिम्मेदार हैं, भाजपा या चुनाव आयोग नहीं. उनके द्वारा दायर मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर न्यायिक अधिकारियों ने काम किया और उन्होंने ही फैसला लिया."

उन्होंने कहा कि जिस विषय को लेकर तृणमूल कांग्रेस खुद सुप्रीम कोर्ट गयी थी, उसी मामले में अदालत के निर्देश पर हुई न्यायिक प्रक्रिया पर अब सवाल उठाये जा रहे हैं. मुख्यमंत्री ने 26 सितंबर को नयी दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू तथा विवेक जोशी की बैठक का उल्लेख किया. उन्होंने तीनों निर्वाचन आयुक्तों की एक साथ मौजूदगी वाली तस्वीर दिखाते हुए कहा कि एसआइआर से जुड़े फैसले किसी एक व्यक्ति ने एकतरफा तरीके से नहीं लिये. उनके अनुसार, तीनों निर्वाचन आयुक्तों की सहमति से फैसले लिये गये.

निर्वाचन आयोग ने भी शनिवार को कहा था कि एसआइआर से संबंधित सभी आदेशों को तीनों निर्वाचन आयुक्तों की सर्वसम्मत मंजूरी मिली थी. आयोग ने यह भी कहा कि फॉर्म-6 में किये गये बदलावों को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा था.

आयोग ने तीनों आयुक्तों के बीच कथित मतभेदों से संबंधित खबरों के संदर्भ में कहा कि आंतरिक विचार-विमर्श के दौरान मतभेद होना सामान्य है और अंतिम फैसले सर्वसम्मति से लिये गये. निर्वाचन आयोग द्वारा उच्चतम न्यायालय में दाखिल आंकड़ों के अनुसार, बंगाल में एसआइआर के दौरान हटाये गये करीब 27.16 लाख मतदाताओं में से 22 लाख से अधिक ने अपने नाम बहाल करने के लिए अपील की है. निर्वाचन आयोग ने कहा है कि मृत, स्थानांतरित और दोहरे नाम जैसी श्रेणियों तथा अन्य विसंगतियों के सत्यापन के बाद ये नाम हटाये गये. हालांकि, शुभेंदु अधिकारी ने इस मुद्दे को मुख्य रूप से 2026 के विधानसभा चुनाव के जनादेश को लेकर राजनीतिक लड़ाई के रूप में पेश किया. उन्होंने कहा, 'अगर केरलम में एसआइआर अच्छा है, तो पश्चिम बंगाल में यह खराब क्यों है? हमने 208 सीटें जीती हैं, जबकि दोनों पक्षों (तृणमूल कांग्रेस और उसके सहयोगियों) के पास 80 सीटें हैं. ममता बनर्जी जनता के फैसले को स्वीकार नहीं कर पा रही हैं.''

अधिकारी ने सुश्री बनर्जी की शनिवार को श्रीरामपुर के कोर्ट मैदान में हुई सभा का भी जिक्र किया और आरोप लगाया कि एक रिपोर्ट को आधार बनाकर निर्वाचन आयोग के खिलाफ प्रचार किया जा रहा है और जनता के चुनावी फैसले पर सवाल उठाये जा रहे हैं.

उन्होंने यह भी दावा किया कि श्रीरामपुर की शनिवार की सभा में भीड़ बहुत कम थी. उनके अनुसार, वहां करीब 150 लोग मौजूद थे, जबकि पुलिस की ओर से 170 कर्मियों की व्यवस्था की गयी थी और करीब 200 मीडिया कर्मी मौजूद थे. उन्होंने सभा में ममता बनर्जी द्वारा भाजपा सरकार पर किये गये हमलों का भी जवाब दिया.

माकपा से ममता के संपर्क पर शुभेंदु का तंज, दोनों की नजदीकी को बताया 'माकपा-तृणमूल की प्रेम कहानी'

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के मुद्दे पर माकपा से संपर्क करने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है. रविवार को यहां प्रदेश भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने माकपा और तृणमूल (ममता गुट) के बीच बढ़ती नजदीकी को 'माकपा-तृणमूल की प्रेम कहानी' करार देते हुए आरोप लगाया कि सुश्री बनर्जी ने उसी माकपा से हाथ मिला लिया है, जिसके खिलाफ उन्होंने दशकों तक राजनीतिक संघर्ष किया. उन्होंने नंदीग्राम से लेकर नेताई तक की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी राजनीतिक संघर्ष की पृष्ठभूमि पर तृणमूल खड़ी हुई थी, लेकिन अब माकपा उसकी मित्र बन गयी है. जब तृणमूल की स्थापना हुई थी, तब सुश्री बनर्जी को कांग्रेस से अलग होना पड़ा था और पश्चिम बंगाल में कम्युनिस्ट शासन को समाप्त करने के लिए तत्कालीन भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें राजनीतिक समर्थन दिया था. उन्होंने बनर्जी और

माकपा के बीच कथित राजनीतिक नजदीकी के लिए हाल में विधानसभा में हुए एक विधेयक पर मतदान का भी हवाला दिया. उनके अनुसार, विधानसभा में विधेयक के विरोध में हुए मतदान में ममता खेमे के तृणमूल विधायकों के साथ डोमकल से माकपा के एकमात्र विधायक ने भी मतदान किया. उन्होंने इसे दोनों दलों के बीच बढ़ती राजनीतिक नजदीकी का उदाहरण बताया .मुख्यमंत्री ने कहा, 'कुछ दिन पहले विधानसभा के अंदर भी यह दोस्ती देखने को मिली थी. एक विधेयक के विरोध में तृणमूल के विधायकों और डोमकल के माकपा विधायक ने एक साथ मतदान किया. जिस तृणमूल की स्थापना माकपा के अत्याचार के विरोध में हुई थी, वही ममता की तृणमूल अब माकपा के साथ हाथ मिला रही है.' माकपा के महासचिव एमए बेबी द्वारा एसआइआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े विवाद को लेकर विपक्षी नेताओं को पत्र लिखे जाने के बाद ममता बनर्जी से उनकी फोन पर हुई बातचीत का भी मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया. अधिकारी ने एसआइआर के मुद्दे पर माकपा की सक्रियता पर भी सवाल उठाया.

तारकेश्वर मंदिर पहुंचीं एसआइआर ट्रिब्यूनल की न्यायाधीश अनिंदिता

- विधायक संतु पान से मुलाकात बनी चर्चा का विषय

प्रतिनिधि, हुगली

तारकेश्वर में बाबा तारकनाथ मंदिर के 300 वर्ष पूरे होने के पहले रविवार को एसआइआर ट्रिब्यूनल की न्यायाधीश अनिंदिता राय सरस्वती पूजा-अर्चना करने पहुंचीं. पति अधिवक्ता अरुण राय, सरस्वती और पुत्र के साथ उन्होंने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार बाबा तारकनाथ की पूजा की. मंदिर परिसर में इस दौरान तारकेश्वर के विधायक संतु पान भी मौजूद थे.

पूजा के बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए विधायक संतु पान ने कहा कि तीन साल बाद बाबा तारकनाथ के आदिलिंग के 300 वर्ष पूरे होंगे. इसे ध्यान में रखते हुए तारकेश्वर को नये रूप में विकसित करने की पहल की जा रही है. उन्होंने कहा कि पुरी, काशी विश्वनाथ और अयोध्या की तर्ज पर मंदिर परिसर के विकास की योजना है. संतु पान के अनुसार, राज्य की मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की भी तारकेश्वर के विकास को लेकर ऐसी ही इच्छा है. विधायक ने यह भी दावा किया कि न्यायाधीश अनिंदिता राय सरस्वती ने उनसे कहा कि तारकेश्वर में अब बदलाव दिखाई दे रहा है. इसके जवाब में न्यायाधीश अनिंदिता राय सरस्वती ने कहा कि कई वर्ष पहले आरामबाग में कार्यरत रहने के दौरान वह तारकेश्वर आयी थीं.

न्यायाधीश अनिंदिता राय के साथ विधायक संतु पान.

लंबे अंतराल के बाद दोबारा बाबा तारकनाथ के दरबार में आकर उन्हें बहुत अच्छा लगा. उन्होंने कहा, तारकेश्वर का और विकास हो, बाबा सभी का मंगल करें और देश में शांति बनी रहे. विधायक संतु पान के बारे में पूछे जाने पर न्यायाधीश ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा, वह अच्छा करें. तारकेश्वर के लोग यह महसूस करें कि संतु पान आये हैं, अब हमारा सब कुछ अच्छा होगा.

न्यायाधीश के इस बयान और विधायक संतु पान की ओर से तारकेश्वर के विकास को लेकर दिये गये वक्तव्य के बाद मंदिर परिसर से लेकर पूरे तारकेश्वर में दिनभर चर्चा का माहौल बना रहा.

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आइएनटीयूसी सेवा दल का विरोध प्रदर्शन

संवाददाता, बैरकपुर

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस समेत कई राजनीतिक दल पहले से ही मैदान में हैं. इसी कड़ी में रविवार सुबह उत्तर 24 परगना के खड़दह और बशीरहाट में विरोध प्रदर्शन किया गया. आइएनटीयूसी सेवा दल ने खड़दह में विरोध रैली निकाली, जो रहड़ा बाजार से शुरू होकर स्टेशन रोड होते हुए खड़दह स्टेशन पर खत्म हुआ. इस दौरान ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के नारे लगाये. रैली में जिला आइएनटीयूसी सेवा दल के अध्यक्ष तपन कर ने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने बाकी दो आयुक्तों को अंधेरे में रखकर चुनाव से जुड़े सभी फैसले अकेले लिए हैं. इस कारण एसआइआर में 13 करोड़ लोगों के नाम हटा दिये गये और कइयों को जान गंवानी पड़ी. उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए. वहीं दूसरी ओर बशीरहाट में भी रविवार को कांग्रेस समर्थकों ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला जलाया.

आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर हुमायूं कबीर के खिलाफ बहरमपुर थाने में शिकायत दर्ज

संवाददाता, कोलकाता

रेजिनगर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव से पहले आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के विधायक हुमायूं कबीर के खिलाफ मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मौत की कथित कामना करने को लेकर थाने में शिकायत दर्ज करायी गयी है. रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) की ओर से बहरमपुर थाने में शिकायत दर्ज करायी गयी है. आरोप है कि कबीर ने अपने एक हालिया बयान में मुख्यमंत्री अधिकारी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की और उनके जल्द दुनिया से चले जाने की कामना की.

कबीर के बयान पर केंद्रीय मंत्री व भाजपा नेता डॉ सुकांत मजूमदार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हुमायूं कबीर चाहे जितनी कामना करें, मुख्यमंत्री के केशाग्र तक को कुछ नहीं होगा. उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता का आशीर्वाद शुभेंदु अधिकारी के साथ है. राज्य के मंत्री तापस राय ने भी हुमायूं की टिप्पणी की आलोचना की. उन्होंने उन्हें 'असभ्य' बताते हुए कहा कि ऐसी बातें राजनीति के मैदान में पहले कभी नहीं सुनी गयीं. राय ने कहा कि उनके परिवार को उनका इलाज कराना चाहिए. कबीर के खिलाफ बहरमपुर थाने में इससे पहले भी एक शिकायत दर्ज हो चुकी है. उन्होंने पुलिस पर चुनाव में वोट लूटने का आरोप लगाया था और रेजिनगर थाने के सामने धरने पर बैठ गये थे. विधायक हुमायूं कबीर द्वारा रविवार को मुर्शिदाबाद में पत्रकारों से बातचीत में की गयी कथित टिप्पणी को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद कबीर का रुख नरम पड़ा है. वह इस दिन फिर मीडिया के समक्ष मुखातिब हुए और कहा कि उन्होंने किसी का नाम लेकर कुछ नहीं कहा है. इतना ही नहीं उन्होंने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के दीर्घायु होने की कामना भी की है.

हुमायूं कबीर ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की और उनके जल्द दुनिया से चले जाने की कामना की

सीएम को लेकर हुमायूं कबीर की आपत्तिजनक टिप्पणी पर भाजपा का पलटवार

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में रविवार को उस समय नया विवाद खड़ा हो गया, जब आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के संस्थापक हुमायूं कबीर ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के 'जल्द दुनिया से चले जाने' की कामना की और उन नेताओं का जिक्र किया, जिनकी या तो हत्या कर दी गयी या जिनकी दुर्घटनाओं में मौत हुई थी. उनकी इस टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. राज्य के स्वास्थ्य मंत्री शारद्वत मुखर्जी ने उनकी टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि "राजनीतिक मतभेद किसी प्रतिद्वंद्वी की मौत की कामना को उचित नहीं ठहरा सकते. बंगाल में राजनीतिक शिष्टाचार का स्तर बेहद नीचे गिर गया है. मैंने कभी नहीं सोचा था कि कोई इतनी बेशर्मी से इस तरह की बात कह सकता है. हो सकता है कि वह शुभेंदु अधिकारी को पसंद नहीं करते हों या उनकी नीतियों से असहमत हों, लेकिन क्या कोई किसी की 'मौत' की कामना कर सकता है? मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं.''मुर्शिदाबाद में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कथित तौर पर कबीर ने उन नेताओं का जिक्र किया था, जिनकी अप्राकृतिक मौत हुई थी. कबीर ने कहा कि वह चाहते हैं कि अधिकारी मुख्यमंत्री पद पर न रहें और पूर्व मुख्यमंत्री बन जायें. उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद भाजपा नेता 'अहंकारी' हो गये हैं और उनके नेतृत्व वाली सरकार में अल्पसंख्यकों को परेशान किया जा रहा है. ये टिप्पणियां छह अक्तूबर को होने वाले रेजिनगर उपचुनाव से पहले मुर्शिदाबाद में बढ़ी राजनीतिक गतिविधियों के बीच आयी हैं. 2026 के विधानसभा चुनाव में नाओदा सीट बरकरार रखने के बाद कबीर ने रेजिनगर सीट खाली कर दी थी, जिसके कारण वहां उपचुनाव हो रहा है.

होल्डिंग सेंटर से भागा रोहिंग्या युवक झाड़ियों में छिपा मिला

कोलकाता/जलपाईगुड़ी. होल्डिंग सेंटर की दीवार फांदकर भागे रोहिंग्या युवक को आखिरकार पुलिस ने पकड़ लिया. पुलिस के अनुसार, जलपाईगुड़ी-सिलीगुड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाथी मोड़ इलाके में झाड़ियों के पीछे छिपे युवक का पता गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान के खोजी कुत्ते 'ऑरलैंडो' ने लगाया. इसके बाद राजगंज थाने की पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया. जानकारी के अनुसार, 19 सितंबर को एनजेपी स्टेशन से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने चार रोहिंग्या नागरिकों को पकड़ा था. बाद में उन्हें राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के माध्यम से राजगंज पुलिस को सौंप दिया गया. चारों को राजगंज के फाटापुकुर स्थित होल्डिंग सेंटर में रखा गया था. रविवार सुबह पुलिस की नजर से बचकर म्यांमार निवासी रोहिंग्या युवक मोहम्मद सलाम वहां से भाग गया. युवक के भागने की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आसपास के पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया. तलाशी के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और वन विभाग के खोजी कुत्ते की भी मदद ली गयी.

नंदीग्राम

तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं के घर पुलिस की तलाशी

उपचुनाव से पहले बढ़ गयी हलचल

प्रतिनिधि, हल्दिया

नंदीग्राम विधानसभा सीट पर छह अक्तूबर को होने वाले उपचुनाव से पहले रविवार को पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं के घर तलाशी अभियान चलाया. पुलिस ने पुराने मामलों में जारी गिरफ्तारी वारंट के सिलसिले में तृणमूल नेता शेख शहाबुद्दीन और शेख सूफियान के आवास पर पहुंचकर उनकी तलाश की. हालांकि, दोनों ही अपने-अपने घर पर नहीं मिले. पुलिस की कार्रवाई के बाद इलाके में तनाव का माहौल रहा.

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, नंदीग्राम थाने की टीम ने शेख शहाबुद्दीन के आवास पर तलाशी ली. अधिकारी ने बताया कि शहाबुद्दीन के खिलाफ 2007, 2009 और 2011 के कई मामलों में गिरफ्तारी वारंट जारी हैं. इन्हीं वारंट के सिलसिले में उनके घर पर तलाशी अभियान चलाया गया. हालांकि, वह वहां मौजूद नहीं मिले. शहाबुद्दीन के परिवार के सदस्यों ने पुलिस की कार्रवाई पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया. इसके बाद पुलिस नंदीग्राम के एक अन्य तृणमूल नेता शेख सूफियान के घर भी पहुंची. वहां भी उनकी तलाश की गयी, लेकिन वह घर पर नहीं मिले. पुलिस ने परिवार के सदस्यों से शेख सूफियान को थाने में आकर संपर्क करने को कहा है.

नंदीग्राम सीट मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी. उन्होंने भवानीपुर सीट को अपने पास रखने का विकल्प चुना था. उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी गुट की उम्मीदवार संचिता प्रधान (दे) चुनावी मुकाबले से अपना नाम वापस ले चुकी हैं.

पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्र व चुनाव आयोग पर जमकर साधा निशाना

भाजपा और चुनाव आयोग एक-दूसरे के पर्यायवाची बन गये हैं : शत्रुघ्न सिन्हा

प्रतिनिधि, आसनसोल

आसनसोल के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने रविवार को आसनसोल गेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान चुनाव आयोग, भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव के दौरान जो वादे किए थे, उनमें से एक भी पूरा नहीं किया गया. उन्होंने कहा कि आज की स्थिति में भाजपा और चुनाव आयोग एक-दूसरे के पर्यायवाची बन गये हैं और चुनावी प्रक्रिया को लेकर जनता के मन में उठ रहे सवालों का जवाब चुनाव आयोग को देना चाहिए.

शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि वर्ष 2024 के बाद हुए विभिन्न चुनावों और चुनाव के बाद लिये गये कई फैसलों को लेकर विपक्ष की ओर से लगातार सवाल उठाये जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और ममता बनर्जी समेत विपक्ष के कई नेताओं का मानना है कि इन मामलों में संवैधानिक और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं हुआ है.

संवाददाताओं से बातचीत करते शत्रुघ्न सिन्हा, साथ में अन्य.

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को चुनाव आयोग के फैसलों से राजनीतिक लाभ मिला है और इसी कारण भाजपा आयोग के बचाव में खड़ी दिखाई दे रही है.

उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्ष और जनता के बीच कई सवाल उठे हैं. सिन्हा ने कहा कि आने वाले समय में होने वाले चुनावों से पहले ही राजनीतिक माहौल तेजी से बदल रहा है. उन्होंने दावा किया कि देश में जनता के बीच जागरूकता बढ़ रही है और युवाओं में भी आंदोलन तथा अपने अधिकारों को लेकर आवाज उठाने की भावना दिखाई दे रही है. शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि आंदोलन का माहौल अभी से दिखाई दे रहा है और आने वाले छह महीनों में राजनीतिक परिस्थितियों में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं.

भाजपा सभी को लाभ पहुंचाने में विश्वास रखती है : सुष्मिता

- कहा : पश्चिम बंगाल में कई क्षेत्रों में बड़े बदलाव की जरूरत है. देव ने कहा, अच्छे शासन की व्यवस्था न केवल सांसदों, विधायकों और मंत्रियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि संगठन पर भी निर्भर करती है

संवाददाता, कोलकाता

राज्यसभा सदस्य सुष्मिता देव ने रविवार को कहा कि सरकार बनाना भाजपा के मिशन का केवल एक हिस्सा है और पार्टी का मानना है कि शासन का लाभ सभी व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए. सुष्मिता हाल में तृणमूल कांग्रेस से राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद भाजपा के नामांकन पर संसद के उच्च सदन के लिए दोबारा निर्वाचित हुईं. उन्होंने यहां विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में कहा, 'पार्टी अंतिम छोर तक लाभ पहुंचाने में विश्वास रखती है.' भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राज्य में पार्टी पदाधिकारियों, नेताओं, सांसदों, विधायकों और मंत्रियों के साथ कई बैठकें कीं.

बैठक से इतर संवाददाताओं से बातचीत में देव ने कहा, 'सरकार बनाना भाजपा के मिशन का केवल एक हिस्सा है.' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कई क्षेत्रों में बड़े बदलाव की जरूरत है. देव ने कहा, अच्छे शासन की व्यवस्था न केवल सांसदों, विधायकों और मंत्रियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि संगठन पर भी निर्भर करती है.

उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं, संगठन के पदाधिकारियों, सांसदों और विधायकों के साथ बैठकें कीं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों की सभी अपेक्षाएं हर स्तर पर पूरी हों. नितिन नवीन का पश्चिम बंगाल का दो दिवसीय दौरा राज्य में संगठनात्मक फेरबदल की पृष्ठभूमि में हो रहा है.

राशिफल — डॉ एनके बेरा

मेष : रोजगार के क्षेत्र में नवीन कार्य की शुरुआत करने के लिए समय ठीक है.

वृष : क्रोध व आवेश पर नियंत्रण रखें. शत्रु हानि पंहुचाने की चेष्टा करेंगे.

मिथुन : सरकार की ओर से धन व मान-सम्मान की प्राप्ति होगी.

कर्क : नौकरी में परिवर्तन हो सकता है, जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होगा.

सिंह : नया काम इस समय हाथ में न लें. कोई अप्रिय समाचार मिलेगा.

कन्या : व्यापार व कार्यक्षेत्र की चिंताओं से आप मुक्त हो जायेंगे.

तुला : रोजी-रोजगार में अवरोध-विरोध का सामना हो सकता है.

वृश्चिक : यश व कीर्ति में वृद्धि होगी. घर-गृहस्थी में सुख का वातावरण रहेगा.

धनु : कारोबार व कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति का मार्ग प्रशस्त होंगे.

मकर : कारोबार के हालात पिछले दिनों से कुछ बेहतर होंगे.

कुंभ : नयी नौकरी मिलने के प्रयास सफल के होने की संभावना.

मीन : मिले-जुले परिणाम प्राप्त होंगे. आय में कुछ कमी रहेगी.

शब्दपहेली 3018

बाएं से दाएं : 3. भारत के चार प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों में से एक (4), 5. इच्छा, मर्जी (2), 6. हंसोड़, परिहासप्रिय, विनोदी (4), 8. मादक द्रव्यों के सेवन से उत्पन्न दशा (2), 10. एक फिल्म अभिनेता, राजा का पुत्र (5), 12. युद्ध, लड़ाई (3), 13. तापने के लिए जलाई हुई आग, कौड़ा, आग का ढेर (3), 14. सोने का कमरा, शयनगार (5), 16. लक्ष्मी (2), 19. कुम्हड़ा (4), 20. हथेली का आघात जिससे थप ध्वनि निकले (2), 21. खिन्न, अस्वस्थ (4)

ऊपर से नीचे : 1. सीमा, हद (4), 2. समझ रखने वाला (5), 3. परछांई, छाया (2), 4. छोटे कद का (2), 7. तट, तीर, हाशिया (3), 9. शासन योग्य (4), 11. महाशय (4), 13. यतीमखाना (5), 15. शक्ति, सामर्थ्य (3), 17. मगजमारी (4), 18. जीवन-निर्वाह हेतु साधन भूत द्रव्य (2), 19. टाँका मारना, सिलाई करना (2)

शब्दपहेली उत्तर

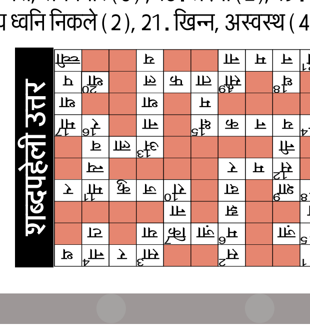

सुडोकू नवताल — पहेली नंबर 6411

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaar.com, Bangalore

सुडोकू नवताल - 6410 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने हैं. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है.
- आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

प्रभात खबर
अखबार नहीं आंदोलन
प्रभात खबर लेकर आया है देश दुनिया, आपके राज्य व शहर की ताजातरीन खबरें.
क्यूआर कोड को स्कैन करें और अपडेट रहें.
www.prabhatkhabar.com
प्रभात खबर की वेबसाइट पर जाएं और यूट्यूब चैनल youtube.com/@PrabhatKhabartv सब्सक्राइब करें.

36 साल बाद लापता सैन्यकर्मी के अपहरण का मामला दर्ज

1990 में हुई थी घटना

संवाददाता, कोलकाता

फोर्ट विलियम से छुट्टी बिताकर अपनी ड्यूटी पर लौट रहे भारतीय सेना के जवान एडविन राजन 36 साल पहले अचानक लापता हो गये थे. इतने दशकों तक पति का कोई सुराग न मिलने पर अब उनकी पत्नी ने कोलकाता पुलिस के पास अपहरण की शिकायत दर्ज करायी है. महिला की अर्जी पर कार्रवाई करते हुए हेस्टिंग्स थाने की पुलिस ने मामला दर्ज कर नये सिरे से इसकी जांच शुरू की है.

क्या है मामला : बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला साल 1990 का है. हिमाचल प्रदेश के डलहौसी छावनी में तैनात सेना के जवान एडविन राजन साल के अंत में छुट्टी लेकर कोलकाता के फोर्ट विलियम स्थित अपने पारिवारिक आवास आये थे. परिवार के साथ कुछ दिन बिताने के बाद 18 जनवरी 1990 को वे डलहौसी के लिए रवाना हुए. उस समय मोबाइल फोन की सुविधा नहीं थी, इसलिए उन्हें पहुंचने के बाद लैंडलाइन से फोन करना था. कई दिन बीत जाने के बाद भी जब कोई फोन नहीं आया, तो उनकी पत्नी आरोगिया मैरी राजन ने डलहौसी दफ्तर में संपर्क किया, जहां से पता चला कि वे ड्यूटी पर पहुंचे ही नहीं हैं.

सेना ने घोषित कर दिया भगोड़ा: घटना के बाद सेना और परिवार दोनों स्तरों पर उनकी काफी तलाश की गयी. उस समय हेस्टिंग्स थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करायी गयी थी. कोई जानकारी न मिलने पर 1995 में मिलिट्री पुलिस ने भी जांच की, लेकिन कोई सुराग न मिलने के कारण नियमों के तहत सेना ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया. हालांकि परिवार का दावा है कि वे भागे नहीं थे, बल्कि उनका अपहरण हुआ है. पेंशन न मिलने और पुलिस रिपोर्ट के अभाव में पत्नी सालों तक न्याय के लिए भटकती रहीं.

इतने पुराने मामले की जांच करना अधिकारी के लिए बड़ी चुनौती : पत्नी की गुहार पर हेस्टिंग्स थाने ने आखिरकार अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है. वर्तमान में परिवार सरसुना इलाके में रहता है, लेकिन आखिरी बार एडविन को फोर्ट विलियम में देखा गया था, इसलिए हेस्टिंग्स थाने में केस दर्ज किया गया है. पुलिस का मानना है कि छत्तीस साल पुराने इस मामले में जांच करना बेहद कठिन है.

स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष सफाई अभियान, खर्च का देना होगा पूरा हिसाब

डेंगू से निपटने के लिए 1.23 करोड़ आवंटित खर्च पर स्वास्थ्य विभाग की कड़ी नजर

- काम से पहले और बाद की तस्वीरें भी अनिवार्य

संवाददाता, कोलकाता

डेंगू और अन्य मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में वित्तीय अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए राज्य स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कदम उठाया है. डेंगू निरोधी अभियान के तहत अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में साफ-सफाई व प्रबंधन के लिए एक करोड़ 23 लाख 15 हजार रुपये आवंटित किये गये हैं. स्वास्थ्य विभाग ने अधिसूचना जारी कर यह भी स्पष्ट कर दिया है कि विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में आवंटित राशि खर्च करने की जिम्मेदारी किन अधिकारियों की होगी. साथ ही, खर्च का पूरा ब्योरा भी प्रस्तुत करना होगा.

सरकारी निर्देश के अनुसार, डेंगू के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए राज्यभर में 12 अक्टूबर तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा. इस दौरान सभी स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में मच्छरजनित रोगों की निगरानी, मच्छर नियंत्रण और आसपास के पर्यावरण को साफ-सुथरा रखने पर विशेष जोर दिया जायेगा.

वित्तीय नियमों का सख्ती से पालन: स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि आवंटित राशि खर्च करते समय सभी वित्तीय नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा.

स्वास्थ्य संस्थानों के अकाउंट्स अधिकारियों को डीडीओ के रूप में जिम्मेदारी निभानी होगी. जरूरत पड़ने पर सीएमओएच के अधीन आनेवाले ग्रामीण और ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक भी राशि पहुंचाने का निर्देश दिया गया है.

सफाई के साथ फोटो और जियो-टैगिंग भी जरूरी : स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल सफाई अभियान चलाना ही पर्याप्त नहीं होगा. अभियान से पहले और बाद में संबंधित क्षेत्रों की तस्वीरें लेना और उनका उचित रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा. संभव होने पर इन तस्वीरों को जियो-टैग करके भेजने का भी निर्देश दिया गया है. अभियान पूरा होने के बाद आवंटित राशि के इस्तेमाल और किये गये कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट स्वास्थ्य भवन में जमा करनी होगी.

मेडिकल कॉलेजों में प्राचार्य और एमएसवीपी की जिम्मेदारी

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डेंगू निरोधी अभियान के लिए आवंटित राशि खर्च करने और उसका हिसाब रखने की जिम्मेदारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्रिंसिपल, अस्पताल अधीक्षक और निदेशकों को दी गयी है. वहीं, जिलों में यह राशि मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमओएच) और संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों के अधीक्षकों के माध्यम से खर्च की जायेगी. एंटी-डेंगू अभियान के दौरान विशेष सफाई और आवश्यक प्रबंधन पर ही राशि खर्च करने का निर्देश दिया गया है.

बिना अनुमति के छुट्टी लेनेवाले प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में सरकारी स्कूलों के कामकाज पर भी सरकार निगरानी रख रही है. इस क्रम में राज्य के प्राथमिक स्कूलों में बिना इजाजत के छुट्टी लेनेवाले प्राइमरी स्कूल के टीचरों पर कार्रवाई की जायेगी. इस बात के संकेत स्कूल शिक्षा विभाग ने दिये हैं. इस कदम का मकसद प्राइमरी स्कूलों में टीचरों की नियमित उपस्थिति को पक्का करना और पढ़ाई का माहौल बनाये रखना है. राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग के हाल ही के एक निर्देश के मुताबिक, बिना अनुमति के छुट्टी लेनेवाले प्राइमरी स्कूल के टीचरों पर अब विभागीय और कानूनी कार्रवाई होगी. इस विषय में जिला अधिकारियों से कहा गया है कि वे उन प्राइमरी स्कूल टीचरों के खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई करें जो तय नियमों का पालन किये बिना छुट्टी लेते हैं. यह निर्देश जारी होने के बाद स्कूल सतर्क हो गये हैं. विभाग के सूत्रों के अनुसार टीचर्स की लंबे समय तक बिना इजाजत के गैर हाजिरी सरकारी प्राइमरी स्कूलों में रेगुलर पढ़ाने-लिखाने की प्रक्रिया पर असर डाल रही है.

सीडब्ल्यूटीए के समारोह में गूंजा 'बंगाल बाउंड टू ग्रो' का संदेश

कोलकाता. कॉन्फिडरेशन ऑफ वेस्ट बंगाल ट्रेड एसोसिएशन्स (सीडब्ल्यूटीए) की वार्षिक आमसभा (एजीएम) एवं संस्था के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह का आयोजन शनिवार को आइटीसी रॉयल बंगाल में किया गया. शाम छह बजे आयोजित समारोह की केंद्रीय थीम 'बंगाल बाउंड टू ग्रो' रही. कार्यक्रम में व्यापार, उद्योग, सामाजिक क्षेत्र और सार्वजनिक जीवन से जुड़े अनेक गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया. इस समारोह में कार्तिक महाराज, तापस राय, अग्निमित्रा पॉल, डॉ सुब्रत गुप्ता, आइएएस (सेवानिवृत्त), दिनेश पांडे तथा भाजपा प्रवक्ता शंकुदेब पांडा सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे. इस समारोह में उपाध्यक्ष प्रदीप लुहारीवाला और सीके वरदराजन, सचिव जेएल बरड़िया, कोषाध्यक्ष दिनेश गंगवाल तथा सीईओ करिश्मा खन्ना सहित वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे. इस अवसर पर एसके चोरड़िया, आरके राठी, जीडी बागड़ी, पीएल शाह, विनोद के संचेती, चंद्रेश मेघानी, कमल चांदगोठिया, संजीव मेहरोत्रा, अभिषेक अग्रवाल, रोहित चौधरी, विवेक ड्रोलिया, प्रदीप खेतान, अरविंद पांडे, संजय अग्रवाल तथा शशिकांत शाह सहित अनेक व्यापारिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता की. कार्यक्रम का समापन उपाध्यक्ष प्रदीप लुहारीवाला के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ.

फोटो : पीटीआइ

दुर्गा पूजा के उल्लास से सजा कोलकाता का न्यू मार्केट

कोलकाता के न्यू मार्केट में दुर्गा पूजा के आगामी उत्सव की तैयारियों के बीच खरीदारी करने पहुंचे लोग. बाजारों में बढ़ती चहल-पहल, रंग-बिरंगे परिधानों और खरीदारी के उत्साह ने शहर की फिजाओं में उत्सव का रंग घोल दिया है. राज्य में दुर्गा पूजा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा, संस्कृति और सामुदायिक उल्लास का जीवंत उत्सव है.

स्वामी प्रणवानंद मातृ सम्मेलन में महिला सशक्तीकरण पर जोर

कोलकाता. आदर्श मातृत्व से महिला जागरण, पारिवारिक मूल्यों, आत्मनिर्भरता और नैतिक समाज के निर्माण का संदेश लेकर रविवार सुबह बालीगंज के ऐतिहासिक राजा श्रीनाथ सभागृह में स्वामी प्रणवानंद मातृ सम्मेलन का आयोजन किया गया. सम्मेलन का आयोजन मन्मथपुर प्रणव मंदिर के तत्वावधान में किया गया. युगावतार श्रीमत स्वामी प्रणवानंदजी महाराज के आदर्शों और उनके दिखाये मार्ग को केंद्र में रखकर आयोजित इस सम्मेलन में समाज और परिवार में महिलाओं की भूमिका तथा जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गयी. कार्यक्रम का उद्घाटन भारत सेवाश्रम संघ के प्रधान सचिव स्वामी विश्वात्मानंदजी महाराज ने किया. इस अवसर पर स्वामी अन्वेषानंदजी महाराज, संन्यासिनी मां तेजमयी, संन्यासिनी मां आत्मस्थानंदमयी और संन्यासिनी मां वेदप्राणा उपस्थित रहीं. चिकित्सक डॉ रोनिता राय और सुलता मंडल ने महिला जागरण के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे. स्वामी विश्वात्मानंदजी महाराज ने कहा, "महिला शक्ति का जागरण केवल महिलाओं के व्यक्तिगत विकास का विषय नहीं है.

ईएम बाइपास : नाइट क्लब में गयी थी युवती उसे घेरकर मनचलों ने की अश्लील हरकत

- साइंस सिटी के निकट एक मॉल के भीतर मौजूद नाइट क्लब की देर रात की घटना
- 100 नंबर पर फोन करने पर मदद के लिए पहुंची थी पुलिस, मुख्य आरोपी को दबोचा

संवाददाता, कोलकाता

ईएम बाइपास में प्रगति मैदान थाना क्षेत्र में स्थित एक मशहूर नाइट क्लब में गयी 20 वर्षीय युवती को घेरकर उसके साथ बदसलूकी एवं छेड़खानी का मामला सामने आया है. जानकारी मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी मोहम्मद रफी अजीम (24) को बेनियापुकुर इलाके में छापामारी के दौरान गिरफ्तार कर लिया है. उसका एक अन्य ठिकाना खिदिरपुर के भूकैलाश रोड में भी है. आरोपी से पूछताछ के बाद इस घटना में उसके साथ मौजूद उसके साथियों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है. पुलिस का कहना है कि जल्द अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जायेगा.

गिरफ्तार आरोपी.

नाइट क्लब में दोस्तों के साथ गयी थी युवती : पुलिस को प्राथमिक जांच में पता चला कि न्यू अलीपुर की रहनेवाली 20 वर्षीय युवती शनिवार की रात अपने आठ दोस्तों के साथ मॉल में स्थित नाइट क्लब में गयी थी. पीड़िता का आरोप है कि देर रात लगभग दो बजे एक युवक अपने साथियों के साथ मिलकर उसका रास्ता रोका और उसे घेर लिया. पीड़िता ने शिकायत में बताया कि युवक ने इस दौरान उसे देखकर अश्लील टिप्पणी की. विरोध करने पर मारपीट व गाली-गलौज करने के साथ उनके साथ छेड़खानी भी की गयी. इधर, शोर-शराबा होने के बाद आरोपी अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गया.

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि तुरंत घटनास्थल से 100 नंबर पर फोन कर पुलिस को इसकी जानकारी दी गयी. सूचना पाकर प्रगति मैदान थाने की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची. पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और पीड़िता से लिखित शिकायत जमा करने का अनुरोध किया. इसके बाद पीड़िता और उसके दोस्तों ने प्रगति मैदान थाने में पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज करायी. शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 79, 115(2), 126(2) और 54 के तहत मामला दर्ज कर इस मामले की जांच शुरू की.

एसआरएफटीआइ के कार्यक्रम में बाहरी लोगों और छात्रों में झड़प, कई घायल

- रविवार सुबह अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के एक कार्यक्रम को लेकर हुआ विवाद
- अज्ञात लोगों पर कैंपस में ईंट-पत्थर और बोतलें फेंकने का आरोप
- झड़प के दौरान बीच-बचाव में कई छात्रों के साथ कई प्रोफेसर भी हुए घायल

संवाददाता, कोलकाता

महानगर के एक केंद्रीय शिक्षण संस्थान में रविवार को जमकर हंगामा हुआ. बताया जा रहा है कि "अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत" (एबीजीपी) की पश्चिम बंगाल शाखा रविवार सुबह सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (एसआरएफटीआइ) की ऑडिटोरियम में बैठक हो रही थी. अधिकारियों की अनुमति से यह बैठक सुबह 10 बजे से चल रही थी. इसके कुछ ही देर बाद, छात्रों के एक समूह ने कैंपस में बाहरी लोगों की मौजूदगी पर आपत्ति जतायी और ऑडिटोरियम के बाहर इस कार्यक्रम का विरोध करते हुए प्रदर्शन करने लगे. उन्होंने रजिस्ट्रार से जवाब मांगा कि किसी निजी संस्था को परिसर में बैठक करने की अनुमति क्यों दी गयी.

दोनों पक्ष से एक दूसरे पर किया गया हमला: आरोप है कि विरोध प्रदर्शन के बाद वहां मारपीट शुरू हो गयी. अज्ञात लोगों पर कैंपस में ईंट-पत्थर और बोतलें फेंकने से कई लोग घायल हो गये. बताया जा रहा है कि इस दौरान बीच-बचाव करने वहां पहुंचे कई प्रोफेसर भी घायल हो गये. स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस कैंपस पहुंची, लेकिन तनाव और बढ़ गया. आरोप है कि बाहरी लोग एसआरएफटीआइ गेट के बाहर जमा हैं, लेकिन पुलिस उन्हें हटाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं कर रही है.

वहीं, एबीजीपी का दावा है कि उनके कुछ सदस्यों को छात्रों ने बंदी बना रखा है. उनका यह भी आरोप है कि बैठक के लिए उनके समूह को लाने वाली बस को कैंपस के अंदर ही रोक लिया गया है.

एंबुलेंस निकलने से बाधा देने का आरोप: कुछ छात्रों ने शिकायत की है कि कथित हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय पुलिस केवल शिकायत करने वालों के नाम और पते अपने लॉगबुक में दर्ज कर रही है. छात्रों को डर है कि बाद में इस जानकारी का इस्तेमाल उन्हें परेशान करने या डराने-धमकाने के लिए किया जा सकता है. वे मांग कर रहे हैं कि पुलिस तुरंत हंगामा करने एवं वहां अशांति फैलाने वालों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करे. इस मांग को लेकर छात्रों के एक समूह ने पुलिस की गाड़ी को घेरकर विरोध प्रदर्शन भी किया. छात्रों का आरोप है कि जब घायल छात्रों को ले जा रही एम्बुलेंस कैंपस से निकलने की कोशिश कर रही थी, तो एबीजीपी के समर्थकों ने उसे रोकने की कोशिश की, हालांकि, एम्बुलेंस आखिरकार वहां से घायल छात्रों को लेकर अस्पताल के लिए निकल गयी.इस घटना के बाज बड़ी संख्या में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. पुलिस की तरफ से स्थिति को शांत किया गया है. पुलिस की तरफ से कहा गया है कि किसी भी पक्ष की तरफ से जो भी शिकायत मिलेगी, वह इसकी जांच कर आगे की कार्रवाई करेंगे.

पुलिस को घेरकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन एवं कैंपस के बाहर तैनात पुलिसकर्मी.

विधायक कुणाल घोष की कार पर हमला व तोड़फोड़ रिवॉल्वर लेकर पीछा करने का विधायक का आरोप

- शनिवार को श्रीरामपुर के बाद रविवार को नारकेलडांगा थानाक्षेत्र में स्थित उनके आवास के बाहर हमले का आरोप
- ममता गुट के तृणमूल विधायक का दावा, मुझे जान से मारने की कोशिश की गयी
- इस पूरी घटना को लेकर नारकेलडांगा थाने में तृणमूल विधायक ने दर्ज करायी शिकायत

संवाददाता, कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस विधायक कुणाल घोष की कार पर लगातार दूसरे दिन हमले का आरोप लगा है. शनिवार को हुगली के श्रीरामपुर में ममता बनर्जी की सभा में जाते समय उत्तरपाड़ा में उनकी कार में तोड़फोड़ और पथराव का आरोप लगा था. इसके अगले दिन रविवार को उनके विधानसभा क्षेत्र बेलियाघाटा में भी कार पर हमला किये जाने की घटना सामने आयी. विधायक कुणाल घोष का आरोप है कि रविवार सुबह कुछ लोग उनके घर के सामने से रिवॉल्वर लेकर उनका पीछा कर रहे थे. उनकी कार के आगे और पीछे के शीशे पर पत्थर फेंके गये तथा हथौड़े से कार की कांच का शीशा तोड़ने की कोशिश की गयी. इस पूरी घटना को लेकर नारकेलडांगा थाने में लिखित शिकायत दर्ज करायी गयी है.

क्या है पूरा मामला : विधायक कुणाल घोष के अनुसार, रविवार सुबह वह अपने विधानसभा क्षेत्र में एक गैर-राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से निकल रहे थे. उन्हें 36 नंबर वार्ड में एक कार्यक्रम में शामिल होने जाना था. उनका आरोप है कि घर से निकलते ही कुछ लोग रिवॉल्वर लेकर उनका पीछा करने लगे. फूलबागान से नारकेलडांगा तक उनकी कार का पीछा किया गया. इस दौरान कार के आगे और पीछे के शीशे को निशाना बनाकर पत्थर फेंका गया और हथौड़े से शीशा तोड़ने की कोशिश की गयी. विधायक ने दावा किया कि नारकेलडांगा में बाइक सवारों के एक समूह ने उनकी कार को ओवरटेक किया और रास्ता रोककर उनकी कार के सामने खड़े हो गये.

कुणाल का आरोप, हथियार लेकर वे मुझे जान से मारने आये थे: कुणाल के अनुसार, हमलावरों में से एक युवक ने रिवॉल्वर निकाला. स्थिति को देखते हुए उनके सुरक्षा कर्मी को भी अपनी रिवॉल्वर निकालनी पड़ी, जिसके बाद हमलावर कुछ देर के लिए पीछे हटे. कुणाल का आरोप है कि आरोपियों ने उनका कॉलर पकड़कर उन्हें खींचने की कोशिश की. घोष ने कहा, वे हथियार लेकर मुझे पर जान से मारने के लिए आये थे. हथौड़े से कार का शीशा तोड़ा गया और कॉलर पकड़कर खींचा गया. फूलबागान से नारकेलडांगा तक मुझे लक्ष्य कर मेरी कार पर हमला चलता रहा. घर से ही मेरा पीछा करना शुरू कर दिया गया था.

विधायक ने एकबार फिर अपनी जान को खतरा होने का दावा करते हुए कहा, ये लोग मुझे किसी भी दिन मार सकते हैं. इसके बाद आप लोग मेरे शव की तस्वीर खींचेंगे. लेकिन मेरी आवाज को दबाया नहीं जा सकता. मैं मर जाऊंगा, लेकिन मेरा नाम कुणाल घोष है. उन्होंने इस घटना के पीछे भाजपा की ओर भी आरोप लगाया और तृणमूल छोड़ चुके नेताओं पर भी उंगली उठायी. कुणाल घोष ने आरोप लगाया था कि शनिवार को उन्हें ममता बनर्जी की सभा में पहुंचने से रोकने के लिए यह हमला किया गया. इसके बाद वह क्षतिग्रस्त कार लेकर राज्य पुलिस मुख्यालय भवानी भवन पहुंचे थे. उनका आरोप था कि उन्हें कार के साथ भवन में प्रवेश नहीं करने दिया गया. कुणाल ने कहा था कि वह शिकायत करने नहीं, बल्कि पुलिस अधिकारियों को कार की स्थिति दिखाने गये थे.

कार पर पत्थर फेंके जाने से टूटे शीशे.

यह हमला तृणमूल के आपसी द्वंद का नतीजा : भाजपा

रविवार की घटना के संबंध में भाजपा ने घोष के आरोपों को खारिज किया है. भाजपा प्रवक्ता देवजीत सरकार ने कहा- किसी विधायक पर इस तरह हमला नहीं किया जा सकता. उन्होंने सवाल किया कि भाजपा ऐसा क्यों करेगी और दावा किया कि यह घटना तृणमूल की अपनी पार्टी के दो गुटों के द्वंद का नतीजा है. इस घटना में तृणमूल के लोग ही शामिल हैं. शनिवार की घटना के बाद भाजपा सांसद राहुल सिन्हा ने भी इसी तरह का बयान दिया था. रविवार की घटना के बाद कुणाल घोष नारकेलडांगा थाने में लिखित शिकायत देने पहुंचे.

आइडियल होम्योपैथिक वेलफेयर की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की हुई बैठक

कोलकाता. आइडियल होम्योपैथिक वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक कोलकाता के सियालदह स्थित मौलाली युवा केंद्र में हुई. सबसे पहले महात्मा डॉ सैमुअल हनीमैन की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करने के बाद डॉ जेएन सिंह रघुवंशी राष्ट्रीय अध्यक्ष आइडियल होम्योपैथिक वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन ने ऑर्गनाइजेशन के गत वर्षों की क्रिया कलापों की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति ने समीक्षा की, साथ ही आयुष मंत्रालय की विसंगतियों पर विस्तृत चर्चा की डॉ रघुवंशी ने कहा आयुष मंत्रालय बनने के बाद भी आयुष पद्धतियां विशेष कर होम्योपैथी धरातल पर स्थापित नहीं हो पा रही है बैठक के दौरान बिहार से आये सरकारी होम्योपैथिक चिकित्सकों ने अपनी व्यथा बतायी होम्योपैथिक औषधियों की सप्लाई सरकारी अस्पतालों में नहीं हो रही है और सरकारी होम्योपैथिक चिकित्सकों से एलोपैथिक दवाइयां सिविल सर्जन के आदेश पर वितरित करायी जा रही है राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने एक मत होकर भारत सरकार के आयुष मंत्री से इस विषय से अवगत कराने का निर्णय लिया है एवं सरकार से मांग की गयी है कि पूरे देश में आयुष के होम्योपैथिक चिकित्सक शुद्ध रूप से जनहित में केवल कानूनी रूप से होम्योपैथिक औषधीय द्वारा ही उपचार किया जाना चाहिए. राष्ट्रीय महासचिव डॉ एनएस रघुराम ने राष्ट्रीय कार्यकारी की बैठक में सर्वसम्मति से आगामी राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन बिहार के राजगीर में आयोजित किये जाने की जानकारी दी.

शहरों का तापमान | कोलकाता: अधिकतम 33.0°C न्यूनतम 26.0°C | हावड़ा : अधिकतम 33.0°C न्यूनतम 26.0°C | खड़गपुर : अधिकतम 33.0°C न्यूनतम 25.0°C | prabhatkhabar.com

बुरे फंसे. चार माह की गर्भवती पत्नी को अस्पताल ले गया पति, तो खुल गया राज

नाबालिग से शादी में हुआ गिरफ्तार

संवाददाता, बारासात

उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग से शादी करने के आरोप में पुलिस ने उसके पति को गिरफ्तार किया है. मामला तब सामने आया, जब आरोपी अपनी चार माह की गर्भवती पत्नी को इलाज के लिए हाबरा स्टेट जनरल अस्पताल लेकर पहुंचा.

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार युवक की पहचान जसीरुद्दीन विश्वास के रूप में हुई है. वह हाबरा के राजबल्लभपुर इलाके का रहने वाला है. आरोप है कि करीब छह महीने पहले उसने एक नाबालिग लड़की से शादी की थी. पुलिस के अनुसार, गर्भवती होने के बाद आरोपी अपनी पत्नी को चिकित्सकीय जांच के लिए हाबरा स्टेट जनरल अस्पताल ले गया. जांच के दौरान डॉक्टरों को उसकी उम्र कम होने का संदेह हुआ. दस्तावेजों की जांच करने पर पता चला कि उसकी उम्र 18 वर्ष से कम है. इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने हाबरा थाने को सूचना दी. सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की जांच शुरू की. इसके बाद शनिवार रात आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया.

पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है. नाबालिग की शादी किन परिस्थितियों में हुई और इसमें परिवार के अन्य सदस्यों की क्या भूमिका थी, इसकी भी पड़ताल की जा रही है. आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस यह भी जांच कर रही है कि नाबालिग की शादी और उसके गर्भवती होने से जुड़े मामले में अन्य कौन-कौन लोग शामिल रहे हैं.

सोशल मीडिया पर हुआ प्यार, पति और तीन बच्चों को छोड़ बांग्लादेश से मुर्शिदाबाद पहुंची महिला, पकड़ी गयी

कोलकाता/मुर्शिदाबाद. सोशल मीडिया के जरिये मुर्शिदाबाद के एक युवक से प्रेम होने के बाद पति और बच्चों को छोड़कर अवैध तरीके से भारतीय सीमा में पहुंची बांग्लादेशी महिला को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पकड़ लिया. उसके पास भारत में प्रवेश से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं मिले. बाद में उसे रघुनाथगंज थाने की पुलिस को सौंप दिया गया. पुलिस के अनुसार, महिला की पहचान मंजीरा बीबी के रूप में हुई है. वह मूल रूप से मुर्शिदाबाद के रघुनाथगंज की ही रहने वाली है. कम उम्र में ही उसकी शादी बांग्लादेश निवासी यूसुफ शेख से हो गयी थी. शादी के बाद वह पति के साथ बांग्लादेश चली गयी. दंपति की तीन बेटियां और एक बेटा है. पता चला है कि सोशल मीडिया के जरिये मंजीरा की पहचान मुर्शिदाबाद निवासी डालीम नामक युवक से हुई. कुछ दिनों बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गया. इसके बाद मंजीरा ने पति और परिवार को छोड़कर डालीम के साथ नया घर बसाने का फैसला किया. पुलिस के अनुसार, अपने नाबालिग बेटे को साथ लेकर मंजीरा अवैध तरीके से बांग्लादेश से भारतीय सीमा में घुसी. इसी दौरान बीएसएफ की नजर उस पर पड़ गयी और उसे पकड़ लिया गया. पूछताछ के दौरान वह भारत में प्रवेश के लिए वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सकी. इसके बाद बीएसएफ ने उसे स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया. जांचकर्ताओं के अनुसार, महिला के अवैध तरीके से भारत में प्रवेश करने के प्रयास के पीछे किसी दलाल गिरोह की भूमिका थी या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है.

सिटी बाइट्स

अवैध शराब पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो अरेस्ट

बशीरहाट. दुर्गा पूजा के मद्देनजर अवैध शराब और मादक पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए उत्तर 24 परगना के हाड़ोवा थाने की पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है. इसी क्रम में शनिवार देर रात मोहनपुर ग्राम पंचायत क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में चलाये गये विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने 220 से अधिक देशी-विदेशी शराब की बोतलें बरामद कीं. मामले में दो लोगों-प्रणब सरदार और दिलीप मान्ना को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस के अनुसार, शनिवार रात गुप्त सूचना मिली थी कि मोहनपुर इलाके में बड़ी मात्रा में अवैध शराब जमा कर रखी गयी है. सूचना के आधार पर पुलिस ने इलाके में छापेमारी की, जहां से शराब की खेप बरामद हुई. प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि दुर्गा पूजा के दौरान अवैध रूप से बिक्री करने के उद्देश्य से शराब का स्टॉक किया गया था. शराब कहां से लायी गयी थी और इस कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच की जा रही है. हाड़ोवा थाने की पुलिस ने बताया कि पूजा के दौरान अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए इलाके में रात की गश्त और निगरानी बढ़ा दी गयी है. पुलिस अवैध शराब के कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है.

जलापूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए अभियान

कोलकाता. दक्षिण पूर्व रेलवे के स्टेशनों और रेलवे परिसरों में यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार के लिए अभियान तेज कर दिया गया है. इस अभियान के तहत जल स्रोतों, जल शोधन (फिल्ट्रेशन) संयंत्रों, ओवरहेड व भूमिगत टैंकों, पाइपलाइनों और वाटर बूथों की नियमित जांच और मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है. दक्षिण पूर्व रेलवे के स्टेशनों पर पेयजल और अन्य जलापूर्ति व्यवस्थाओं के लिए बने लगभग 24,033 जल टंकियों की सफाई का कार्य पूरा कर लिया गया है. जलापूर्ति संबंधी बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने के लिए 167 स्थानों की पहचान कर सफाई अभियान जारी है. की गयी है, जहां आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जानी है. इनमें से 39 स्थानों पर क्षतिग्रस्त जल टंकियों, पाइपलाइनों और फिल्टरों को प्राथमिकता के आधार पर बदला जा रहा है, जबकि 33 स्थानों पर काम फिलहाल प्रगति पर है. इसके अलावा, 81 स्थानों पर पाइपलाइनों की मरम्मत या उन्हें बदलने का काम पहले ही पूरा किया जा चुका है. जल संशोधन व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है. कुल 55 प्रेशर/ग्रेविटी फिल्टरों में से 52 की देखरेख और सफाई का काम पूरा किया जा चुका है. फिल्टरों की गहन सफाई कर उनमें जमा गंदगी और अशुद्धियों को हटाया गया. आवश्यकता के अनुसार खराब फिल्टर उपकरणों और उनके घटकों को भी बदला गया है.

संशोधनागार में नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

हावड़ा. मल्लिकफाटक स्थित हावड़ा जिला संशोधनागार में रविवार को कैदियों के लिए नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन लायंस क्लब की ओर से किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यमंत्री उमेश राय ने किया. इस शिविर में सभी कैदियों ने अपना नेत्र परीक्षण कराया.

मनास्लू की बर्फ में बुझ गयी 36 साल की जिंदगी

सात दिन बाद घर पहुंचा ध्रुवज्योति का पार्थिव शरीर

फफक पड़े माता-पिता

कल्याणी. नेपाल के मनास्लू पर्वत अभियान के दौरान हिमस्खलन की चपेट में आकर जान गंवाने वाले पर्वतारोही ध्रुवज्योति का पार्थिव शरीर सात दिन बाद उनके कृष्णनगर स्थित घर पहुंचा. बेटे का पार्थिव शरीर देखते ही बुजुर्ग माता-पिता फफक पड़े. उनके घर पर शोक का माहौल छा गया. अंतिम दर्शन के लिए रिश्तेदारों, पड़ोसियों और शहर के कई प्रमुख लोगों की भीड़ जुटी.

ध्रुवज्योति नेपाल के मनास्लू पर्वत अभियान पर गये थे. 20 सितंबर की रात मनास्लू के कैंप-3 इलाके में भारी हिमस्खलन हुआ. उस समय ध्रुवज्योति अपने शेरपा गाइड फुरसेम्बा के साथ एक टेंट में मौजूद थे. हिमस्खलन के दौरान टेंट बर्फ के नीचे दब गया. बाद में बचाव दल ने करीब सात फीट बर्फ के नीचे से दोनों के शव बरामद किये. हादसे की खबर मिलने के बाद ध्रुवज्योति का पार्थिव शरीर घर लाने की प्रक्रिया शुरू की गयी. उनके जर्मन नागरिक होने के कारण शव को पश्चिम बंगाल स्थित उनके घर तक लाने के लिए कई प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करनी पड़ीं. प्रक्रिया पूरी होने के बाद सात दिन में पार्थिव शरीर कृष्णनगर लाया गया.

ध्रुवज्योति के अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंचे. कृष्णनगर उत्तर के विधायक तारकनाथ चटर्जी भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे. उन्होंने ध्रुवज्योति के परिवार के साथ अपने पुराने संबंधों को याद किया और उनके निधन को बड़ी क्षति बताया. विधायक ने कहा कि महज 36 वर्ष की उम्र में ध्रुवज्योति का निधन बेहद दुखद है. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार और भारत सरकार के प्रयासों से पार्थिव शरीर को वापस लाने की प्रक्रिया पूरी हो सकी.

पूजा से पहले बैंक खाते से गायब हुए करीब 21 हजार

- साइबर ठगी की आशंका, थाने और साइबर प्रकोष्ठ में शिकायत

हुगली. पूजा से पहले घर-परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक खाते से कुछ रुपये निकालने पहुंची त्रिवेणी पलाशपुर की निवासी मिनती दास को उस समय बड़ा झटका लगा, जब उन्हें पता चला कि उनके खाते में अपेक्षित रकम मौजूद नहीं हैं. बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र से खाते की जानकारी लेने पर पता चला कि उनके खाते से कई बार रुपये का लेन-देन हुआ है. शिकायत के अनुसार, ये लेन-देन संबंधित बैंक शाखा से नहीं किये गये थे.

मिनती दास के अनुसार, उनके बैंक खाते से करीब 9 हजार रुपये, जबकि उनके बेटे दीनबंधु दास के खाते से करीब 12 हजार रुपये गायब हो गए हैं. यानी दोनों खातों से कुल करीब 21 हजार रुपये निकाले जाने का आरोप है. मिनती दास के घर पर एक छोटी किराने की दुकान है. पूजा से पहले दुकान और परिवार की जरूरतों के लिए इसी रकम का इस्तेमाल करने की योजना थी. लेकिन अचानक खाते से रुपये गायब होने की जानकारी मिलने के बाद पूरा परिवार चिंतित हो गया. घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने हुगली ग्रामीण पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ और मगरा थाने में शिकायत दर्ज करायी है. खाते से रुपये किस तरीके से निकाले गये और इसके पीछे कौन है, इसका पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा.

डीवीसी के पानी व ज्वार के दोहरे दबाव से फिर डूबा खानाकुल

हुगली. दुर्गापूजा से ठीक पहले खानाकुल एक बार फिर बाढ़ की चपेट में आ गया है. एक ओर लगातार बारिश, दूसरी ओर डीवीसी से छोड़े गये पानी और रूपनारायण नदी में ज्वार के कारण उठी तेज लहरों ने हालात और बिगाड़ दिये हैं. तीन तरफ से बने इस दबाव के चलते माड़ोखाना, पानशिउली, हानुआ, राजहाटी, गढ़ेर घाट, नंदनपुर, ढलडांगा और सुंदरपुर समेत कई इलाके दोबारा जलमग्न हो गये हैं. कहीं घुटने तक, तो कहीं कमर तक पानी भर गया है. घरों, दुकानों और गोदामों में पानी घुसने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है. सबसे भयावह स्थिति पानशिउली बाजार की है, जहां पूरा बाजार पानी में डूब जाने से कारोबार लगभग ठप पड़ गया है.

पानशिउली बाजार पर हावड़ा के भाटोरा, हुगली के खानाकुल और पश्चिम मेदिनीपुर के दासपुर के नदी किनारे बसे कई गांवों के लोग रोजमर्रा की जरूरतों के लिए निर्भर हैं. बाजार में पानी भरने से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है. वहीं, दुर्गापूजा की तैयारियों पर भी इसका असर पड़ा है. पूजा समितियों की तैयारियां पानी में फंस जाने से उनकी चिंता बढ़ गयी है. पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आरामबाग महकमा क्षेत्र से होकर बहने वाली द्वारकेश्वर, मुंडेश्वरी और रूपनारायण नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा. रविवार को जलस्तर बढ़ने के बाद स्थिति और गंभीर हो गयी तथा आसपास के बड़े इलाके में पानी फैल गया.

स्थानीय लोगों का आरोप है कि हर वर्ष बाढ़ की ऐसी स्थिति पैदा होने के बावजूद स्थायी बाढ़ नियंत्रण के लिए अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाये गये हैं. दुर्गापूजा से ठीक पहले दोबारा जलमग्न हुए इलाकों में हजारों लोग अनिश्चितता और चिंता के बीच दिन गुजार रहे हैं.

रिटायर्ड रेलकर्मी के खाते से एक करोड़ से अधिक रुपये गायब, नौकरानी व पति अरेस्ट

संवाददाता, बैरकपुर

उत्तर 24 परगना के नैहाटी में एक रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी के बैंक खाते से एक करोड़ रुपये से अधिक की रकम गायब होने और लाखों रुपये के सोने के गहने चोरी होने का मामला सामने आया है. शिकायत के आधार पर नैहाटी थाने की पुलिस ने नौकरानी और उसके पति को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बर्नाली मृधा और उसके पति शंभू मृधा के रूप में हुई है. दोनों कांचरापाड़ा के वार्ड नंबर तीन स्थित बाबू ब्लॉक के रहने वाले हैं.

पुलिस के अनुसार, नैहाटी के वार्ड नंबर 27 में स्टेशन के पास रेलवे क्वार्टर में रहने वाले रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी विश्वनाथ चक्रवर्ती और उनकी बहन शिखा चक्रवर्ती बीमारी के कारण चलने-फिरने में असमर्थ हैं. बर्नाली पिछले करीब चार वर्षों से उनके घर में नौकरानी के तौर पर काम कर रही थी.

शिकायतकर्ता विश्वनाथ चक्रवर्ती का आरोप है कि शारीरिक रूप से असमर्थ होने के कारण उनके बैंक खाते से जुड़े अधिकांश लेनदेन बर्नाली ही करती थी. भरोसा करते हुए उन्होंने उसे अपना एटीएम कार्ड और हस्ताक्षर किया हुआ चेकबुक भी दे रखा था. आरोप है कि इसी भरोसे का फायदा उठाकर बर्नाली ने धीरे-धीरे उनके बैंक खाते से बड़ी रकम निकाल ली. परिवार का आरोप है कि खाते से रुपये निकालने के अलावा शिखा चक्रवर्ती के सोने के गहने भी गायब कर दिए गये. जब परिवार को बैंक खाते से बड़ी रकम के गायब होने की जानकारी मिली, तो उन्होंने जांच की. इसके बाद गहने भी नहीं मिलने पर संदेह गहराया और पुलिस में शिकायत दर्ज करायी गयी. पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि इस पूरी घटना में बर्नाली का पति शंभू मृधा भी शामिल था. शिकायत में बैंक खाते से एक करोड़ रुपये से अधिक की रकम गायब होने का आरोप लगाया गया है. शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस का कहना है कि दोनों से पूछताछ की जा रही है. साथ ही बैंक खाते के लेनदेन, चेक के इस्तेमाल और एटीएम से किये गये निकासी की जानकारी की जांच की जा रही है. मामले में आगे की जांच जारी है.

साझेदारी में कारोबार का झांसा देकर 24 लाख की ठगी

बनगांव. साझेदारी में ट्रांसपोर्ट व्यवसाय शुरू कर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 24 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में बनगांव थाने की पुलिस ने प्रताप राय नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक, आरोपी उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव थाना क्षेत्र के चांदा इलाके का रहने वाला है. पुलिस ने बताया कि बशीरहाट निवासी व्यापारी जयंत दास की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गयी. जयंत की करीब दो वर्ष पहले प्रताप से मुलाकात हुई थी. आरोप है कि इसी दौरान प्रताप ने ट्रांसपोर्ट कारोबार में साझेदारी करने और अच्छा मुनाफा दिलाने का भरोसा देकर जयंत से 24 लाख रुपये लिये. रुपये लेने के बाद आरोपी ने जयंत से संपर्क तोड़ दिया. कई बार फोन करने के बावजूद जब प्रताप ने कोई जवाब नहीं दिया और रकम भी वापस नहीं की, तो जयंत को ठगी का एहसास हुआ. इसके बाद उन्होंने बनगांव थाने में शिकायत दर्ज करायी. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और शनिवार देर रात आरोपी प्रताप राय को सिलीगुड़ी से गिरफ्तार कर लिया. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

दिल्ली रोड पर ईंधन का नया ठिकाना

सुगंधा में शुरू हुई पाइपलाइन से सीधे सीएनजी की सुविधा

हुगली. दिल्ली रोड पर लंबे समय से चली आ रही सीएनजी की कमी रविवार से दूर हो गयी. हुगली के सुगंधा मोड़ स्थित भारत पेट्रोलियम के पंप पर बंगाल गैस कंपनी का व्यावसायिक सीएनजी स्टेशन शुरू किया गया. इससे इस महत्वपूर्ण सड़क से गुजरने वाले वाहनों को अब नजदीक में ही सीएनजी भराने की सुविधा मिल सकेगी.

दिल्ली रोड और आसपास लंबे समय से सीएनजी स्टेशन नहीं होने के कारण वाहन चालकों को गैस भराने के लिए काफी दूर जाना पड़ता था. नये स्टेशन के शुरू होने से उनकी यह परेशानी काफी हद तक कम होने की उम्मीद है. सड़क के किनारे से गुजरने वाली पाइपलाइन से सीधे कनेक्शन लेकर स्टेशन तक सीएनजी की आपूर्ति की जाएगी. करीब एक वर्ष पहले तैयार हुए भारत पेट्रोलियम के इस पंप पर अब तक सीएनजी की सुविधा उपलब्ध नहीं थी. रविवार से यहां व्यावसायिक रूप से सीएनजी की बिक्री शुरू हो गई. इसके साथ ही दिल्ली रोड के परिवहन ढांचे में वैकल्पिक ईंधन की नयी सुविधा जुड़ गयी. सीएनजी स्टेशन के एक कर्मचारी ने बताया, ₹आज से सीएनजी स्टेशन शुरू हुआ है. हालांकि, इसका इस्तेमाल केवल वाहनों के लिए किया जा सकेगा, घरों के लिए नहीं.₹ उन्होंने बताया कि बाइक, ऑटो, लॉरी, बस और चारपहिया वाहनों के लिए 24 घंटे सीएनजी उपलब्ध रहेगी. पेट्रोल पंप की तरह सीएनजी स्टेशन भी चौबीसों घंटे खुला रहेगा.

चुंचुड़ा के विधायक सुबीर नाग ने कहा, ₹इस सेवा की जरूरत थी. सीएनजी से प्रदूषण काफी कम होता है. सेवा शुरू होने से बहुत से लोगों को सहूलियत होगी.₹ उन्होंने यह भी कहा कि वाहनों को चलाने के लिए घरेलू रसोई गैस के अवैध इस्तेमाल की शिकायतें भी सामने आती हैं. सीएनजी आसानी से उपलब्ध होने पर इस तरह के दुरुपयोग में कमी आ सकती है.

यानी, अब तक सीएनजी के लिए दूर जाना पड़ता था, लेकिन सुगंधा मोड़ पर नया स्टेशन शुरू होने से दिल्ली रोड के वाहन चालकों को मिल गया है वैकल्पिक ईंधन का नया ठिकाना.

रविवार को खुले रहे बैंक अगले तीन दिनों तक बंद रहने से ग्राहकों की बढ़ी चिंता

हुगली. रविवार होने के बावजूद सारे बैंक खुले रहे. आरबीआइ के निर्देश के अनुसार राज्य के विभिन्न हिस्सों की तरह हुगली में भी रविवार को बैंकों में सामान्य कामकाज हुआ. हालांकि, 28 सितंबर से लगातार तीन दिनों तक बैंक बंद रहेंगे. बैंक कर्मचारियों की ओर से हड़ताल का आह्वान किये जाने के कारण 28 से 30 सितंबर तक बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहने की संभावना है. रविवार को सामान्य कार्यदिवस की तरह बैंक खुले रहने से बाजार करने निकले कई लोग अपने जरूरी बैंकिंग काम निपटाने के लिए शाखाओं में पहुंचे. हुगली के शरत सरणी स्थित एक सरकारी बैंक में भी सामान्य दिनों की तरह ग्राहकों की आवाजाही देखने को मिली. लोगों ने पैसे जमा करने, निकासी सहित जरूरी काम पूरे किये. शनिवार को बैंक बंद था और अब सोमवार से लगातार तीन दिनों तक बैंक बंद रहने की सूचना के बीच रविवार को बैंक खुले होने से ग्राहकों ने राहत की सांस ली. खासकर महीने के अंतिम दिनों में जिन कर्मचारियों और अन्य लोगों के खातों में वेतन जमा होता है, वे भी बैंक पहुंचकर वेतन आने और उसे निकालने की व्यवस्था के बारे में जानकारी लेते नजर आये.

खड़गपुर में नदी निगल रही है सड़क

लगातार बारिश से बढ़ा सुवर्णरेखा का जलस्तर

- गोपीबल्लभपुर के मालिंचा और महापाल में 50–60 मीटर नदी कटाव से दहशत

खड़गपुर. झाड़ग्राम जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच सुवर्णरेखा नदी का जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे बसे इलाकों में चिंता गहराने लगी है. गोपीबल्लभपुर इलाके के मालिंचा और महापाल गांव में करीब 50–60 मीटर तक नदी कटाव होने की खबर से स्थानीय लोगों में भय का माहौल है. नदी तट इलाके से गुजरने वाली सड़क के करीब पहुंच गयी है. बताया जा रहा है कि लगातार बारिश के कारण सुवर्णरेखा नदी का पानी बढ़ रहा है. नदी का तेज बहाव किनारे की मिट्टी को लगातार काट रहा है. इसके चलते नदी के किनारे मौजूद सड़क का बड़ा हिस्सा कटाव की चपेट में आने लगा है. हालात इसी तरह बने रहे, तो सड़क का और हिस्सा नदी में समा सकता है, जिससे इलाके में आवागमन प्रभावित होने की आशंका बढ़ गयी है. स्थानीय लोगों के अनुसार, नदी का कटाव लगातार बढ़ने से आसपास के इलाके में खतरा मंडरा रहा है. सड़क के करीब तक नदी का कटाव पहुंचने से लोगों में किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है. सबसे बड़ी चिंता यह है कि बारिश अभी जारी है और नदी का जलस्तर भी बढ़ रहा है.

मिट्टी की दीवार ढहने से पति की मौत, पत्नी घायल

खड़गपुर. लगातार हो रही बारिश के बीच झाड़ग्राम जिले के सांकराइल थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा सामने आया है. भालकिशोल गांव में मिट्टी से बने घर की दीवार अचानक ढह गयी. इसकी चपेट में आने से विपिन सिंह की मौत हो गयी, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गयीं. बताया जा रहा है कि लगातार बारिश के कारण मिट्टी से बने घर की दीवार कमजोर हो गयी थी. इसी दौरान अचानक दीवार भरभराकर गिर पड़ी. हादसे के समय विपिन सिंह और उनकी पत्नी घर में ही थे. दीवार के मलबे में दबने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये.

रेल लाइन पर फंसी लॉरी, डेढ़ घंटे ठप रहा ट्रेन परिचालन

हुगली. हावड़ा-बर्दवान कॉर्ड लाइन के हाजीगढ़ स्टेशन पर रविवार को रेलगेट पार करते समय बालू लदी एक लॉरी की पत्ती टूट गयी. इसके बाद लॉरी अचानक रेलवे लाइन के बीचोंबीच फंस गयी. घटना के कारण अप और डाउन दोनों लाइनों पर ट्रेन परिचालन पूरी तरह ठप हो गया. स्थिति को देखते हुए कुछ समय तक रिवर्स लाइन से ट्रेनों को चलाने की कोशिश की गयी, लेकिन बाद में वहां से भी परिचालन बंद कर दिया गया. घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची. रेलवे लाइन पर लॉरी फंसने के कारण इलाके में अफरातफरी की स्थिति बन गयी. रेलवे सूत्रों के अनुसार, करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से लॉरी को रेलवे लाइन से हटाया गया.

सांतरागाछी से तिरुवनंतपुरम और पुरी तक पूजा स्पेशल ट्रेन

कोलकाता. दुर्गापूजा के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे ने सांतरागाछी से पुरी और तिरुवनंतपुरम के लिए दुर्गापूजा स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है. 08405 / 08406 पुरी-सांतरागाछी-पुरी स्पेशल ट्रेन, 06081 / 06082 तिरुवनंतपुरम नॉर्थ-संतरागाछी-तिरुवनंतपुरम नॉर्थ स्पेशल का शेड्यूल जारी हो चुकी है.

दपूरे द्वारा मिली जानकारी के अनुसार 08405 पुरी-संतरागाछी स्पेशल, 5 से 26 तक हर सोमवार को पुरी से शाम 5:45 बजे रवाना होगी और अगले दिन तड़के 3:45 बजे सांतरागाछी पहुंचेगी. वापसी की दिशा में, 08406 सांतरागाछी-पुरी स्पेशल, 6 से 27 अक्तूबर तक हर मंगलवार को सांतरागाछी स्टेशन से सुबह 8:45 बजे रवाना होगी और उसी दिन शाम 7:00 बजे पुरी स्टेशन पहुंचेगी. यह स्पेशल ट्रेन दपूरे अधिकार क्षेत्र में बालेश्वर, रूपसा, जलेश्वर, बेलदा और खड़गपुर में रुकेगी.

इसी तरह से 06081 तिरुवनंतपुरम नॉर्थ-संतरागाछी स्पेशल, 2 से 30 अक्तूबर तक हर शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम नॉर्थ स्टेशन से दोपहर 2:15 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन दोपहर 1:45 बजे सांतरागाछी पहुंचेगी. वापसी की दिशा में, 06082 सांतरागाछी-तिरुवनंतपुरम नॉर्थ स्पेशल ट्रेन 5 अक्तूबर से 2 नवंबर तक हर सोमवार को दोपहर 1.15 बजे सांतरागाछी स्टेशन से रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 9.55 बजे तिरुवनंतपुरम नॉर्थ स्टेशन पहुंचेगी. यह स्पेशल ट्रेन दपूरे के अधिकार क्षेत्र में बालेश्वर और खड़गपुर स्टेशनों पर रुकेगी.

हावड़ा-बड़बिल जनशताब्दी के कोच अत्याधुनिक सुविधाओं से हुए लैस

कोलकाता. यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और आराम को बढ़ाने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व रेलवे ने 12021/12022 हावड़ा-बड़बिल जनशताब्दी एक्सप्रेस के रैक का व्यापक उन्नयन किया है. प्रतिदिन चलने वाली यह ट्रेन हावड़ा को झारखंड और उत्तरी ओडिशा के प्रमुख औद्योगिक एवं खनिज-समृद्ध क्षेत्रों से जोड़ती है.

उन्नयन के तहत कोचों के आंतरिक और बाहरी हिस्सों में कई महत्वपूर्ण सुधार किये गये हैं. पुरानी सीटों की गद्दियों और कवर को बदला गया है, जबकि खराब सीटों की जगह नयी सीटें लगायी गयी हैं. सेंटर टेबल, स्नैक ट्रे, छत और लगेज रैक की मरम्मत के साथ क्षतिग्रस्त खिड़कियों में नयी विंडो लगायी गयी हैं.

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कोच.

गैर-वातानुकूलित कोचों में नये पंखे, एलईडी लाइटें तथा मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग सॉकेट लगाये गये हैं. वातानुकूलित चेयर कार में आधुनिक चार्जिंग प्वाइंट्स और बेहतर रीडिंग लाइट्स की सुविधा दी गयी है.

शौचालयों में नये फर्श, बेहतर जल सुविधा, नवीनीकृत साज-सज्जा और हाइजीन मैट की व्यवस्था की गयी है. कोचों के बाहरी हिस्सों में पीयू पेंटिंग, जंग प्रभावित क्षेत्रों का उपचार तथा दरवाजों-खिड़कियों की मरम्मत भी की गयी है. रेलवे के अनुसार, इन सुधारों से यात्रियों को अधिक स्वच्छ और आरामदायक यात्रा का एहसास होगा.

सिटी बाइट्स

सभी को वसीयत बनानी चाहिए : नारायण जैन

कोलकाता. 'कंसर्न फॉर कलकत्ता' द्वारा शहर में आयोजित एक इंटरैक्टिव सेशन में वकील नारायण जैन ने कहा कि संपत्ति के बंटवारे के लिए सभी को वसीयत बनानी चाहिये. उद्घाटन भाषण देते हुए, आदित्य बिड़ला ग्रुप के प्रेसिडेंट और उत्तराधिकार व एस्टेट प्लानिंग के जानकार आरपी पंसारी ने एक सही और असरदार वसीयत बनाने के तरीके पर जानकारीपूर्ण लेक्चर दिया. उन्होंने वसीयत की जरूरी बातें, इसे लागू करने और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया, और कानूनी सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया. नारायण जैन ने बताया कि ठीक से बनायी गयी वसीयत पारिवारिक झगड़ों को रोकने, संपत्ति के आसानी से ट्रांसफर और कानूनी वारिसों के हितों की रक्षा करने में कैसे मदद करती है. उन्होंने यह भी कहा कि वसीयत से मिली संपत्ति पर इनकम टैक्स नहीं लगती. वकील आरडी करवा ने महत्वपूर्ण कानूनी पहलुओं, आम गलतियों जिनसे वसीयत अमान्य हो जाती है, गवाहों की अहमियत, वसीयत करने वाले की मेडिकल फिटनेस और वसीयत से जुड़े मामलों पर हाल के महत्वपूर्ण फैसलों पर प्रकाश डाला. नारायण जैन को प्रेसिडेंट चुना गया, जबकि पुष्पा अग्रवाल को वाइस प्रेसिडेंट, केएस अधिकारी को सेक्रेटरी और एसके सिल्टानिया को ट्रेजरर नियुक्त किया गया. ओपी झुनझुनवाला आइपीपी के तौर पर काम करेंगे.

कमरे में फंदे पर लटका मिला 22 वर्षीय युवक

कोलकाता. मटियाबुर्ज थाना क्षेत्र के संतोषपुर रोड में रविवार सुबह एक युवक कमरे में फंदे पर लटका मिला. घटना सुबह करीब 10.45 बजे की है. मृतक की पहचान आदित्य पासवान (22) के रूप में हुई है. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की. युवक ने यह कदम क्यों उठाया, फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है. पुलिस कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है.

अम्हर्स्ट स्ट्रीट में एक बाइक में लगी आग

कोलकाता. अम्हर्स्ट स्ट्रीट इलाके में शनिवार रात एक बाइक में अचानक आग लगने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गयी. घटना रात करीब 10.30 बजे की है. सूचना मिलते ही दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची. दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया. आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है. मामले की जांच की जा रही है.

विद्यार्थियों के भविष्य की नींव मजबूत करने में शिक्षकों की होती है महत्वपूर्ण भूमिका

कोलकाता. रूबी पार्क पब्लिक स्कूल का चतुर्थ वार्षिकोत्सव 'एकोलेड' अत्यंत भव्यता और उल्लास के साथ धनधान्य ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया. उत्सव में विद्यार्थियों ने संगीत, डांस की शानदार पेशकश से अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया. कार्यक्रम में यंग माइंड्स के कौशल ने अतिथियों का मन मोह. इस मौके पर आयकर विभाग के निदेशक रामकृष्ण केडिया ने कहा- बच्चों के भविष्य की नींव मजबूत करने में स्कूल व शिक्षकों की अहम भूमिका है और यह स्कूल, जिस तरह छात्रों को तैयार कर रहा है, स्कूल की शिक्षा प्रणाली और परिवेश नयी पीढ़ी का भविष्य उज्ज्वल बना रहे हैं. मौके पर कथक कलाकार संदीप मल्लिक, विद्यालय की प्रधानाचार्य मौसमी महापात्र, कृष्णदयाल एजुकेशन रिसर्च एंड एकेडमी के अध्यक्ष एवं रूबी पार्क पब्लिक स्कूल के चेयरमैन आलोक टिबड़ेवाल, उषा टिबड़ेवाल और विधायक सौरव सिकदर भी उपस्थित थे. स्कूल के चेयरमैन आलोक टिबड़ेवाल ने अतिथियों का स्वागत किया. स्कूल की प्रधानाचार्या मौसमी महापात्र ने कहा- 'एकोलेड' विद्यार्थियों की उत्कृष्टता के विविध आयामों-शैक्षणिक, कलात्मक, रचनात्मक एवं मानवीयता का उत्सव है. 'एकोलेड' का यह चतुर्थ वार्षिकोत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, सपनों, संवेदनाओं और संभावनाओं का उत्सव है, जो उनको आगे के लिए तैयार करता है. समारोह में शैक्षणिक और विभिन्न सह-पाठ्यचर्या क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को विशिष्ट अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया. युवा प्रतिभाओं ने परिश्रम, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प की प्रेरक मिसाल पेश की, जिसे काफी सराहा गया.

कान्यकुब्ज भवन में श्रीमद्भागवत कथा में सात दिवसीय ज्ञान यज्ञ की पूर्णाहुति

कलयुग में मोक्षदायिनी है भागवत कथा : वेंकटेश

कोलकाता. काशी से पधारे भागवताचार्य वेंकटेश मिश्र ने कान्यकुब्ज भवन में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में ज्ञान, भक्ति और वैराग्य की दिव्य त्रिवेणी प्रवाहित कर श्रद्धालु भक्तों को भाव विभोर किया. व्यास पीठ से भागवताचार्य वेंकटेश मिश्र ने भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य प्रसंगों और राजा परीक्षित के मोक्ष की कथा का वर्णन कर यज्ञ की पूर्णाहुति की. द्वारकाधीश और माता रुक्मिणी के विवाह का प्रसंग आते ही श्रोता आनंदित हो उठे. इस दौरान विवाह की भव्य सजीव झांकी सजायी गयी, जहां श्रद्धालुओं ने मंगल गीत गाकर अक्षत वर्षा की और झूम उठे. श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा की मित्रता के प्रसंग का वर्णन करते हुए व्यास जी ने कहा कि सच्ची मित्रता में ऊंच-नीच का कोई स्थान नहीं होता. कथा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने एकादश स्कंध के अंतर्गत भगवान दत्तात्रेय के चौबीस गुरुओं का वर्णन किया और भक्तों को समझाया कि संसार की हर जड़-चेतन वस्तु से कुछ न कुछ अच्छी शिक्षा ग्रहण की जा सकती है. कथा के अंतिम चरण में शुकदेव जी द्वारा कथा श्रवण के पश्चात राजा परीक्षित के मोक्ष का अलौकिक प्रसंग सुनाया, जो इस बात का प्रतीक है कि भागवत कथा कलयुग में मोक्षदायिनी है. कान्यकुब्ज सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन पं लक्ष्मीकांत तिवारी, कलकत्ता कान्यकुब्ज सभा के अध्यक्ष दीपक मिश्रा, सचिव कुलदीप दीक्षित, महिला समिति की संरक्षक शकुन्तला तिवारी, अध्यक्ष प्रभा बाजपेयी, सचिव पूनम दीक्षित, संयोजक सुनील अवस्थी, रामलाल तिवारी, आशुतोष बाजपेयी और सतीश शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया. कान्यकुब्ज सभा एवं महिला समिति के पदाधिकारियों सहित राज्य के मंत्री तापस राय, पूर्णिमा चक्रवर्ती, पूर्व डिप्टी मेयर मीनादेवी पुरोहित, आचार्य श्रीकांत शास्त्री, डॉ प्रेम शंकर त्रिपाठी, शंकरलाल तिवारी, जयप्रकाश सिंह, विनय दुबे, जगमोहन बागला, गौरव शुक्ला, नवनीत पाण्डेय, दिनेश पांडे, पूर्णिमा कोठारी, मनोज पराशर, शशिकांत मिश्रा, शिव प्रताप दुबे, वीरेंद्र त्रिवेदी, उमेश बाजपेयी, बच्चू पांडेय एवं श्रद्धालु भक्तों ने व्यास पीठ का पूजन किया एवं सामूहिक आरती, पूर्णाहुति में शामिल हुए.

बंगाल की खबरें पेज 7 पर भी

प्राचीन चिकित्सा प्रणाली को लेकर स्वास्थ्य विभाग की नयी निर्देशिका

अब सोवा-रिग्पा विशेषज्ञ भी जारी कर सकेंगे डेथ सर्टिफिकेट

संवाददाता, कोलकाता.

मृत्यु पंजीकरण से जुड़े नियमों में हालिया संशोधनों के तहत अब मान्यता प्राप्त सोवा-रिग्पा (पारंपरिक तिब्बती चिकित्सा पद्धति) विशेषज्ञ भी मृत्यु के कारणों का चिकित्सा प्रमाण पत्र और संबंधित प्रक्रिया में अपनी आधिकारिक भूमिका निभा सकेंगे. इस संबंध में राज्य स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक निर्देशिका भी जारी की गयी है. बताया गया है कि घर पर हुई मौत की स्थिति में अब एमबीबीएस या आयुष डॉक्टर की तरह ये भी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर सकेंगे.

पश्चिम बंगाल में मात्र एक संस्थान : पश्चिम बंगाल में सूचीबद्ध एकमात्र सोवा-रिग्पा निजी संस्थान दार्जिलिंग में स्थित चागपोरी तिब्बती मेडिकल इंस्टीट्यूट (सीटीएमआइ) है. यह दार्जिलिंग जिले के तागदा ब्लॉक में स्थित है. इस संस्थान को केंद्र सरकार की मान्यता भी प्राप्त प्राप्त है.

क्या है सोवा-रिग्पा

सोवा-रिग्पा विश्व की सबसे प्राचीन, जीवंत और सुस्थापित पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में से एक माना जाता है. इसे आम तौर पर तिब्बती चिकित्सा पद्धति या आमची चिकित्सा प्रणाली कहा जाता है. इसकी जड़ें तिब्बत, भारत, नेपाल, भूटान और मंगोलिया के प्राचीन इतिहास में मिलती हैं. इसके कई सिद्धांत आयुर्वेद और पारंपरिक चीनी चिकित्सा पद्धति से मिलते-जुलते हैं. यह पद्धति

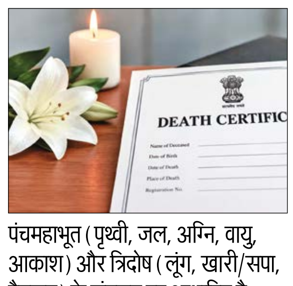

पंचमहाभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) और त्रिदोष (लूंग, खारी/सपा, बैडकन) के संतुलन पर आधारित है. सोवा-रिग्पा के विशेषज्ञ, जिन्हें आमची कहा जाता है, रोगी की जांच मुख्य रूप से तीन तरीकों से करते हैं. देखकर, स्पर्श (नाड़ी परीक्षा) कर और प्रश्न कर (रोग के बारे में पूछकर). इसमें हिमालयी क्षेत्रों में मिलने वाली प्राकृतिक जड़ी-बूटियों, खनिजों और कभी-कभी स्वर्ण-रजत भस्मों से तैयार दवाइयों का उपयोग होता है. अब इस चिकित्सा पद्धति को भी आयुष में केंद्र सरकार ने शामिल कर लिया है. ज्ञात हो कि अब तक आयुष चिकित्सा पद्धति के अंतर्गत आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा और होमियोपैथ ही शामिल थे.

सरकारी निर्देशिका : पश्चिम बंगाल में जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण से जुड़े नियमों में बदलाव के बाद अब घर या गैर-संस्थागत स्थान पर हुई मौत के मामले में मृत्यु प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए चिकित्सकीय प्रमाण जरूरी होगा. वेस्ट बंगाल रजिस्ट्रेशन ऑफ बर्थ्स एंड डेथ्स (अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 के तहत मालदा जिला प्रशासन ने इस संबंध में नया निर्देश जारी किया है. मालदा के अतिरिक्त जिलाधिकारी (स्वास्थ्य) अनिरुद्ध नंदी के हवाले से जारी निर्देश में कहा गया है कि गैर-संस्थागत यानी घर में होने वाली मौतों के मामलों में मेडिकल सर्टिफिकेट केवल ऐसे चिकित्सक द्वारा जारी किया जा सकेगा, जिसके पास कम से कम एमबीबीएस की डिग्री हो और वह मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया या पश्चिम बंगाल स्टेट मेडिकल काउंसिल से मान्यता प्राप्त हो. इसके अलावा आयुष (इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन एंड होम्योपैथी) के तहत पंजीकृत डिग्रीधारी चिकित्सक भी प्रमाणपत्र जारी कर सकेंगे. यानी राज्य में आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सोवा-रिग्पा विशेषज्ञ ही मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर सकेंगे. जिला प्रशासन ने जिला परिषद के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी से सभी ग्राम पंचायतों को इस नये प्रावधान की जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है.

विश्वबंधुत्व व मानवता के लिए होना चाहिए भारत का उदय : होसबोले

मंच पर उपस्थित दत्तात्रेय होसबोले, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी व अन्य अतिथिगण.

संवाददाता, कोलकाता

'भारत विश्व पटल पर वैभवशाली और सामर्थ्यवान राष्ट्र के रूप में उभरे तथा पूरे विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता हासिल करे, इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा. हम शांति एवं सौहार्द के लिए जीते हैं. भारत का उदय दुनिया पर राज करने के लिए नहीं, बल्कि विश्व बंधुत्व और मानवता की सेवा के लिए होना चाहिए.' ये बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहीं. वह राम शरद कोठारी प्रतिभा सम्मान - 2026 के लिए अलीपुर स्थिति राष्ट्रीय पुस्तकालय के प्रेक्षागृह में आयोजित एक समारोह में बतौर मुख्य वक्ता अपनी बातें रख रहे थे. उल्लेखनीय है कि इस समारोह को राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी संबोधित किया था.

श्री होसबोले ने कहा कि भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक वैभव अक्षुण्ण बना रहे, इसके लिए हर नागरिक को संकल्पबद्ध होकर काम करना होगा. उन्होंने देश की सांस्कृतिक पहचान और गौरव को सुरक्षित रखने के साथ युवाओं, खास कर नयी पीढ़ी की राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का भी आह्वान किया. इसी सभा में उपस्थित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राम-शरद कोठारी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि जिस उम्र में युवा अपने करियर और पारिवारिक जीवन के बारे सोचते हैं, उसी वय में कोठारी बंधुओं ने धर्म के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया. उन्होंने युवा पीढ़ी के बीच सनातनी और राष्ट्रवादी चेतना के प्रसार पर जोर देते हुए राज्य में अपनी सरकार द्वारा उठाये गये विभिन्न कदमों का भी उल्लेख किया.

मीडिया प्रभारी भागीरथ सारस्वत ने बताया कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि कारसेवा आंदोलन के दौरान 1990 में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर राम कुमार कोठारी एवं शरद कुमार कोठारी की स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस समारोह में इस बार शिक्षा क्षेत्र के लिए अयोध्या हिल्स, पुरुलिया के ईश्वरचंद्र हेंब्रम, गोसेवा क्षेत्र में ध्यान फाउंडेशन, चाकुलिया तथा पर्यावरण संरक्षण क्षेत्र में वनों के संरक्षण हेतु सक्रिय रमेशचंद्र मिश्र, केंदुझार, उड़ीसा को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा उद्योगपति ललित बेरीवाल ने की.

फर्जी कागजात जमा कर बैंक से 1.50 करोड़ रुपये लोन लेने का आरोप

बैंक की तरफ से गरियाहाट थाने में शिकायत दर्ज

कोलकाता. दक्षिण कोलकाता के नेताजीनगर इलाके में रहने वाले एक दंपती के खिलाफ एक सरकारी बैंक ने गरियाहाट थाने में लिखित शिकायत दर्ज करायी है. आरोप है कि उन्होंने जमीन के नकली कागजात जमा कर 1.5 करोड़ का लोन लिया था. घटना गरियाहाट इलाके की है. गरियाहाट थाने की पुलिस ने मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी है. पुलिस ने बताया कि इस दंपती की रीजेंट पार्क इलाके में एक प्रॉपर्टी है. लोन लेने के लिए उन्होंने गरियाहाट स्थित सरकारी बैंक में उससे जुड़े कागजात जमा किये थे. इसके बदले उन्होंने 1.50 करोड़ का लोन ले लिया. बैंक को लोन की रकम वापस नहीं मिलने पर इसकी जांच करने पर बैंक को पता चला कि लोन लेने से काफी पहले ही वह प्रॉपर्टी किसी और को बेची जा चुकी थी. नकली कागजात दिखाकर यह लोन लिया गया था. इसके बाद बैंक ने औपचारिक शिकायत दर्ज करायी. पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी है.

शिक्षा के प्रसार में ईश्वरचंद्र विद्यासागर की थी अहम भूमिका

- आधुनिक शिक्षा की दिशा में बढ़ रहा मेट्रोपॉलिटन इंस्टीट्यूशन (मेन) फॉर गर्ल्स

कोलकाता. ईश्वरचंद्र विद्यासागर की 206वीं जयंती के अवसर पर महान समाज सुधारक और शिक्षा के प्रबल समर्थक विद्यासागर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ऐतिहासिक मेट्रोपॉलिटन इंस्टीट्यूशन (मेन) फॉर गर्ल्स में समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में जोड़ासांको के विधायक विजय ओझा, कथामृत भवन के स्वामी सिद्धेश्वरानंदजी महाराज, शिक्षाविद, विशिष्ट अतिथि, शिक्षक-शिक्षिकाएं, पूर्व छात्राएं और विद्यालय के शुभचिंतक उपस्थित थे.

उपस्थित विधायक विजय ओझा व अन्य

कार्यक्रम के दौरान विद्यासागर के शिक्षा-दर्शन, मानवीय मूल्यों और महिला शिक्षा के प्रति उनके योगदान को याद किया गया। साथ ही विद्यालय की ऐतिहासिक यात्रा और बदलते समय के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा हुई.

1864 में रखी गयी थी नींव : मेट्रोपॉलिटन इंस्टीट्यूशन (मेन) की स्थापना 1864 में पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर की पहल पर हुई थी. शिक्षा को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने और सामान्य परिवारों के बच्चों को शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराने का उनका प्रयास इस संस्थान की बुनियाद में रहा. विद्यासागर ने शिक्षा के प्रसार के लिए व्यक्तिगत स्तर पर अथक प्रयास करने के साथ आर्थिक संसाधन जुटाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी. बाद के दौर में इसी शिक्षाधारा की निरंतरता में मेट्रोपॉलिटन इंस्टीट्यूशन (मेन) फॉर गर्ल्स का विकास हुआ. महिला शिक्षा को समाज के अधिक से अधिक वर्ग तक पहुंचाना इस पहल का महत्वपूर्ण उद्देश्य रहा. सरकारी विद्यालय संबंधी जानकारी के अनुसार, संस्थान का संबंध बाद में विद्यासागर द्वारा स्थापित ट्रस्ट से भी जुड़ा.

1949 में मिला विश्वविद्यालय से जुड़ा महत्वपूर्ण पड़ाव: विद्यालय की शैक्षणिक यात्रा में 1949 एक महत्वपूर्ण वर्ष रहा, जब इसे कलकत्ता विश्वविद्यालय से मान्यता मिली. इसके बाद 1979 में विद्यालय के बुनियादी ढांचे और शिक्षा व्यवस्था में एक नये चरण की शुरुआत हुई. नयी आधारभूत संरचना के साथ माध्यमिक स्तर की शिक्षा को और व्यवस्थित रूप देने की दिशा में कदम बढ़ाये गये.

काव्य वीणा सम्मान 2026 से समादृत हुए आचार्य ओम नीरव

संवाददाता. कोलकाता.

सामाजिक-सांस्कृतिक एवं साहित्यिक चेतना जागरण केंद्र परिवार मिलन ने आचार्य ओम नीरव को काव्य वीणा सम्मान 2026 से सम्मानित किया. उन्हें यह सम्मान उनके प्रभावशाली छंद लालित्य, लयबद्धता, शब्द माधुर्य, एवं अलंकृत शैली में उनकी लिखित काव्य-कृति पांखुरी-पांखुरी के लिए दिया गया. सुशील ठाकुर 'साहिल' की अध्यक्षता में हुए समारोह में आचार्य नीरव ने इस सम्मान के लिए परिवार मिलन को विशेष धन्यवाद दिया. उन्होंने छंद के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए अपनी पुस्तक की कुछ चुनिंदा कविताओं का पाठ करते हुए दर्शक-श्रोताओं को मुग्ध कर दिया. चयन समिति की ओर से वरिष्ठ साहित्यकर डॉ प्रेमशंकर त्रिपाठी ने पुस्तक चयन में आने वाली चुनौतियों को साझा करते हुए कहा कि आज भी छंद लालित्य से ओत-प्रोत ऐसी कविताएं लिखी जा रही हैं, इससे तमाम काव्य प्रेमियों का साहित्य समृद्ध हो रहा है.

सम्मान समारोह के मंच पर ओम नीरव के साथ अरुण चूड़ीवाल, प्रो प्रेमशंकर त्रिपाठी, प्रो रेशमी पांडा मुखर्जी, दुर्गा व्यास, राजेंद्र कानूनगो व अन्य.

समारोह की प्रधान वक्ता गोखले मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज की विदुषी सह प्राध्यापिका डॉ रेशमी पांडा मुखर्जी ने चयनित पुस्तक पर अपनी विशेष टिप्पणी करते हुए कहा कि यह अपने छांदसिक स्वरूप, व्यंजनात्मक शैली, वैज्ञानिक सोच एवं भाव सौंदर्य वर्णन के कारण हृदय स्पर्शी है. इससे पहले चित्रा नेवटिया द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ था. संस्था की पूर्व अध्यक्ष दुर्गा व्यास ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था का संक्षिप्त परिचय दिया, जबकि पूर्व सचिव अंजु गुप्ता ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया. सम्मान समारोह में महावीर प्रसाद मानकसिया, विनीता मनोत, सुधा चूड़ीवाल, हरिमोहन मरदा, डॉ प्रेमशंकर त्रिपाठी, सुशील साहिल एवं अरुण चूड़ीवाल आदि ने आचार्य नीरव का सम्मान तो किया ही, उन्हें पुरस्कार स्वरूप 51000 रुपये की राशि भी प्रदान की गयी. गौरीशंकर अग्रवाल, अजयेन्द्र त्रिवेदी, बी के त्रिपाठी, सुरेश चौधरी, गिरिधर राय, रंजना झा, शशि लाहोटी और उषा श्रीवास्तव आदि की इस मौके पर उपस्थिति खास थी. कार्यक्रम का संचालन किया राजेंद्र कानूनगो ने.

सीडब्ल्यूटीए की एजीएम में गूंजा 'बंगाल बाउंड टू ग्रो' का संदेश

- संस्था की 25 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा का उत्सव, व्यापार और उद्योग के विकास को मंत्री व अन्य ने रखे विचार

संवाददाता, कोलकाता

शनिवार को कोलकाता के आईटीसी रॉयल बंगाल में कॉन्फेडरेशन ऑफ वेस्ट बंगाल ट्रेड एसोसिएशंस (सीडब्ल्यूटीए) की वार्षिक आमसभा यानी एजीएम तथा संस्था के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में आयोजित सिल्वर जुबली समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का थीम 'बंगाल बाउंड टू ग्रो' रखा गया था. समारोह में व्यापार, उद्योग, सामाजिक क्षेत्र और सार्वजनिक जीवन से जुड़े राज्य के उद्योग मंत्री तापस राय, नगर विकास मंत्री अग्निमित्रा पाल, कार्तिक महाराज, शंकुदेव पांडा आदि के साथ अनेक गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया. समारोह की केंद्रीय थीम 'बंगाल बाउंड टू ग्रो' पर एनके कपाड़िया ने अपनी बातें रखीं. उन्होंने बंगाल के व्यापारिक एवं आर्थिक विकास की संभावनाओं तथा राज्य को आगे बढ़ाने में व्यापारिक समुदाय की भूमिका पर अपने विचार रखे.

कार्यक्रम के मंच पर सुशील पोद्दार, सुब्रत गुप्ता, कार्तिक महाराज, राज्य के उद्योगमंत्री तापस राय व अन्य.

सचिव जेएल बरडिया ने सीडब्ल्यूटीए की 25 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए संगठन की उपलब्धियों और व्यापारिक समुदाय के हितों से जुड़े विभिन्न प्रयासों पर चर्चा की. समारोह में व्यापारियों, उद्योग जगत और विभिन्न संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर अतिथियों ने अपने विचार प्रस्तुत किये. यहां देश का आर्थिक विकास में एमएसएमई की भूमिका की विस्तृत चर्चा हुई. इसी क्रम में एमएसएमई से जुड़ी पारिस्थितिकी को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया. वक्ताओं ने व्यावसायिक क्षेत्र में सरकार और ट्रेडिंग से जुड़े संगठनों के बीच समन्वय तथा संवाद के मामले में सीडब्ल्यूटीए की सशक्त भूमिका का भी उल्लेख किया.

सीडब्ल्यूटीए अध्यक्ष सुशील पोद्दार ने संस्था की 25 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए संगठन के कार्यों और भविष्य की प्राथमिकताओं के बारे में अपने विचार रखे. उन्होंने व्यापारिक समुदाय के हितों को मजबूती से उठाने तथा आनेवाले समय में व्यापार और उद्योग के विकास के लिए प्रयास जारी रखने की बात भी कही. संगठन के उपाध्यक्ष प्रदीप लुहारीवाला और सीके वरदराजन, कोषाध्यक्ष दिनेश गंगवाल तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) करिश्मा खन्ना सहित संगठन से जुड़े तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे.

विश्व हृदय दिवस : जब दवाएं और एंजियोप्लास्टी पड़ जाएं कम, तब सर्जरी बनती है सहारा : डॉ अर्नब माइती

- विश्व हृदय दिवस पर संदेश: 'दिल को जानिए, दिल का ख्याल रखिए.'

शिव कुमार राउत, कोलकाता

हर साल 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है. इसका उद्देश्य लोगों को हृदय रोगों के प्रति जागरूक करना और समय रहते जांच व उपचार के लिए प्रेरित करना है. विशेषज्ञों के मुताबिक, हृदय रोगों के कई मामलों में दवाओं, जीवनशैली में बदलाव और एंजियोप्लास्टी से इलाज संभव है, लेकिन गंभीर स्थितियों में कार्डियक सर्जरी ही प्रभावी और जीवनरक्षक उपचार साबित हो सकती है.

कोलकाता हार्ट लंग सेंटर (केएचएलसी) के निदेशक व सीटीवीएस सर्जन डॉ अर्नब माइती के अनुसार, हृदय शरीर के हर हिस्से तक रक्त और ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए दिन-रात काम करता है. एक स्वस्थ व्यक्ति का हृदय एक दिन में करीब एक लाख बार धड़कता है. इसके बावजूद हृदय एवं रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में बने हुए हैं. इसलिए हर वर्ष विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है. ताकि, लोगों को हृदय के प्रति जागरूक रहने, जोखिम कारकों की पहचान करने और समय पर उपचार कराने का संदेश दिया जा सके. उन्होंने बताया कि जब हृदय की रक्त आपूर्ति या उसकी संरचना इस हद तक प्रभावित हो जाये कि दवाओं या अन्य उपचार से समस्या का समाधान संभव न हो, तब सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है.

अब कम चीरे से भी संभव है हार्ट सर्जरी

कार्डियक सर्जरी में तकनीकी विकास के साथ उपचार के तरीके भी बदले हैं. कई मामलों में बीटिंग हार्ट सर्जरी के जरिए धड़कते हुए हृदय पर बाईपास किया जाता है. वहीं, मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी में पारंपरिक बड़े चीरे के बजाय छोटे चीरे से ऑपरेशन किया जा सकता है. इससे दर्द और रक्तस्राव कम होने तथा मरीज के जल्द सामान्य गतिविधियों में लौटने में मदद मिल सकती है. डॉ अर्णब माइती के अनुसार, सर्जरी को सामान्यत: अंतिम विकल्प के तौर पर देखा जाता है, लेकिन जब इसकी जरूरत हो तो इलाज में अनावश्यक देरी नहीं करनी चाहिए. समय पर विशेषज्ञ से सलाह और सही उपचार कई मामलों में जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है.

35 की उम्र के बाद हृदय की जांच जरूरी

विश्व हृदय दिवस के तहत डॉ माइती ने लोगों से अपने ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल पर नजर रखने की अपील की है. उन्होंने कहा कि सीने में असहजता, मेहनत करने पर सांस फूलना, धड़कन तेज या अनियमित होना तथा पैरों में सूजन जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. कहा कि, 35 वर्ष की उम्र के बाद नियमित हृदय जांच पर ध्यान देना चाहिए, खासकर उन लोगों को जिनके परिवार में हृदय रोग का इतिहास रहा हो या जिन्हें मधुमेह हो अथवा धूम्रपान की आदत रही हो. समय पर विशेषज्ञ से परामर्श और उचित उपचार कई मामलों में जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है.

कब पड़ती है कार्डियक सर्जरी की जरूरत? : डॉ माइती के अनुसार, हृदय की संरचना या उसकी रक्त आपूर्ति में गंभीर गड़बड़ी होने पर केवल दवाओं से स्थिति को नियंत्रित करना संभव नहीं होता. ऐसे मामलों में मरीज की स्थिति और बीमारी की गंभीरता के आधार पर सर्जरी की सलाह दी जाती है.

कई गंभीर ब्लॉकेज में बाईपास सर्जरी ही समाधान : हृदय की धमनियों में कई या जटिल ब्लॉकेज होने पर कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग (सीएबीजी) की सलाह दी जा सकती है. इस प्रक्रिया में रक्त प्रवाह के लिए नया रास्ता बनाया जाता है. विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ मरीजों, खासकर मधुमेह से पीड़ित और जटिल मल्टी-वेसल ब्लॉकेज वाले मरीजों में बाईपास सर्जरी लंबे समय के परिणामों के लिहाज से महत्वपूर्ण विकल्प हो सकती है.

वाल्व में खराबी होने पर सर्जरी जरूरी : हृदय के चार वाल्व रक्त के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं. उम्र, संक्रमण या रूमेटिक हृदय रोग के कारण वाल्व के संकुचित होने या ठीक से बंद नहीं होने की स्थिति में वाल्व की मरम्मत या उसे बदलने की जरूरत पड़ सकती है. समय पर उपचार से हृदय को स्थायी नुकसान से बचाने में मदद मिल सकती है.

एओर्टा की बीमारी में तत्काल उपचार अहम : एओर्टिक एन्यूरिज्म यानी मुख्य धमनी के असामान्य रूप से फैलने या एओर्टिक डिसेक्शन यानी धमनी की दीवार में दरार जैसी गंभीर स्थितियां जानलेवा हो सकती हैं. ऐसे मामलों में तत्काल विशेषज्ञ चिकित्सा और जरूरत पड़ने पर सर्जरी जरूरी होती है.

जन्मजात हृदय रोग में समय पर इलाज जरूरी

जन्म से हृदय में छेद या अन्य संरचनात्मक विकृति वाले बच्चों में समय पर जांच और उपचार बेहद महत्वपूर्ण है. उचित समय पर सर्जरी से कई बच्चों को सामान्य जीवन जीने में मदद मिल सकती है. वहीं, गंभीर हार्ट फेल्योर के मामलों में एलवीएडी जैसी उन्नत तकनीक भी उपचार का विकल्प हो सकती है.

सर्पदंश को लेकर स्कूलों को दी गयी सुरक्षा परामर्श

कोलकाता. हाल ही में एक स्कूल में सर्पदंश की घटनाओं के बाद बंगाल के स्कूलों को एक विस्तृत सुरक्षा सलाह दी गयी है. इसमें पश्चिम बंगाल स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि स्कूल परिसर में सांप और सरीसृप के काटने और अन्य सुरक्षा संबंधी घटनाओं की रोकथाम के लिए मजबूत इंतजाम किये जायें. सुरक्षा को लेकर लगातार निरीक्षण करने की आवश्यकता है. स्कूलों को कहा गया है कि संवेदनशील क्षेत्रों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों को बनाये रखने की व्यवस्था करनी होगी. स्कूल शिक्षा विभाग के कमिश्नर निखिल निर्मल ने एडवाइजरी जारी कर जिला विद्यालय निरीक्षकों को भेज दी है. इसमें स्कूलों को कहा गया है कि बंगाल के प्राइमरी, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक सरकार प्रायोजित, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी गैर सहायता प्राप्त स्कूलों में तत्काल निरीक्षण करने के लिए निर्देश दिया गया है, ताकि परिसरों और संभावित खतरों और संवेदनशील स्थानों की पहचान कर, उस स्थान को सुरक्षित किया जा सके. स्कूल के क्लासरूम, शौचालय, सीढ़ियां, गलियारे, खेल का मैदान, उद्यान सब जगह निरीक्षण करने के लिए कहा गया है.

पर्यटन के वैश्विक सूचकांक में भारत ने लगाई बड़ी छलांग

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूइएफ) की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक में भारत नौ पायदान की बढ़त के साथ 31वें स्थान पर पहुंच गया है. विश्व आर्थिक मंच द्वारा ज्यूरिख इंश्योरेंस ग्रुप के सहयोग से तैयार सूचकांक में जापान, अमेरिका और स्पेन क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं. शीर्ष स्थानों पर बेशक विकसित अर्थव्यवस्थाओं का दबदबा बना हुआ है, इसके बावजूद पर्यटन क्षेत्र में सबसे तेज सुधार कुछ अन्य देशों में देखने को मिल रहा है. इनमें भारत के अलावा चीन, इंडोनेशिया, मलयेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, फिलीपींस, तुर्किये, मेक्सिको और ब्राजील आदि हैं. भारत ने बुनियादी पर्यटन ढांचे, सांस्कृतिक संसाधनों और कारोबारी यात्रा से जुड़ी सुविधाओं में तेजी से सुधार किया है. समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा और पर्यटन की व्यापक मांग ने भी भारत के रैंकिंग सुधार में अहम भूमिका निभाई है. चीन, भारत और मेक्सिको विश्व धरोहर के सांस्कृतिक स्थलों की संख्या के मामले में दुनिया के शीर्ष 10 देशों में भी शामिल हैं. यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पर्यटन क्षेत्र की महत्वपूर्ण ताकत के रूप में रेखांकित करता है. देश में प्राचीन स्मारकों से लेकर मंदिरों, किलों, ऐतिहासिक शहरों और विभिन्न क्षेत्रीय परंपराओं तक पर्यटन के लिए बड़ा आधार मौजूद है. इसके अलावा भारत की भौगोलिक विविधता भी पर्यटन क्षेत्र को व्यापक आधार देती है. रिपोर्ट अलबत्ता बताती है कि पर्यटन बढ़ने के बावजूद स्थानीय समुदायों को मिलने वाले लाभ में कमी आयी है. अधिक पर्यटकों का आना ही बेहतर आजीविका या बेहतर गुणवत्ता वाली नौकरियों की गारंटी नहीं देता, खासकर वहां, जहां पर्यटन काफी हद तक मौसमी होता है. रिकॉर्ड पर्यटन मांग को लंबे समय तक टिकाऊ आर्थिक लाभ में बदलना अब बड़ी चुनौती है. बढ़ती लागत, भू-राजनीतिक तनाव, जलवायु संबंधी व्यवधान, कर्मचारियों की कमी और पर्यटन स्थलों के बुनियादी ढांचे पर बढ़ता दबाव भी प्रमुख बाधाएं हैं. भारत में भी कार्यबल के कौशल, पर्यावरणीय स्थिरता और पर्यटन स्थलों के बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता प्रमुख चुनौतियां हैं. चूंकि वैश्विक पर्यटन बाजार में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है, ऐसे में, भारत के लिए अगली चुनौती सिर्फ रैंकिंग सुधारना नहीं, बल्कि ऐसा पर्यटन मॉडल विकसित करना है, जो आर्थिक अवसर पैदा करे, स्थानीय समुदायों को लाभ पहुंचाये और प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को लंबे समय तक सुरक्षित रखे.

भारत ने बुनियादी पर्यटन ढांचे, सांस्कृतिक संसाधनों और यात्रा सुविधाओं में तेजी से सुधार किया है. समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा और पर्यटन की व्यापक मांग ने भी भारत के रैंकिंग सुधार में अहम भूमिका निभाई है.

अशोक सिंघल जी के आदर्श प्रेरणा देते हैं

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री
https://x.com/narendramodi

जन्म शताब्दी विशेष

27 सितंबर से हम स्वर्गीय अशोक सिंघल जी का जन्म-शताब्दी वर्ष मना रहे हैं. यह एक महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है. उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज एवं संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया. स्वर्गीय अशोक सिंघल जी ने अपने जीवन में हर क्षण इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा था. उनके आदर्शों से आज भी हमें यह प्रेरणा मिलती है. उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिक से अधिक युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों. आइए, हम अपने राष्ट्र और देशवासियों के लिए अशोक सिंघल जी के सपनों को साकार करने के संकल्प को एक बार फिर दोहराएं.

एक बहुत सुंदर सुभाषित है, 'वृक्ष कबहुं नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर, परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर'. इसका मतलब है कि पेड़ कभी अपने फल स्वयं नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती. इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता न देते हुए, सदैव दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं. सदियों से हमारे ऋषियों ने हमें यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्व व्यक्तिगत उपलब्धियों से कहीं अधिक होता है. श्रद्धेय अशोक सिंघल जी का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है. 27 सितंबर से हम स्वर्गीय अशोक सिंघल जी का जन्म-शताब्दी वर्ष मना रहे हैं. यह एक महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है. उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज एवं संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया.

यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे स्वर्गीय अशोक जी के साथ लंबे समय तक कार्य करने, उनसे सीखने, उनसे संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला. मुझे 1981 का एक प्रसंग याद आता है. उस समय मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारियां निभा रहा था. तब मुझे अशोक जी का हाथ से लिखा एक पत्र मिला. उन्होंने पत्र में आने वाले एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी और मुझे कुछ जिम्मेदारियां सौंपी थीं. उस समय अशोक सिंघल जी से पत्र पाना मेरे लिए बहुत विशेष और यादगार क्षण बन गया था. मैंने उन्हें कई दशकों तक दिन-रात काम करते देखा. वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई बार कठिन यात्राएं किया करते थे. गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष रूप से प्रिय था. वे लगातार इस पर चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जा सकता है. जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती, तो अशोक सिंघल जी सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते. वर्ष 2001 में कच्छ में आये भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बन गया. आदरणीय अशोक जी अत्यंत प्रतिष्ठित और संपन्न परिवार से थे. उनके पिता श्री महावीर जी की एक प्रशासक के रूप में पहचान थी. उनके एक भाई बीपी सिंघल जी पुलिस अधिकारी बने और बाद में संसद सदस्य भी रहे. दूसरे भाई वीपी सिंघल त्रिपुरा के तब मुख्य सचिव बने, जब यह नया राज्य बना था. उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने भी कॉमर्स और कृषि के क्षेत्र में सफलता हासिल की. लेकिन शुरू से ही अशोक जी का झुकाव बिल्कुल अलग दिशा में था. बहुत कम उम्र में ही उनके व्यवहार में दूसरों के प्रति करुणा और सेवा की अद्भुत भावना दिखने लगी थी. वे चाहते थे कि भारत का पुनरुत्थान हो और मां भारती की संतान गौरवशाली उपलब्धियां हासिल करें. प्रयागराज में पले-बढ़े अशोक जी कई घंटे संगम के तट पर

बैठा करते थे. नदी के प्रति उनका स्वाभाविक आकर्षण था. वहां आने वाले साधु-संत और श्रद्धालुओं से भी उनकी बहुत आत्मीयता थी. इससे भारत के सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समृद्ध हुई. समाज के लिए कुछ करने का उनका संकल्प भी और दृढ़ हुआ. दूसरों के लिए जीने की यही ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में ले आयी. उनको जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशासन और कर्तव्यभाव से निभाया. अशोक सिंघल जी ने अपने निरंतर प्रयास और अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूत किया. अपनी ओजस्वी वाणी और अभिव्यक्ति की अद्भुत शैली से वे पूरी सभा को मंत्रमुग्ध कर देते थे. अपने साथी कार्यकर्ताओं के प्रति वे अत्यधिक स्नेह रखते थे. जो भी उनके संपर्क में आता, वह उनकी सादगी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता. संत समाज के साथ उनके संबंध बहुत प्रगाढ़ थे. देशभर के साधु-संतों के बीच भी उनका काफी सम्मान था. संतगण उनके परामर्श को महत्व देते थे और उनकी बातें पूरे आदर भाव से सुनते थे. मेरी स्मृति में ऐसी दो घटनाएं उभर रही हैं, जिनसे अशोक सिंघल जी के विराट व्यक्तित्व को समझा जा सकता है. पहली घटना 1993 की है. विश्व हिंदू परिषद ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो संबोधन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक सम्मेलन आयोजित किया था. विदेश में ऐसे भव्य सम्मेलन का विजन, उसकी प्लानिंग और विभिन्न समूहों को एक मंच पर लाने का भगीरथ प्रयास श्री अशोक जी के अद्वितीय संगठनात्मक कौशल का परिचायक था. दूसरी घटना वर्ष 2000 की है, जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ था. उस समय मैं भी वहीं था. मैंने प्रत्यक्ष देखा कि अशोक सिंघल जी की उपस्थिति ने अन्य प्रतिनिधियों में कितना उत्साह भर दिया था. मेरे संबोधन के बाद उन्होंने जिस तरह मेरी सराहना की, वह मेरे लिए बहुत भावुक कर देने वाला अनुभव था. मैंने एक बार फिर अनुभव किया कि उनका प्रोत्साहन किस तरह हर कार्यकर्ता को नयी ऊर्जा से भर देता था.

राम जन्मभूमि आंदोलन में अशोक सिंघल जी की ऐतिहासिक भूमिका का स्मरण किये बिना उनका कोई भी उल्लेख अधूरा है. वर्ष 1991 की बोट क्लब रैली में दिये गये उनके ओजस्वी संबोधन को कौन भूल सकता है! या आंदोलन के चरम पर लहूलुहान और घायल अवस्था में अशोक जी की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है! आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है, तो इसके पीछे अशोक जी जैसी विभूतियों का निःस्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने के प्रयास में स्वयं को पूरी तरह खपा दिया. आज यदि अशोक जी हमारे बीच होते, तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वह सबसे अधिक भावुक एवं प्रसन्न होते. स्वर्गीय अशोक सिंघल जी के विचार बहुत सुलझे हुए थे. वे स्पष्ट रूप से मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए. उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया. उनका साफ मत था कि समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए. प्रत्येक व्यक्ति समान गरिमा व सम्मान का अधिकारी है. यही वजह थी कि उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखने को लेकर अपना विचार स्पष्ट रूप से रखा. उन्होंने ही कहा था कि यह पुनीत कार्य बिहार के वीएचपी कार्यकर्ता और वंचित वर्ग से आने वाले कामेश्वर चौपाल जी के हाथों से हो. काशी में एक धर्म संसद के दौरान उन्होंने डोम राजा को सम्मानित करने का फैसला किया और कई सामुदायिक अभियानों में उनके साथ मिलकर काम किया. राष्ट्र-निर्माण के साथ ही अशोक सिंघल जी के दो ऐसे प्रिय क्षेत्र थे, जो उनके हृदय के अत्यंत निकट थे. शिक्षा (विशेषकर वैदिक शिक्षा) और संगीत, इन दोनों से उनका गहरा लगाव था. वाराणसी के सांसद के रूप में मुझे इस बात पर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है कि जहां का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं, उस शाश्वत काशी ने अशोक सिंघल जी के जीवन में एक अहम भूमिका निभाई. उन्होंने बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की थी और वे एक मेधावी छात्र के रूप में जाने जाते थे. वे एकल विद्यालय की पहल से भी गहराई से जुड़े थे, जिसने दूर-दराज के गांवों, खासकर जनजातीय समुदायों तक बुनियादी शिक्षा पहुंचाने का कार्य किया. वे जितने गहरे अध्येता और उत्साही पाठक थे, उतने ही अच्छे श्रोता भी थे. वे युवा कार्यकर्ताओं को सदैव पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते थे.

आदरणीय अशोक जी को निकट से जानने वालों को पता है कि वे कितना सुंदर गाते थे. मुझे नागपुर की उन बैठकों की याद आती है, जिसमें वे 'एकल गीत' गाया करते थे. उनका गायन सभी को मंत्रमुग्ध कर देता था और पूरी बैठक में नयी ऊर्जा भर जाती थी. वर्ष 2015 में उनके 90वें जन्मदिवस समारोह का एक वीडियो खूब वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने 'हे मातृभूमि मेरी, हे पितृभूमि मेरी' गाकर सभी को चौंका दिया था. स्वर्गीय अशोक सिंघल जी ने अपने जीवन में हर क्षण इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा था. उनके आदर्शों से आज भी हमें यह प्रेरणा मिलती है. उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिक से अधिक युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों. आइए, हम अपने राष्ट्र और देशवासियों के लिए अशोक सिंघल जी के सपनों को साकार करने के संकल्प को एक बार फिर दोहरायें.

खतरनाक होगी काजीरंगा के साथ पर्यावरणीय छेड़छाड़

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार
pc7001010@gmail.com

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के दस किलोमीटर के डिफॉल्ट बफर को एक से तीन किलोमीटर तक सीमित करने का मतलब है कि काजीरंगा को उसके व्यापक परिवेश से काट कर एक ऐसा टापू बना दिया जाए, जिसमें बाढ़ के समय वन्यजीवों के भागने का रास्ता ही न बचे.

असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व को लेकर पिछले कुछ महीनों से जो बहस चल रही है, वह केवल एक संरक्षित वन क्षेत्र की सीमा-रेखा को लेकर नहीं है, बल्कि इससे संबंधित है कि हम अपनी सबसे कीमती प्राकृतिक विरासतों में से एक के भविष्य के साथ कैसा व्यवहार करना चाहते हैं. राज्य सरकार ने काजीरंगा के इर्द-गिर्द मौजूद पारिस्थितिकी संवेदी क्षेत्र यानी इको सेंसिटिव जोन (इएसजेड) को मौजूदा डिफॉल्ट दस किलोमीटर की परिधि से घटाकर एक किलोमीटर, और बाद में संशोधित प्रस्ताव में एक से तीन किलोमीटर तक सीमित करने का निर्णय लिया है. यह प्रस्ताव देखने में आंकड़ों का फेरबदल लग सकता है, पर इसके पारिस्थितिक निहितार्थ बेहद गंभीर हैं.

अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ यानी आइयूसीएन के वर्ल्ड हेरिटेज आउटलुक की ताजा रिपोर्ट ने इस संदर्भ में एक महत्वपूर्ण चेतावनी दी है. अक्तूबर, 2025 में पूरी की गयी इस रिपोर्ट ने काजीरंगा को समग्र रूप से 'कुछ चिंताओं के साथ अच्छा' की श्रेणी में रखा है और उद्यान में सफल एंटी-पोचिंग उपायों तथा गैंडों की स्थिर संख्या की सराहना भी की है, पर साथ ही, कहा है कि बाहरी दबाव और आसपास के भूदृश्य में हो रहे बदलाव काजीरंगा की दीर्घकालिक पारिस्थितिकी के लिए खतरा बन सकते हैं. रिपोर्ट में अनियोजित अवसंरचना, अनियंत्रित पर्यटन सुविधाओं, उद्यान की सीमाओं के निकट व्यावसायिक निर्माण और रिसॉर्ट्स को आवासों पर भारी दबाव डालने वाले कारकों के रूप में चिह्नित किया गया है. भूमि उपयोग में हो रहे परिवर्तन भी वन्यजीवों के आवागमन मार्गों, खासकर कार्बी आंगलोंग की पहाड़ियों को जोड़ने वाले उन रास्तों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं, जिनका उपयोग बाढ़ में जीव-जंतु जान बचाने के लिए करते हैं.

राष्ट्रीय राजमार्ग-37 के उस पार स्थित कार्बी आंगलोंग की पहाड़ियां काजीरंगा के वन्यजीवों के लिए बाढ़ के समय अपरिहार्य शरणस्थली का काम करती हैं, साथ ही, यह पार्क के विस्तारित आवास क्षेत्र के रूप में भी काम आती हैं. ये वन क्षेत्र काजीरंगा के साथ मिलकर एक सतत पारिस्थितिक इकाई का निर्माण करते हैं. दुर्भाग्य से इन पहाड़ियों में वर्षों तक बड़े पैमाने पर खनन, उत्खनन होता रहा और सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद वहां चीजें कुछ हद तक बदलीं. ऐसे में, यदि इस पट्टी में इको सेंसेटिव जोन को कमजोर किया जाता है, तो इसके नतीजे काजीरंगा की पारिस्थितिकी के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकते हैं. इएसजेड में बड़ी कटौती से कार्बी आंगलोंग की पहाड़ियों पर नुकसानदेह औद्योगिक गतिविधियों के लिए दरवाजे खुलने के साथ आक्रामक पर्यटन सुविधाओं में वृद्धि की भी आशंका है. आइयूसीएन की रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और बाढ़ को भी बड़ी चुनौती बताया गया है. तीव्र होती मानसूनी बाढ़ वन्यजीवों और उद्यान के अवसंरचना के लिए जोखिम बढ़ा रही है. इसके अलावा भूमि अतिक्रमण से उत्पन्न आवास विखंडन, मिकानिया माइक्रांथा और आइकोर्निया क्रैसिप्स जैसी आक्रामक प्रजातियां, अनियंत्रित पर्यटन वृद्धि और उससे जुड़ी अवसंरचना, पशुधन चराई, तथा गैंडों के अवैध शिकार का सतत खतरा भी उन प्रमुख चुनौतियों में शामिल हैं, जिनका सामना काजीरंगा को करना पड़ रहा है. इन खतरों का कुल प्रभाव अनुकूल संरक्षण रणनीतियों, बेहतर सामुदायिक साझेदारी और समेकित भूदृश्य-स्तरीय योजना की तत्काल जरूरत को रेखांकित करता है. स्थानीय आबादी की बदलती जनसांख्यिकीय और आर्थिक प्रोफाइल, स्थानीय समुदायों के साथ तनाव, मानव-वन्यजीव संघर्ष, अवैध मछली पकड़ना, पर्यटकों का दबाव, नदी तट का कटाव और काजीरंगा एलिवेटेड हाइवे का विस्तार भी संभावित खतरों में गिने गये हैं.

इनमें से अधिकांश खतरे मानव-जनित हैं और इनके दीर्घकालिक निहितार्थ संरक्षण की दृष्टि से बेहद गंभीर हैं. जब आइयूसीएन खुद यह चेतावनी दे रहा है कि काजीरंगा को घेरने वाला भूदृश्य पहले से ही दबाव में है, तब राज्य सरकार का इएसजेड घटाने का प्रस्ताव समय और तर्क, दोनों के विपरीत जाता प्रतीत होता है. दस किलोमीटर के डिफॉल्ट बफर को एक से तीन किलोमीटर तक सीमित करने का मतलब है कि काजीरंगा को उसके व्यापक परिवेश से काट कर एक ऐसा टापू बना दिया जाये, जिसमें बाढ़ के समय वन्यजीवों के भागने का रास्ता ही न बचे, जहां गैंडे और हाथी अपने पारंपरिक आवागमन मार्गों से वंचित हो जायें, और जहां पर्यटन तथा निर्माण गतिविधियां धीरे-धीरे उस नाजुक संतुलन को तोड़ दें, जिसे बनाये रखने में दशकों लगे हैं. इको सेंसिटिव जोन नौकरशाही की कोई औपचारिकता मात्र नहीं है, बल्कि यह किसी संरक्षित क्षेत्र और उसके इर्द-गिर्द बसी मानव बस्तियों तथा आर्थिक गतिविधियों के बीच एक जीवंत, सांस लेता हुआ बफर है, जो वन्यजीवों को सुरक्षित आवागमन मार्ग देता है, बाढ़ के समय शरण देता है, और औद्योगिक तथा व्यावसायिक दबावों से पार्क की मूल पारिस्थितिकी की रक्षा करता है. इसे कमजोर करने का अर्थ है काजीरंगा की उस प्राकृतिक प्रणाली को क्षति पहुंचाना, जिसने वर्षों की मेहनत के बाद एक-सींग वाले गैंडों की आबादी को स्थिर किया है और शिकार पर काफी हद तक अंकुश लगाया है.

राज्य सरकार को चाहिए कि वह अपने प्रस्ताव पर पुनर्विचार करे और आइयूसीएन की चेतावनियों को गंभीरता से ले. जरूरी है कि निर्णय वैज्ञानिक आकलन और दीर्घकालिक सोच पर आधारित हों, न कि तात्कालिक आर्थिक दबावों पर. कार्बी आंगलोंग की पहाड़ियों को काजीरंगा से अलग करके देखना गलत होगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं.)

बोधि वृक्ष

मानसिक विस्तार के प्रयास

मनुष्य अनादि काल से भौतिक और मानसिक विविधताओं के बीच संघर्ष तथा सामंजस्य की निरंतर प्रक्रिया से गुजरता रहा है. जीवन में चारों ओर होने वाली घटनाओं और अपने आसपास की दुनिया को देखकर उसके मन में स्वाभाविक रूप से अनेक प्रश्न उठते हैं. इन प्रश्नों को अनदेखा नहीं किया जा सकता, क्योंकि प्रश्न मन की एक प्रकार की भूख है. इसलिए मनुष्य लगातार अपने प्रश्नों के उत्तर खोजता रहता है. मनुष्य के मन में उठने वाले प्रश्नों को व्यापक रूप से दो वर्गों में समझा जा सकता है. पहले प्रकार के प्रश्न वे हैं, जिनका संबंध हमारे भौतिक और मानसिक संसार से है. इन्हें अपर प्रश्न कहा जाता है. 'अपर' का अर्थ है सापेक्ष या सीमित संसार से संबंधित. हमारे आसपास क्या हो रहा है, प्रकृति किस प्रकार काम करती है, वस्तुएं कैसे बनती हैं, शरीर कैसे कार्य करता है, रोग क्यों होते हैं, पृथ्वी और ब्रह्मांड की संरचना कैसी है? इस तरह के प्रश्न अपर प्रश्न हैं. जब मनुष्य इन प्रश्नों के उत्तर खोजने का निरंतर प्रयास करता है, तो विज्ञान का विकास होता है. मनुष्य की बौद्धिक और मानसिक क्षमता जितनी विकसित होती जाती है, वह प्रकृति और संसार के रहस्यों को समझने में उतना ही सक्षम होता जाता है. पर यहां प्रश्न उठता है कि क्या संसार से जुड़े प्रश्नों के अधिक से अधिक उत्तर प्राप्त कर लेने से मनुष्य का मन भी उतना ही विकसित हो जाता है? इसका उत्तर 'हां' नहीं है. विज्ञान मनुष्य को बाहरी संसार के बारे में जानकारी दे सकता है, पर केवल जानकारी का विस्तार मन के वास्तविक विस्तार की गारंटी नहीं है. मन के वास्तविक विस्तार के लिए मनुष्य को अपने सीमित मानसिक संसार से आगे बढ़ने की आवश्यकता है. यदि व्यक्ति केवल अपने मन की सीमाओं के भीतर ही ज्ञान की खोज करता रहेगा, तो उसकी खोज भी उन्हीं सीमाओं तक सीमित रहेगी. मानसिक विस्तार तब शुरू होता है, जब मनुष्य अपने से परे किसी उच्चतर सत्ता या परम सत्य को जीवन का लक्ष्य स्वीकार करता है. उस परम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किया गया प्रयास मन के वास्तविक विकास का मार्ग खोलता है.

-श्री श्री आनंदमूर्ति

प्रबंध सूत्र

दुख का तमाशा नहीं बनाया जाना चाहिए

आलोक पुराणिक
स्तंभकार
puranika@gmail.com

मैं उनकी 90 वर्षीय मां की मृत्यु पर शोक व्यक्त करने गया था. घर में शोक-सभा जैसा माहौल था. चादरें बिछी थीं, सफेद कपड़ों में लोग बैठे थे. मेजबान भाई साहब बता रहे थे कि अब तक करीब 200 लोग आ चुके हैं शोक व्यक्त करने के लिए. विधायक जी आ चुके हैं. थानेदार आ चुके हैं. फलां जी आ चुके हैं. फलां जी अभी गये हैं, अभी-अभी गाड़ी गेट से निकली ही है.

मुझे बहुत खराब लगा. एक क्षण को लगा कि यह शोक सभा नहीं, कोई उद्घाटन समारोह है, जहां मेहमानों की हाजिरी गिनी जा रही है, जहां वीआइपी की एंट्री और एग्जिट का हिसाब रखा जा रहा है. मां गुजरी है. पर घर में मां का नाम कम, अतिथियों की गिनती ज्यादा है. शादी को शो ऑफ का मौका बहुत लोग बनाते हैं. कितने कैटरर बुलाये, कौन सा हॉल लिया, कितने लोग आये, कितना बड़ा बैंड बजा. यह चलता है. उत्सव में दिखावा घुस ही आता है. पर कुछ लोग मृत्यु को भी शो ऑफ का इवेंट बना दे रहे हैं. मृत्यु में भी अब हैसियत नापी जा रही है.

मृत्यु पर संवेदना की सही भाषा मौन है. शब्द वहां बौने पड़ जाते हैं. कोई कहे भी तो क्या कहे. इसीलिए शोक सभाओं में दो मिनट का मौन रखवाया जाता है, ताकि जो कहा नहीं जा सकता, वह चुप्पी में महसूस हो जाये. पर वे दो मिनट बहुत भारी गुजरते हैं कई लोगों पर. मोबाइल की स्क्रीन बार-बार जेब में हिलती महसूस होती है, आंखें घड़ी की तरफ भागती हैं. पर मृत्यु को शो ऑफ का इवेंट बनाया जाना अश्लील है. यह मृतक के प्रति असली शोक नहीं, जीवित परिवार की सामाजिक हैसियत का प्रदर्शन है. मृत्यु को भी अगर स्टेटस सिंबल बना दिया जाये, तो समझिये कि समाज में संवेदना नाम की चीज सिकुड़ चुकी है, और उसकी जगह पब्लिक रिलेशंस ने ले ली है.
असली शोक वह होता है, जो कैमरे के बिना भी उतना ही गहरा हो, जो गिनती के बिना भी उतना ही सच्चा हो. जो परिवार अपनी मां को खो चुका है, उसे यह याद रखना चाहिए कि मां की स्मृति विधायक की हाजिरी से बड़ी है, थानेदार की मौजूदगी से भारी है. वर्ना अगली पीढ़ी यही सीखेगी कि मृत्यु भी एक इवेंट है, जिसे मैनेज किया जाना चाहिए.

यह प्रवृत्ति सिर्फ एक परिवार की कमजोरी नहीं, पूरे समाज की बीमारी है. हम हर चीज को इवेंट में बदलने के आदी हो चुके हैं, जन्मदिन भी इवेंट, प्रमोशन भी इवेंट, अब मृत्यु भी इवेंट. जहां पहले परिवार दुख में डूबा रहता था, वहां अब वह अतिथि-सूची अपडेट करने में व्यस्त रहता है. यही असली त्रासदी है. दुख बहुत निजी प्रसंग है. इसका तमाशा नहीं बनाया जाना चाहिए.

आपके पत्र

सोच वैज्ञानिक रखने की जरूरत

हममें से अधिकांश लोग विज्ञान की पढ़ाई केवल नौकरी पाकर जीवनयापन के लिए करते हैं. विज्ञान की पढ़ाई के बावजूद वास्तविक जीवन में कइयों की सोच दकियानूसी ही रहती है. विज्ञान स्वतंत्र चिंतन मांगता है. जीवन के प्रत्येक पहलू को हम तर्क की कसौटी पर कसें. कोई भी बात हम केवल इसलिए न मानें, क्योंकि वह पहले से होती आयी है. हमें सोचना चाहिए कि उस समय परिस्थितियां काफी अलग थीं, पर ऐसा भी नहीं है कि सभी पुरानी चीजें अर्थहीन हैं, बस आज के संदर्भ में उसकी उपयोगिता होनी चाहिए.

सीमा साही, बोकारो

महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार चिंतनीय

महिलाओं और बेटियों को बिना भय के घर से बाहर निकलने और अपनी पसंद से जीवन जीने का अधिकार है. किसी लड़की की मित्रता, पहनावे या उसके बाहर जाने को हिंसा या दुर्व्यवहार का कारण नहीं बनाया जा सकता. महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून व्यवस्था का विषय नहीं, यह परिवार और समाज की भी जिम्मेदारी है. बेटियों की सुरक्षा के नाम पर उनकी स्वतंत्रता सीमित करने के बजाय एक ऐसा वातावरण बनाये जाने की आवश्यकता है, जहां वे सम्मान के साथ आगे बढ़ सकें.

प्रीति मेहरा, गोड्डा

पोस्ट करें : प्रभात खबर, हनुमान एस्टेट (द्वितीय तल), 19 आरएन मुखर्जी रोड, कोलकाता-700001 ■ **फैक्स करें :** 033-22100178 ■ **मेल करें :** eletter@prabhatkhabar.in पर ■ ई-मेल संक्षिप्त व हिंदी में हो. लिपि रोमन भी हो सकती है.

न्यूज अपडेट > ट्रांस एसीएनआर समेत नौ कंपनियों ने सेबी में आइपीओ दस्तावेज दाखिल किये

क्विक बाइट्स

फिर बढ़ सकती हैं महिंद्रा एसयूवी की कीमतें

नयी दिल्ली. महिंद्रा एंड महिंद्रा अपने एसयूवी पोर्टफोलियो की कीमतों में एक और बढ़ोतरी पर अगले दो सप्ताह में फैसला कर सकती है. कंपनी के वाहन प्रभाग के सीइओ नलिनीकांत गोल्लागुंटा ने कहा कि जिंस कीमतों में हालिया वृद्धि को देखते हुए यह कदम उठाया जा सकता है. कंपनी इस साल जनवरी, अप्रैल और जुलाई में तीन बार कीमतें बढ़ा चुकी है.

चिप की बढ़ती मांग से भारत में बढ़ रहे अवसर

नयी दिल्ली. इलेक्ट्रॉनिक सामान की बढ़ती मांग और सरकारी प्रोत्साहन से भारत में चिप बनाने के कारोबार के लिए अवसर बढ़ रहे हैं. बीसीजी के प्रबंध निदेशक अंकुश वढेरा ने कहा कि एआइ के बढ़ते इस्तेमाल से कंप्यूटिंग क्षमता और मेमोरी चिप की मांग भी बढ़ेगी. भारत में कई सेमीकंडक्टर परियोजनाएं आगे बढ़ चुकी हैं.कुछ संयंत्रों में उत्पादन शुरू हो गया है.

गांवों में रोजमर्रा के सामान की बिक्री पांच प्रतिशत घटी

नयी दिल्ली. बिस्कुट, नमकीन, शैम्पू और अन्य रोजमर्रा के सामान की मांग में अप्रैल-जून तिमाही में सुस्ती रही. नीलसनआइक्यू की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान एफएमसीजी की 68 प्रतिशत श्रेणियों में बिक्री घटी. ग्रामीण बाजार में बिक्री की मात्रा पांच प्रतिशत कम हुई, जबकि कीमतें 2.1 प्रतिशत बढ़ीं.

एनआरआइ जमा सात गुना 36.24 अरब डॉलर आये

नयी दिल्ली. एनआरआइ जमा योजनाओं में अप्रैल-जुलाई 2026 के दौरान सालाना आधार पर 678.2% बढ़ोतरी के साथ 36.24 अरब डॉलर की आवक हुई, जो पिछले साल 4.66 अरब डॉलर थी. आरबीआइ की जून में शुरू रियायती स्वैप सुविधा से विदेशी मुद्रा जमा बढ़ी.

तांबा, एल्युमिनियम, इस्पात, प्लास्टिक, कच्चे तेल की महंगाई का असर

त्योहारी सीजन से पहले 8% तक महंगे होंगे इलेक्ट्रॉनिक्स सामान

कंपनियों ने दी जानकारी

एजेंसियां, नयी दिल्ली

त्योहारी सीजन से पहले एसी, एलइडी टीवी, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और अन्य उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स सामान महंगे होने जा रहे हैं. प्रमुख कंपनियां कच्चे माल की बढ़ती लागत के चलते एक अक्तूबर से कीमतों में बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं. तांबा, एल्युमिनियम, इस्पात, प्लास्टिक और कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों के दाम बढ़ने के साथ माल ढुलाई खर्च और विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव ने कंपनियों की लागत बढ़ायी है. इस साल यह तीसरा मौका होगा, जब उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां कीमतें बढ़ायेंगी. एसी की कीमतों में करीब पांच से आठ प्रतिशत, जबकि कुछ कंपनियों के वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और एलइडी टीवी के दाम तीन से चार प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं. कुछ कंपनियां अभी कीमतों की समीक्षा कर रही हैं. बढ़ती लागत का असर त्योहारी मांग पर पड़ने की भी आशंका है.

पुराने स्टॉक से कुछ समय राहत

गोदरेज एंटरप्राइजेज के मुताबिक, पिछली कीमत समीक्षा के बाद जिंस लागत आठ से 10 प्रतिशत बढ़ी है और विभिन्न श्रेणियों में पांच से सात प्रतिशत तक वृद्धि जरूरी हो गयी है. हालांकि, पुराने दाम पर खरीदा गया स्टॉक करीब एक से डेढ़ महीने तक बाजार में रह सकता है.

दिसंबर-जनवरी में फिर वृद्धि संभव

हायर के अनुसार, अक्तूबर से एसी करीब पांच और एलइडी टीवी, वॉशिंग मशीन दो-तीन प्रतिशत महंगे होंगे. लागत बढ़ती रही तो दिसंबर व जनवरी में भी कीमतें और बढ़ सकती हैं.

25-35% महंगा हुआ तांबा, 15% बढ़ी लागत

ब्लू स्टार के मुताबिक, पिछले साल के त्योहारी सीजन की तुलना में लागत करीब 15 प्रतिशत बढ़ी है. हालांकि, जीएसटी से करीब 10 प्रतिशत का लाभ मिलने के कारण ग्राहकों पर शुद्ध असर करीब पांच प्रतिशत रहने का अनुमान है. तांबे की कीमत भी कंपनियों के लिए बड़ी चिंता है. हायर के अनुसार, पिछले साल तांबा 8,000-9,000 डॉलर प्रति टन था, जो अब करीब 14,500 डॉलर पहुंच गया है. एक एसी में औसतन तीन से चार किलोग्राम तांबे का इस्तेमाल होता है. डाइकिन के अनुसार, तांबे की कीमत में करीब 25-35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

किस सामान पर कितनी बढ़ोतरी

उत्पाद/कंपनी	घोषित/संभावित वृद्धि
एसी	5-8%
वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, एलइडी टीवी	3-4% तक
हायर के एसी	करीब 5%
हायर के टीवी, वॉशिंग मशीन	2-3%
डाइकिन के एसी	8-10%
ब्लू स्टार के एसी, डीप फ्रीजर	5-8%
एसपीपीएल के टीवी	करीब 7%

निवेशकों के लिए खुलेंगे 20 आइपीओ
1,292 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी

एजेंसियां, नयी दिल्ली

प्राथमिक बाजार में इस सप्ताह निवेशकों के लिए विकल्पों की भरमार रहेगी. 28 सितंबर से पांच अक्तूबर के बीच 20 आइपीओ खुलेंगे. कंपनियां इन इश्यू के जरिये कुल करीब 1,292 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में हैं. इनमें चार मेनबोर्ड और 16 एसएमइ आइपीओ शामिल हैं. मेनबोर्ड इश्यू से करीब 595 करोड़ रुपये और एसएमइ इश्यू से करीब 697 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है. एसआरआइटी इंडिया इस सप्ताह का सबसे बड़ा मेनबोर्ड इश्यू है. कंपनी 218 करोड़ रुपये जुटायेगी. इसका आइपीओ 28 से 30 सितंबर तक खुला रहेगा. शाह इन्वेस्टर होम का इश्यू भी इसी अवधि में खुलेगा.

मेनबोर्ड आइपीओ पर नजर

कंपनी	खुलने की तारीख	इश्यू आकार	प्राइस बैंड	न्यूनतम खुदरा निवेश*
एसआरआइटी इंडिया	28 सितंबर	218 करोड़	123-130	14,950
शाह इन्वेस्टर होम	28 सितंबर	90.17 करोड़	159-167	14,195
नित्यास जेम्स एंड ज्वेलरी	30 सितंबर	108.35 करोड़	70-75	15,000
विशाल निर्मिति	30 सितंबर	178 करोड़	208-220	14,960

*ऊपरी मूल्य सीमा पर.

धामरा बंदरगाह पूरी तरह नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित

नयी दिल्ली. अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन (एपीएसइजेड) का ओडिशा स्थित धामरा बंदरगाह पूरी तरह नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित होने वाला देश का पहला बड़ा निजी मल्टी-कार्गो बंदरगाह बन गया है. कंपनी ने बताया कि अगस्त 2026 से बंदरगाह की 90 लाख यूनिट से अधिक की मासिक बिजली जरूरत नवीकरणीय स्रोतों से पूरी हो रही है. इसकी सालाना नवीकरणीय बिजली खपत 108 गीगावाट घंटा से अधिक है.

आरआइएस का राष्ट्रीय सर्वेक्षण

2047 तक 318 अरब डॉलर का हो सकता है आयुष क्षेत्र

17.6 लाख लोगों को रोजगार

आयुष क्षेत्र प्रत्यक्ष रूप से 17.6 लाख लोगों की आजीविका का आधार है. करीब 43% महिलाएं है.

नयी दिल्ली. आयुष सेवा क्षेत्र देश के सबसे तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्रों में शामिल हो गया है. 'रिसर्च एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज' की रिपोर्ट के अनुसार, 2047 तक इस क्षेत्र का आर्थिक योगदान 216 से 318 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है.

36.92 अरब डॉलर 2024-25 में आर्थिक योगदान

216-318 अरब डॉलर 2047 तक संभावित

16.91% सालाना वृद्धि दर

15,914 सर्वेक्षण में शामिल प्रतिष्ठान

1.77 अरब डॉलर चिकित्सा मूल्य यात्रा से राजस्व

6 सर्वेक्षण में शामिल आयुष प्रणालियां

17.73 अरब डॉलर आयुर्वेद का 2024-25 का राजस्व

48% आयुष के कुल राजस्व में आयुर्वेद की हिस्सेदारी

43% कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी

पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वेक्षण

रिपोर्ट में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठान-आधारित सर्वेक्षण के जरिये आयुष सेवाओं के आर्थिक योगदान का आकलन किया गया. आयुष की विभिन्न प्रणालियों में आयुर्वेद सबसे बड़ा क्षेत्र रहा.

वायुसेना के 60 विमानों के लिए एम्ब्रेयर-महिंद्रा साथ

एजेंसियां, नयी दिल्ली

ब्राजील की विमान निर्माता कंपनी एम्ब्रेयर ने भारतीय वायुसेना के 60 मल्टी-रोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट (एमटीए) कार्यक्रम के लिए महिंद्रा ग्रुप को अपना भारतीय रक्षा साझेदार चुना है. कंपनी इस कार्यक्रम में अपने केसी-390 मिलेनियम विमान की पेशकश करेगी. एम्ब्रेयर डिफेंस एंड सिक्योरिटी के अध्यक्ष एवं सीइओ बोस्को दा कोस्टा जूनियर ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में एमटीए कार्यक्रम के लिए कंपनी महिंद्रा के साथ काम करेगी, जबकि नागरिक विमानन कारोबार के लिए अदाणी ग्रुप के साथ उसकी अलग साझेदारी है. रक्षा मंत्रालय ने एमटीए कार्यक्रम के लिए महिंद्रा, टाटा, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), रिलायंस डिफेंस और अदाणी समेत पांच कंपनियों को प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) जारी किया है. शुरुआती तौर पर 60 विमान खरीदे जाने हैं और जरूरत पड़ने पर 50 फीसदी अतिरिक्त विमान खरीदने का विकल्प है.

प्रतिबंधित कीटनाशक बेचने पर अमेजन फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर जुर्माना

एजेंसियां, नयी दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने बिना पंजीकरण वाले कृषि-रसायन 'साइक्लोसिनोन हर्बिसाइड' की बिक्री और विज्ञापन को लेकर अमेजन और फ्लिपकार्ट पर 10-10 लाख रुपये तथा जियोमार्ट पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. सीसीपीए ने 22 सितंबर के अलग-अलग आदेशों में तीनों ई-कॉमर्स कंपनियों को उत्पाद की बिक्री और विज्ञापन तत्काल बंद करने का निर्देश दिया. जांच के दौरान कृषि मंत्रालय ने सीसीपीए को बताया कि 'साइक्लोसिनोन' नाम का कोई रसायन कीटनाशी अधिनियम, 1968 की अनुसूची में सूचीबद्ध नहीं है. ऐसे में उत्पाद के लिए कानून के तहत जरूरी सुरक्षा, जैव-प्रभावशीलता और गुणवत्ता संबंधी जांच नहीं हुई थी. सीसीपीए ने कहा कि ई-कॉमर्स कंपनियों ने उत्पाद की नियामकीय स्थिति की पर्याप्त स्वतंत्र जांच किये बिना उसकी लिस्टिंग की. प्राधिकरण ने तीनों कंपनियों को कानून का उल्लंघन करने वाले या उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले उत्पादों की लिस्टिंग रोकने के लिए स्व-ऑडिट करने और आदेश के 15 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट जमा करने को कहा है.

बंगाल की खबरें

किन्नर समाज की प्रमुख बड़ो मां की कार पर चली गोली

प्रतिनिधि, हल्दिया

कोलाघाट में किन्नर समाज की प्रमुख और 'बड़ो मां' के नाम से पहचानी जाने वाली शोभा हालदार की कार पर शनिवार रात पांसकुड़ा के मेछोग्राम मोड़ के पास गोली चलाये जाने की घटना की जांच पुलिस ने शुरू कर दी है. कार से जा रही हालदार की गाड़ी पर बाइक सवार बदमाशों ने निशाना बनाकर गोली चलायी थी. घटना में हालदार घायल हो गयीं. पहले उन्हें पांसकुड़ा में इलाज के लिए भर्ती कराया गया, बाद में बेहतर उपचार के लिए कोलकाता स्थानांतरित किया गया. किन्नर समाज की ओर से दावा किया गया है कि हालदार की गाड़ी को निशाना बनाकर कई राउंड गोलियां चलायी गयीं. हालांकि, घटना के संबंध में रविवार की शाम तक पांसकुड़ा थाने में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं करायी गयी है. गोली चलाये जाने की घटना को देखते हुए पुलिस ने अपने स्तर पर जांच शुरू की है. पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कितने राउंड गोली चलायी गयी, घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या है और इसमें कौन लोग शामिल हैं. अलग-अलग जिलों में किन्नर समुदाय के क्षेत्र आधारित संगठन बने हुए हैं.

पांसकुड़ा पूर्व मेदिनीपुर जिले की सीमा पर स्थित है और इसके बाद पश्चिम मेदिनीपुर जिला पड़ता है. पिछले कई वर्षों से इलाके पर वर्चस्व को लेकर हालदार और पश्चिम मेदिनीपुर के बृहन्नला संगठन के बीच विवाद चलने की बात सामने आयी है.

पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि गोली चलाने की घटना इसी विवाद का नतीजा है या इसके पीछे कोई अन्य साजिश है. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी और साक्ष्य जुटाये हैं. इसके साथ ही आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि गोली चलाने वालों और घटना के पूरे क्रम के बारे में जानकारी मिल सके. पुलिस अधीक्षक अंशुमान साहा ने कहा, "हमने घटना की जांच शुरू कर दी है. सभी पहलुओं को देखा जा रहा है. अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है."

राज्य में 'सनातनी स्वास्थ्य सेना' की पहल, मरीजों की मदद के लिए जल्द शुरू होगी टोल-फ्री हेल्पलाइन

- अस्पताल में भर्ती से लेकर इलाज की जानकारी तक मिलेगी सहायता, सरकारी और निजी अस्पतालों के चिकित्सकों को एक मंच पर लाने का दावा

कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित अतिथि गण

कोलकाता. गांवों और दूरदराज के इलाकों से इलाज के लिए कोलकाता आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को अस्पताल में भर्ती, उपचार और चिकित्सकीय मार्गदर्शन में होने वाली परेशानियों से राहत दिलाने के उद्देश्य से 'सनातनी स्वास्थ्य सेना' जल्द टोल-फ्री हेल्पलाइन शुरू करने जा रही है. संगठन का दावा है कि इस हेल्पलाइन के जरिए जरूरतमंद लोगों को अस्पताल में भर्ती कराने से लेकर उपचार संबंधी जरूरी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जायेगा. संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ पीके हाजरा ने बताया कि टोल-फ्री नंबर की घोषणा जल्द की जायेगी. उनके मुताबिक, हेल्पलाइन पर संपर्क करने वाले लोग संगठन से जुड़ने के साथ-साथ अस्पताल में भर्ती कराने और इलाज के दौरान आवश्यक सहयोग भी प्राप्त कर सकेंगे.

डॉ हाजरा ने कहा कि संगठन से सरकारी मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सकों के साथ-साथ निजी अस्पतालों के विभागाध्यक्ष भी जुड़े हुए हैं. ऐसे में मरीजों और उनके परिजनों को उपचार से संबंधित उचित दिशा-निर्देश देने में मदद मिल सकेगी. संगठन में चिकित्सकों के अलावा नर्स, स्वास्थ्यकर्मी और एमबीबीएस के छात्र भी शामिल हैं.

दक्षिण भारत में इलाज के लिए जाने की प्रवृत्ति रोकने का दावा: संगठन ने बंगाल के मरीजों के बेहतर इलाज और राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने पर भी जोर दिया है. डॉ हाजरा के अनुसार, बड़ी संख्या में बंगाली मरीज बेहतर उपचार के लिए दक्षिण भारत के विभिन्न शहरों का रुख करते हैं. संगठन का उद्देश्य राज्य में ही बेहतर चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ावा देना है. उन्होंने दावा किया कि स्वास्थ्य क्षेत्र में बंगाल में 5,000 करोड़ रुपये के निवेश लाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है.

रक्तदान से लेकर डॉक्टरों की सुरक्षा तक मुद्दे एजेंडे में: 'सनातनी स्वास्थ्य सेना' की ओर से आने वाले दिनों में रक्तदान शिविर आयोजित करने, चिकित्सकों पर होने वाली हिंसा को रोकने और अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा बढ़ाने जैसे मुद्दों पर भी काम करने की बात कही गयी है. संगठन में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों के कई चिकित्सकों के जुड़े होने का दावा किया गया है.

इस संगठन की ओर से रविवार को महानगर में आयोजित एक कार्यक्रम में संगठन के सचिव डॉ दीपांकर देवनाथ, डॉ मधुरिमा माइती, डॉ सुनीप बंद्योपाध्याय, डॉ प्रदीप कुमार घोष, एसएसकेएम अस्पताल के प्लास्टिक सर्जरी विभाग के डॉ अरिंदम सरकार और त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ असीम सरकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संयोजक रवि चाणक्य, विवेक शुक्ला समेत अन्य कई चिकित्सक मौजूद रहे. संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ पीके हाजरा आगामी आइएमए चुनाव में भी उम्मीदवार हैं.

नंदीग्राम : कांग्रेस प्रार्थी मिलन प्रधान के समर्थन में रैली

हल्दिया. नंदीग्राम विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के पहले गिरफ्तार किये गये कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान के समर्थन में रविवार को इलाके में पार्टी की ओर से रैली निकाली गयी. रैली में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार समेत राज्य और जिला स्तर के नेता तथा कार्यकर्ता शामिल रहे. इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री सरकार ने कहा कि यदि नंदीग्राम में शांतिपूर्ण मतदान होता है और लोग अपने मताधिकार का स्वतंत्र रूप से इस्तेमाल कर पाते हैं, तो भाजपा टूटे पत्तों की तरह उड़ जायेगी.

GOVERNMENT OF WEST BENGAL
e-TENDER NOTICE
CMOH, Birbhum is inviting tender for Selection of Agency for distribution of free spectacles to beneficiaries under SES and Presbyopia under NPCB&VI Programme (2nd call). Interested bidders are hereby requested to visit www.wbtenders.gov.in, www.wbhealth.gov.in for details of e-NIT. Sd/- Chief Medical Officer of Health, Birbhum. ICA- T18349(3)/2026

NOTICE INVITING e-TENDER
Tender Memo No. 3043/Rai/26, Dated 23.09.2026, e-Tender ID- 2026_ZPHD_5075238_1 to 7 Last Date & Time of submission of bid: 13.10.2026 up to 10.00 AM. For details visit https://tenders.wb.gov.in, http://bankura.gov.in and office notice board.
Sd/-
Block Dev. Officer,
Raipur Dev. Block
Raipur, Bankura

e-N.I.T No - WBIW / EE / KIDIVISION / e-NIT- 04 (e)/2026-27 under Kakdwip Irrigation Division, Kakdwip, Online e-tender has been invited by the undersigned for 18 (Eighteen) no. of works. amount put to tender ranging from Rs.3.12 Lakh to Rs.9.95 lakh. Last date of submission of online bid 05.10.2026 up to 12:00 Hrs. All necessary details may be obtained from West Bengal Government e-tender portal https://tenders.wb.gov.in and Departmental website https://iwd.wb.gov.in/
Sd/-EE,KID

GOVERNMENT OF WEST BENGAL
District Health & Family Welfare Samity, Paschim Medinipur
TENDER NOTICE
DH&FWS-Mid(W)/ASHA/2026/1498 Dt. 24.09.2026
E-tenders are invited by Member Secretary, DH&FWS & CMOH, Paschim Medinipur on behalf of Government of West Bengal related to "Procurement of ASHA HBNC Kit (Tender ID-2026_DHFWS_5074996)" from bonfide bidders/agencies/suppliers. Last date of Submission of Tender Documents : - 09.10.2026.2026 UPTO 5:00 P.M. Details will be available in the website of www.tenders.wb.gov.in under the Organisation District Health & Family Welfare Samity, PaschimMedinipur, www.wbhealth.gov.in/tender & office Notice board.
Sd/- Chief Medical Officer of Health, Paschim Medinipurs. ICA- T18351(3)/2026

GOVERNMENT OF WEST BENGAL
Haldia Development Authority
Haldia, Purba Medinipur -721657
Toll Free No. 1800-345-3224
The e-NIT No. 54/HDA/EC of 2026-27 for the work: Construction of Industrial Road with Concrete Paver Block from Chloride Metals Gate towards Gandhi Ashram upto the 2nd Gate of Chloride Metals Limited under Haldia Municipality. Estimated cost: Rs. 95.00 Lakhs. Document download: 29.09.2026 - 24.10.2026. Bid submission through www.wbtenders.gov.in 29.09.2026 – 22.10.2026 Details are available at www.hda.gov.in website. Sd/- CEO, HDA.

PWD (GOVT. OF WB) TENDER NOTICE
Executive Engineer, PWD, Howrah Division invites on line Tender for the works :
#1 Restoration of damaged GT Road (N) at 391 G.T Road near Pilkhana More cutting by KMDA/HMC for repair underground drain,Howrah during thr year 26-27, Estimated Amount Put to Tender: Rs.13,35,142/-
#2 Repairing and restoration of black top portion on GT Road (N) cutting by CESC from Hindal Co to Dewangachi Masjid during thr year 26-27, Estimated Amount Put to Tender: Rs.12,12,483/-
#3 Emergent repairing and restoration damaged Benaras Road from ch 10.10 to 10.18 km & 10.91 to 163 10.98 km (right Lane of divider) during the year 26-27. Estimated Amount Put to Tender: Rs.21,80,828/-
N.I.e.T. NO. : WBPWD/EE/HD/NIeT_59/2026_2027. , Tender ID: 2026_WBPWD__5075826 _ 1/2/3.
Bid Submission start date (online) 28.09.2026 up to 10:00 A.M
Bid Submission end date (online) 12.10.2026 up to 13.30 P.M
Corrigendum if any will be published in website only.
Details of NIT and Tender documents may be downloaded from : http://tenders.wb.gov.in/nicgep/app
Sd/-
Executive Engineer
Howrah Division, PWD

नवकुमार मल्लिक की आस्थाभरी पदयात्रा : तीन साल बिस्तर पर रहे, अब पैदल चले तीर्थ करने

प्रतिनिधि, खड़गपुर

एक किडनी के साथ जिंदगी की जंग जीतकर पुरी के लिए पैदल निकले नवकुमार, दांतन पहुंची आस्था की यह अनोखी यात्रा

कभी बीमारी ने कदम रोक दिये थे, करीब तीन साल तक बिस्तर पर रहना पड़ा, लेकिन आज वही कदम आस्था की राह पर लगातार आगे बढ़ रहे हैं. बांकुड़ा जिले के इंदास निवासी नवकुमार मल्लिक, जिन्हें इलाके में राधाचरण के नाम से भी जाना जाता है, भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए बांकुड़ा से पैदल पुरी की ओर निकल पड़े हैं.

एक किडनी के साथ जन्मे नवकुमार बचपन से ही शारीरिक समस्याओं से जूझते रहे हैं. बीमारी के चलते उन्हें करीब तीन वर्षों तक शय्याशायी रहना पड़ा. उस दौरान सामान्य रूप से चलना-फिरना भी उनके लिए मुश्किल था. लेकिन समय बदला और अब जब वह अपने पैरों पर चल पा रहे हैं, तो इसे वह भगवान की कृपा मानते हैं. इसी विश्वास और कृतज्ञता को साथ लेकर नवकुमार ने बांकुड़ा के इंदास स्थित अपने घर से पुरी जगन्नाथ धाम तक पैदल यात्रा शुरू की है.

करीब छह दिनों तक पैदल चलने के बाद वह दांतन पहुंच चुके हैं. यहां से उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग-16 का रास्ता पकड़ा है और इसी मार्ग से आगे पुरी की ओर बढ़ रहे हैं. भगवा वस्त्र, हाथ में भगवान जगन्नाथ की तस्वीर और जुबां पर हरिनाम'' नवकुमार की यही पहचान रास्ते में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रही है. लंबी दूरी, थकान और शारीरिक परेशानियों के बावजूद उनके कदम लगातार आगे बढ़ रहे हैं.

नवकुमार का कहना है कि वह पहले भी पैदल नवद्वीप और वृंदावन की तीर्थयात्रा कर चुके हैं'' अब उनके मन में केवल एक ही संकल्प है, पुरी पहुंचकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन करना. नवकुमार मल्लिक ने कहा, "बचपन से ही मेरी एक किडनी नहीं है. बीमारी के कारण लंबे समय तक बिस्तर पर पड़ा रहा. भगवान की असीम कृपा से आज अपने पैरों पर चल पा रहा हूं. उनकी ही पुकार पर कभी नवद्वीप तो कभी वृंदावन चला जाता हूं. अब पुरी के जगन्नाथदेव के दर्शन के लिए जा रहा हूं."

बारिश से मकान का हिस्सा ढहा, धान व घरेलू सामान बर्बाद

खड़गपुर. पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशियारी में लगातार हो रही बारिश से एक परिवार की मुश्किलें बढ़ गयी हैं. भारी बारिश के कारण कुसुमपुर नंबर-4 अंचल के रेलागाड़िया संसद अंतर्गत झुरिया गांव में एक मकान का हिस्सा अचानक ढह गया. हादसे में घर के अंदर रखा फर्नीचर, घरेलू सामान और धान की बोरियों समेत कई जरूरी सामग्री क्षतिग्रस्त हो गयी.

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, झुरिया गांव निवासी ज्योतिंद्रनाथ हांसदा के मकान का एक हिस्सा लगातार बारिश के कारण कमजोर हो गया था. बारिश के बीच अचानक मकान का वह हिस्सा भरभराकर नीचे गिर गया. घटना के बाद परिवार में अफरा-तफरी मच गयी. मकान का हिस्सा गिरने से कमरे में रखा फर्नीचर और रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान क्षतिग्रस्त हो गया.

वहीं, घर में जमा कर रखी गयी धान की बोरियां भी मलबे और पानी की चपेट में आकर खराब हो गयीं. इससे परिवार को काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है.

न्यूज बाइट्स

केला व गोभी चोरी के आरोप में पेड़ से बांध कर पिटाई

कल्याणपुर (समस्तीपुर). चकमेहसी थाना क्षेत्र की हजपुरवा पंचायत स्थित करुआ गांव में रविवार को खेत से चोरी की गई केला और गोभी के साथ एक युवक को ग्रामीणों ने दबोच लिया. चोरी की घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी युवक को एक पेड़ से बांध दिया. इस दौरान कुछ लोगों ने उसकी पिटाई भी की. घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची चकमेहसी थाने की डायल 112 की टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले आयी. आरोपी करुआ गांव का परवीन कुमार परवाना बताया गया है.

नकली दारोगा और कमांडो समेत पांच अपराधी गिरफ्तार, हथियार व फर्जी नंबर प्लेट बरामद

सासाराम ग्रामीण/शिवसागर. शिवसागर थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-19 पर रिलायंस पेट्रोल पंप के समीप शनिवार की रात करीब आठ बजे पुलिस ने घेराबंदी कर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में जुटे फर्जी दारोगा और कमांडो समेत पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने इनके पास से फर्जी दारोगा का आइडी कार्ड, पुलिस बैज लगी टोपी, दो देसी कट्टा, चार कारतूस, एक टॉय गन, पांच मोबाइल और यूपी नंबर की दो फर्जी नंबर प्लेट बरामद की हैं.

सीआरपीएफ हवलदार ने एके-47 से खुद के गर्दन में मारी गोली, तोड़ा दम

रांची/हुसैनाबाद. रांची के विधानसभा थाना क्षेत्र तिरिल स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय परिसर में सीआरपीएफ हवलदार भुनेश्वर पाल (48 वर्ष) ने एके-47 से खुद के गर्दन में गोली मार ली. घटना रविवार सुबह करीब 7.15 की है. गोली की आवाज सुनकर कैंप में मौजूद उनके साथी मौके पर पहुंचे. फिर तत्काल उन्हें अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. भुवनेश्वर पाल सीआरपीएफ के सेंटर ट्रेनिंग कम्यूनिकेशन में तैनात थे. घटना के बाद विधानसभा थाना की पुलिस और एफएसएल की टीम जांच करने पहुंची. मौके से पुलिस ने एके-47 के दो खोखे बरामद किये. पुलिस के अनुसार, भुनेश्वर पाल ने ऑटोमेटिक मोड में गर्दन में सटाकर गोली चलायी. पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आयी है कि इनकी पत्नी का लीवर का इलाज चल रहा था. पारिवारिक कारणों से वे कुछ दिनों से परेशान चल रहे थे. संभवतः इसकी वजह से उन्होंने आत्महत्या कर ली. पुलिस ने एके-47 जब्त कर लिया है. खबर लिखने तक यूडी केस दर्ज कराने की प्रक्रिया चल रही थी.

बाइक सवार पिता-पुत्र को हाइवा ट्रक ने रौंदा घटनास्थल पर ही तोड़ दिया दम

सीवान. मुफस्सिल थाना क्षेत्र के विदूर्ती हाता गांव के समीप जवाहर नवोदय विद्यालय के बगल स्थित हाईवे पर रविवार को तेज रफ्तार ट्रक ने पिता-पुत्र को रौंद दिया ,जहां दोनो की मौत हो गई. मृतकों की पहचान टडवां गांव निवासी मुकेश कुमार और उनके पुत्र बिट्टू कुमार के रूप में हुई है. घटना के संबंध में मृतक के भतीजे अमित कुमार ने बताया कि उनके चाचा मुकेश कुमार अपने पुत्र बिट्टू को बाइक से लेकर सब्जी खरीदने के लिए बाजार जा रहे थे. इसी दौरान जवाहर नवोदय विद्यालय के समीप हकाम की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने विपरीत दिशा में जाकर उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी. हादसा इतना भीषण था कि बाइक समेत पिता-पुत्र ट्रक के नीचे फंस गए. आनन-फानन में दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया.

खतरे के निशान के पार पहुंची गंडक, 4.79 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज

मुजफ्फरपुर. नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बाद गंडक नदी का जलप्रवाह बढ़ता जा रहा है. वाल्मीकिनगर गंडक बराज सभी फाटक खोल दिये गये हैं. रविवार शाम तक बराज का डिस्चार्ज 4.79 लाख क्यूसेक पहुंच गया. नेपाल के देवघाट से रविवार को 6.52 लाख क्यूसेक पानी गंडक में छोड़ा गया. इधर शनिवार को छोड़े गये पानी का असर गोपालगंज, पश्चिम चंपारण व उत्तर प्रदेश में दिखने लगा है. वीटीआर के निचले इलाकों में बाढ़ आ गयी है. कई नदियों का पानी आसपास के गांवों में फैल गया. वाल्मीकिनगर-मदनपुर स्टेट हाइवे पर बाढ़ का पानी फैल गया है.

सकरी नदी का डायवर्सन डूबा, बिहारशरीफ-कतरीसराय मार्ग पर संपर्क टूटा

बिहारशरीफ. पिछले तीन दिनों से जिले में लगातार बारिश से यहां की नदियों में अचानक उफान आ गया है. इसके कारण बिहारशरीफ-कतरीसराय मुख्य मार्ग पर दरियापुर के पास सकरी नदी के जर्जर पुल के पास बनाया गया अस्थायी डायवर्सन जलस्तर बढ़ने से फिर डूब गया है. इससे छोटी गाड़ियों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है और मरम्मत कार्य भी ठप पड़ गया है. डायवर्सन डूबने से जिला मुख्यालय का पूर्वी क्षेत्र और शेखपुरा के पश्चिमी इलाके से सीधा संपर्क कट गया है. मानपुर, पलनी, रहिंचा, कबीरपुर, मैरा, बरीठ समेत दर्जनों गांवों के लोगों को भारी दिक्कत हो रही है.

सबसे ज्यादा बनायी जा रहीं एंटीबायोटिक और गैस की नकली दवाएं

बिहार में ₹3000 करोड़ का नकली दवाओं का कारोबार

प्रह्लाद कुमार, पटना

बिहार में मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाला नकली दवाओं का काला कारोबार खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है. राज्य में हर साल तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक की नकली और अमानक दवाएं बेची जा रही हैं. नकली दवाओं की खपत के मामले में राजधानी पटना पहले स्थान पर है, जबकि गयाजी दूसरे नंबर पर है. इसके अलावा मुजफ्फरपुर, भागलपुर, दरभंगा और पूर्णिया समेत सीमावर्ती जिलों में इसका नेटवर्क तेजी से पांव पसार चुका है. दवा कारोबारियों और ड्रग कंट्रोलर के अनुसार, बिहार में सबसे अधिक खपत एंटीबायोटिक दवाओं की होती है, और यही वजह है कि जालसाज सबसे अधिक इसी ग्रुप की नकली दवाएं बाजार में उतार रहे हैं. मरीज डॉक्टर की पर्ची देखकर दुकान से दवा खरीदता है, लेकिन असर न होने पर बीमारी को कसूरवार मानता है, जबकि असली वजह दवा का नकली या घटिया होना है.

50 हजार दवा दुकानों पर नजर रखने को महज 150 अफसर : राज्य में दवाओं के इतने बड़े नेटवर्क के मुकाबले निगरानी का ढांचा बेहद कमजोर है. बिहार में करीब 35 हजार रिटेल (खुदरा) दवा विक्रेता और 15 हजार से अधिक थोक (होलसेल) विक्रेता पंजीकृत हैं. इन 50 हजार दुकानों की जांच और दवाओं के सैंपल लेने की जिम्मेदारी ड्रग कंट्रोलर के अधीन महज 150 अफसरों पर है.

रैपर बदलकर बेची जा रही एक्सपायर्ड दवाएं, स्थानीय स्तर पर पैकिंग

ड्रग कंट्रोलर द्वारा की गयी छापेमारी में इस नेटवर्क के काम करने के तरीके का खुलासा हुआ है : बड़ी और नामी कंपनियों की दवाओं के रैपर और डिब्बे हुबहू प्रिंट कर उनमें घटिया दवाएं भरी जा रही हैं. एक्सपायर हो चुकी दवाओं की तिथियां बदलकर उन्हें नये सिरे से बाजार में सप्लाई किया जाता है. राज्य में कुछ जगहों पर विभिन्न सीरप की खुद से पैकिंग कर उन्हें ग्रामीण और बार्डर इलाकों के मेडिकल स्टोरों में खपाया जा रहा है.

पटना में 61 गिरफ्तारियां, 17 दुकानें बंद

राजधानी पटना में इस साल नशीली और नकली दवाओं के खिलाफ सबसे सख्त कार्रवाई हुई है. इससे पहले 2025 में पटना में 83 छापेमारी, 29 एफआईआर और 18 दुकानों के लाइसेंस रद्द किये गये थे. 2026 में अब तक 90 छापेमारी की गयी, जिनमें 49 एफआईआर दर्ज कर 61 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 17 दुकानों के लाइसेंस रद्द कर दिये गए.

दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार छापेमारी के सख्त निर्देश दिये गये हैं. घटिया व नशीली दवाएं बेचने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी. पटना में अत्याधुनिक "ड्रग टेस्टिंग लैब" की स्थापना की जायेगी. राज्य में दवा परीक्षण प्रणाली को मजबूत करने के लिए नाइपर हाजीपुर का भी सहयोग लिया जाएगा.

-कुमार रवि, सचिव, स्वास्थ्य विभाग, बिहार

लाइब्रेरियन पात्रता परीक्षा के लिए एक से भरें फॉर्म

लाइब्रेरियन के 5800 पदों पर बहाली का रास्ता खुलने की उम्मीद

संवाददाता, पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने विद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष (लाइब्रेरियन) पात्रता परीक्षा, 2026 को लेकर रविवार को नोटिफिकेशन जारी कर दिया है. परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन एक अक्तूबर से 21 अक्तूबर तक लिये जायेंगे. समिति की वेबसाइट https://sletregistration.cbrt.co.in पर आवेदन किया जा सकता है. पात्रता परीक्षा 19 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच प्रस्तावित है. लाइब्रेरियन पात्रता परीक्षा को लेकर आवेदन करने की तिथि की घोषिणा के साथ ही करीब 5800 लाइब्रेरियन के पदों पर नियुक्ति का रास्ता खुलने की उम्मीद है.

150 अंकों की परीक्षा, निगेटिव मार्किंग नहीं : इस संबंध में समिति के अध्यक्ष डॉ त्यागराजन एसएम ने बताया कि पात्रता परीक्षा में कुल 150 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे. परीक्षा में सभी प्रश्न बहुविकल्पीय (मल्टीपल च्वाइस) होंगे. इसमें हर प्रश्न एक अंक का होगा. परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं होगी. परीक्षा में 100 अंक पुस्तकालय विज्ञान विषय और 50 अंक सामान्य ज्ञान पर आधारित होंगे. ढाई घंटे की पात्रता परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड यानी सीबीटी मोड में आयोजित होगी.

न्यूनतम पासिंग मार्क्स

वर्ग	न्यूनतम (%)
सामान्य	50%
पिछड़ा वर्ग	45.5%
अत्यंत पिछड़ा वर्ग	42.5%
एससी/एसटी	40%
दिव्यांग	40%
महिला	40%

आवेदक बिहार के निवासी ही होंगे

पात्रता परीक्षा में आवेदक बिहार के निवासी ही होंगे. इसमें सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को उम्र सीमा में 10 वर्ष की छूट मिलेगी. पात्रता परीक्षा में शामिल होने के लिए 45% अंकों के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है. परीक्षा के पाठ्यक्रम राज्य के मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में पुस्तकालय विज्ञान की स्नातक डिग्री के लिए लागू कोर्स पर आधारित होगा.

छापेमारी करने पहुंची पुलिस को वीडियो जारी कर धमकी

प्रतिनिधि, जमालपुर (मुंगेर)

जमालपुर में एक सप्ताह पूर्व 18 लाख 50 हजार रुपये की डकैती की जांच में एक टैटू ने पुलिस का ध्यान एक संदिग्ध युवक तक पहुंचा दिया है. पीड़ित परिवार ने पुलिस को बताया था कि एक बदमाश के गले पर 'विलेन' नाम का टैटू बना था. इसी सुराग पर पुलिस ने निर्भय कुमार झा उर्फ निशु झा उर्फ बाबा के घर छापेमारी की. घर पर नहीं मिलने पर परिजनों से पूछताछ की गयी. जिसके बाद संदिग्ध ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पुलिस को 72 घंटे में देख लेने की धमकी दे डाली है. सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है. जिसमें फरीदपुर थाना क्षेत्र के ही निशु झा नामक एक युवक ने शनिवार को सोशल मीडिया पर आकर जमालपुर थानाध्यक्ष पर जातीय राजनीति करने का आरोप लगाया है. निशु झा ने वीडियो में कहा है कि थानाध्यक्ष द्वारा एक साजिश के तहत इस मामले में घसीटा जा रहा है. परिजनों केसाथ गाली-गलौज की जा रही है. अपने वीडियो में पुलिस को खुली चुनौती देते हुए कहा है कि तकनीकी जांच करायी जाये. लोकेशन कॉल डिटेल और फिंगरप्रिंट की जांच की जाए, अगर लूट में थोड़ी भी भूमिका मिली तो मैं खुद जान दे दूंगा, लेकिन सिर्फ टैटू दिखाकर अपराधी साबित करना बंद किया जाये. उसने 72 घंटे में देख लेने की भी धमकी दी है. उन्होंने अपने वीडियो में जहां पुलिस को सहयोग करने की बात कही, वहीं पुलिस पर गंभीर आरोप भी लगाए है.

विलेन टैटू ने मचा दिया है हंगामा : पीड़ित सौरभ कुमार ने घटना के संबंध में थाने में दिये गये अपने आवेदन में कहा है कि उसके घर लूट की घटना को अंजाम देने वाले चार अपराधियों में एक अपराधी के गले पर विलेन का टैटू बना हुआ था. पुलिस अब टैटू को आधार बनाकर अपराधियों की धर पकड़ करने में जुट गयी है.

जुलाई से अब तक 3 .57 लाख मरीजों की हुई इसीजी जांच

पटना. बिहार में हृदय संबंधी संभावित समस्याओं की समय पर पहचान और उपचार के लिए सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क इसीजी जांच की सुविधा का लगातार विस्तार किया जा रहा है. स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अप्रैल 2025 से 26 सितंबर तक राज्य में 11.43 लाख से अधिक इसीजी जांच की जा चुकी हैं. वर्तमान में जिला अस्पताल से लेकर प्रखंड और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक कुल 606 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में यह सुविधा उपलब्ध है. इससे हृदय संबंधी परेशानी वाले मरीजों को शुरुआती स्तर पर जांच और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श मिलने में मदद मिल रही है.अप्रैल-जून 2025 में 15,086 इसीजी जांच हुई थीं. जुलाई-सितंबर 2025 में यह संख्या बढ़कर 57,440, अक्टूबर-दिसंबर में 1,43,943 और जनवरी-मार्च 2026 में 2,57,605 हो गयी.

एलआइसी की जीवन प्रकाश बिल्डिंग में लगी भीषण आग, दो करोड़ रुपये का हुआ नुकसान

जमशेदपुर. बिष्टुपुर स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआइसी) की जीवन प्रकाश बिल्डिंग के दूसरे तल्ले पर बीती देर रात करीब दो बजे अचानक भीषण आग लग गयी. देखते ही देखते आग की ऊंची लपटें उठने लगीं और पूरा इलाका धुआं से भर गया. घटना में करीब दो करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जलकर राख होने का अनुमान लगाया जा रहा है. आग इतनी भयानक थी कि घटना के नौ घंटे बाद भी कमरे के भीतर धुएं और जलन का अहसास हो रहा था. जानकारी के अनुसार, एसी के चेंबर में जोरदार ब्लास्ट को आग लगने का मुख्य कारण माना जा रहा है. एसी चेंबर फटने के बाद निकली चिंगारी ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और दूसरे तल्ले के पूर्वी छोर को अपनी चपेट में ले लिया. गनीमत यह रही कि आग पश्चिमी छोर तक नहीं पहुंची, जिससे ग्राहकों के महत्वपूर्ण दस्तावेज, कंप्यूटर सिस्टम और सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज पूरी तरह सुरक्षित रह गये.

बिल्डिंग में आग की उठती लपटें और ऑफिस के अंदर जला पड़ा सामान.

जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात करीब दो बजे बिल्डिंग से धुआं और आग की लपटें निकलते देख वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत बिष्टुपुर थाना और अग्निशमन विभाग को सूचित किया. बिष्टुपुर पुलिस ने बिना वक्त गंवाये झारखंड अग्निशमन सेवा और टाटा स्टील फायर ब्रिगेड को सतर्क किया. इसके बाद कुल 17 दमकल मौके पर पहुंचीं. अग्निशमन दल के कर्मचारियों ने करीब 3.30 घंटे की मशक्कत के बाद रविवार सुबह 5.30 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया.

एसडीएम चैंबर, लाइब्रेरी और कॉन्फ्रेंस रूम जलकर राख : आग की चपेट में आने से भवन के दूसरे तल्ले पर स्थित एसडीएम का चैंबर, लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस रूम और ट्रेनिंग सेंटर पूरी तरह तबाह हो गये.

वायरल वीडियो का मामला : तीन आरोपी गिरफ्तार, आरोपियों की भीड़ ने की पिटाई

अभद्रता

प्रतिनिधि, बांका

बौंसी के मंदार में युवती के साथ अभद्रता का वीडियो वायरल होने के मामले में तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. इसके अलावा दो नाबालिग को विधि निरुद्ध किया गया है. दो अन्य नाबालिग फरार है. रविवार को एसपी अमितेश कुमार ने पत्रकारों को जानकारी दी. पुलिस ने बीती रात मुख्य आरोपी अब्दुल्ला को कोलकाता के हावडा स्टेशन से, आनंद को उसके घर और विभीषण को पटना जंक्शन से गिरफ्तार किया. गिरफ्तारी के बाद आरोपी की मेडिकल जांच के लिए पुलिस अस्पताल पहुंची तो भीड़ आक्रोशित हो गयी. आक्रोशित लोगों ने आरोपियों की पिटाई शुरू कर दी.

बौंसी रेफरल अस्पताल में पुलिस अभिरक्षा में आरोपी.

वायरल वीडियो को लेकर पांच हिरासत में

भागलपुर. अमडंडा थाना क्षेत्र में नाबालिग छात्रा के साथ कथित 'बैड टच' से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है. इनमें तीन नाबालिग भी शामिल हिरासत में लिए गये लोगों से पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी है. मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने वीडियो और घटनाक्रम का सत्यापन शुरू किया. वायरल वीडियो चार-पांच दिन पुरानी बतायी जा रही है. एसडीपीओ-2 कहलगांव स्नेह सेतु ने बताया कि पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. इनमें तीन नाबालिग हैं. उनसे घटना के संबंध में जानकारी ली जा रही है.

फर्जी अकाउंट खोल साइबर ठगी सीएसपी केंद्र संचालक फरार

प्रतिनिधि, उदाकिशुनगंज (मधेपुरा)

प्रखंड के उदा चौक पर फर्जी बैंक खाते खोलकर साइबर ठगी का बड़ा मामला उजागर हुआ है. आरोप है कि स्थानीय लोगों के आधार-पैन का दुरुपयोग कर दर्जनों फर्जी खाते खोले गये और उन खातों के जरिये लाखों-करोड़ों रुपये का अवैध लेन-देन किया गया. मामले में कई पीड़ितों ने मधेपुरा साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है. शिकायत के बाद पुलिस ने उदा चौक स्थित संबंधित सीएसपी केंद्र को सील कर दिया है और वहां पुलिस बल तैनात किया गया है. सीएसपी संचालक फरार बताया जा रहा है. सूत्रों के अनुसार आरोपितों के घर पर नोटिस चस्पा किया गया है. मामले की जांच में मुंबई और उत्तर प्रदेश क्राइम ब्रांच भी जुटी है.

दूसरे राज्यों से नोटिस आने पर हुआ खुलासा : पीड़ितों के अनुसार उन्हें तब ठगी की जानकारी हुई जब महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के साइबर थानों से पूछताछ के लिए नोटिस आया. यूपी के भोपा थाना मुजफ्फरनगर, जानकीपुरम लखनऊ, मुंबई के वडाला बीपीटी कॉलोनी और दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-17 साइबर थाने से नोटिस भेजे गए हैं. पीड़ितों का कहना है कि उन्होंने कभी संबंधित बैंकों में खाता खोला ही नहीं.

आधार-पैन लेकर खाता खोलने का आरोप : आरोप है कि उदा चौक स्थित मोबाइल दुकान पर सिम लेने गए लोगों से आधार-पैन लिया गया और सीएसपी केंद्र पर सीएसपी के दौरान दस्तावेज लिए गए.

इन्हीं दस्तावेजों का कथित दुरुपयोग कर एनएसडीएल पेमेंट बैंक सहित अन्य बैंकों में खाते खोल दिए गए.

पटना में 28 नवंबर को जरासंध जयंती पर होगा भव्य आयोजन

पटना. श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में 28 नवंबर को सम्राट जरासंध की जयंती सह स्वाभिमान रैली का आयोजन किया जायेगा. रविवार को हार्डिंग रोड स्थित सभागार में आयोजित बैठक में अखिल भारतीवर्षीय चंद्रवंशी चेतना परिषद एवं अति पिछड़ा चेतना परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने यह जानकारी दी. बैठक का शुभारंभ मगध सम्राट जरासंध महाराज व जननायक कर्पूरी ठाकुर के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया. बैठक में चार महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गये. इनमें श्री प्रमोद सिंह चंद्रवंशी को चंद्रवंशी समाज के सर्वमान्य नेता के रूप में स्वीकार करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया. कार्यक्रम की तैयारी के लिए 32 जिलों से 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया.

पलामू : बिहार के वारंटी को एसपी से पूछे बिना छोड़ा

प्रतिनिधि, मेदिनीनगर (पलामू)

- **नक्सली मामले के वारंटी राजेंद्र पासवान को गिरफ्तार कर छोड़ दिया**
- एसडीपीओ की जांच में वारंटी को पकड़कर छोड़ने की हुई पुष्टि

जिले के दंगवार ओपी प्रभारी ने बिहार के मोतिहारी जिले में नक्सली मामले के वारंटी राजेंद्र पासवान को गिरफ्तार कर छोड़ दिया. वारंटी को छोड़ने से पहले पलामू एसपी कपिल चौधरी को भी जानकारी नहीं दी गयी. इसका खुलासा होने पर एसपी ने दंगवार ओपी प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया. पुलिस ने राजेंद्र पासवान को गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाने के दौरान मंगलवार (22 सितंबर) की रात 12 बजे पकड़ा था. उसकी उम्र करीब 68 वर्ष है. राजेंद्र पासवान दंगवार में ही रहता है. पुलिस उसे पकड़कर ओपी लेकर गयी, लेकिन उसी रात छोड़ दिया. एसपी कपिल चौधरी ने मामले की हुसैनाबाद एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला से जांच करायी. जिसमें पुष्टि हुई कि राजेंद्र को पुलिस ने पकड़ा था और बाद में छोड़ दिया. एसपी ने कहा कि किसी व्यक्ति को पकड़ कर छोड़ना गलत है. यदि किसी वारंटी को गिरफ्तार किया था, तो इसकी जानकारी वरीय अधिकारियों को देनी चाहिए थी. राजेंद्र पासवान पर बिहार के मोतिहारी जिले में वर्ष 2016 में 17 सीएलए एक्ट के तहत मामला दर्ज है.

शूटरों समेत अन्य पर केस दर्ज, दो-दो लाख रुपये इनाम की घोषणा

जमशेदपुर. सोनारी थाना अंतर्गत मरीन ड्राइव स्थित बिंदल मॉल के उडुपी उपहार होटल में हुये गोलीबारी मामले में पुलिस ने शूटर अजीत मंडल, मोहन यादव व बाइक चालक के खिलाफ दो-दो लाख रुपये इनाम की घोषणा की है. शूटरों की तलाश में एसआइटी बिहार और पश्चिम बंगाल गयी है. इधर, गोली लगने से घायल कदमा जयप्रभा कॉम्प्लेक्स निवासी डोमनिक सैमसन, कपाली निवासी मो. रिजवान और मो. दिलशाद का शनिवार की रात ऑपरेशन कर शरीर से गोली निकाली गयी. जबकि सोनारी वेस्ट ले आउट टी रोड निवासी कृष्णा चौधरी का ऑपरेशन नहीं हो सका है. चारों का इलाज चल रहा है. डोमनिक, रिजवान व कृष्णा चौधरी की तबीयत में सुधार है. लेकिन मो. दिलशाद की स्थिति नाजुक बनी हुई है.

पुलिस ने रात को अड्डेबाजी करने वालों पर भांजी लाठियां

वरीय संवाददाता, जमशेदपुर

शहर में बढ़ते अपराध को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रात्रि गश्ती तेज कर दी है. इसी क्रम में बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी निरंजन कुमार के नेतृत्व में शनिवार रात विशेष रात्रि गश्ती अभियान चलाया गया. थाना प्रभारी पूरे दल-बल के साथ थाना क्षेत्र की विभिन्न मुख्य सड़कों के साथ-साथ गली-मोहल्लों में भी गश्त करते नजर आये. रात्रि गश्ती के दौरान पुलिस टीम ने क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों, प्रमुख मार्गों और विभिन्न गलियों का जायजा लिया. पुलिसकर्मियों ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ लोगों की सुरक्षा को लेकर भी सतर्कता बरती. देर रात अनावश्यक रूप से घूमने वाले लोगों से पूछताछ भी की गयी और उन्हें आवश्यक निर्देश दिये गये. कई जगहों पर पुलिस ने लाठियां भी भांजी, जिससे भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी. थाना प्रभारी निरंजन कुमार ने बताया कि पुलिस का उद्देश्य क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाना और आम लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है.

लोगों से पूछताछ करती पुलिस.

हिमांशु हत्याकांड

डीडी बार संचालक नीरज सिंह समेत 16 के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल

जमशेदपुर. हिमांशु सिंह हत्याकांड में बिष्टुपुर थाना पुलिस ने अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है. पुलिस ने डीडी बार के मालिक सह भाजपा नेता नीरज सिंह और बार के मैनेजर विजय महानंद समेत कुल 16 आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) व अन्य संगीन धाराओं के तहत कोर्ट में आरोप पत्र जमा किया है. मामले के सभी 16 आरोपी फिलहाल जेल में बंद हैं और निचली अदालत से लेकर ऊपरी अदालतों तक सभी आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटनास्थल से बरामद हथियारों, सीसीटीवी फुटेज, बयानों व साक्ष्यों के आधार पर अभेद्य चार्जशीट तैयार की गयी है.

प्रेम प्रसंग व ब्लैकमेलिंग के विवाद में युवक की हुई हत्या

आरोपी महिला तथा उसका भाई गिरफ्तार

प्रतिनिधि, छपरा

जलालपुर थाना क्षेत्र के दुबवलिया-बेलकुंडा चंवर के पास 13 सितंबर को सड़क किनारे मिले अज्ञात युवक के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है. युवक की पहचान समस्तीपुर जिले के रघियाघाट थाना क्षेत्र के दीपक कुमार यादव के रूप में हुई. युवक की हत्या की गयी थी. एसएसपी ने बताया हत्या के पीछे प्रेम-प्रसंग का विवाद सामने आया. दीपक एक महिला को उसके पुराने फोटो और वीडियो के जरिये लगातार परेशान कर रहा था. महिला का दीपक से पूर्व में प्रेम प्रसंग था. बाद में जब महिला की शादी हो गयी, तो दीपक पुराने फोटो व वीडियो के द्वारा महिला को ब्लैकमेल कर रहा था. वह महिला की ससुराल आकर फोटो दिखाने की धमकी देता था.

महिला ने भाई को इसकी जानकारी दी और दोनों ने मिल कर साजिश के तहत दीपक को छपरा बुलाया और वारदात को अंजाम दिया गया. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बनियापुर थाना क्षेत्र के हरिहरपुर इलाके से महिला को गिरफ्तार कर लिया. महिला की निशानदेही पर उसके भाई को बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया.

पदक तालिका

स्थान	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1.	चीन	119	48	38	205
2	जापान	37	62	58	157
3	दक्षिण कोरिया	21	23	39	83
4	उज्बेकिस्तान	10	17	11	38
5	कजाखस्तान	9	10	21	40
6	थाईलैंड	9	7	10	26
7	बहरीन	8	2	3	13
8	ईरान	7	14	8	29
9	उत्तर कोरिया	6	5	4	15
12	भारत	4	16	17	37

एशियन गेम्स डायरी

ड्रेसेज फाइनल : भारत के छेड़ा और सूद आठवें और नौवें स्थान पर

नागोया. भारत के विपुल छेड़ा और जय सूद एशियाई खेलों की ड्रेसेज स्पर्धा में रविवार को व्यक्तिगत फाइनल में आठवें और नौवे स्थान पर रहे. डोनो डि मैजियो और गूफी ला पेरले पर सवार छेड़ा और सूद ने क्रमशः 72 . 680 और 71 . 490 स्कोर किया और पदक की दौड़ से बाहर हो गये. दक्षिण कोरिया के डोंगहियोन नैम (75.190) ने स्वर्ण और चीन के जिआयी यू (75.050) ने रजत पदक जीता. चीन के ही जिआयी राव (74 . 935) को कांस्य पदक मिला.

सेपकटेकरा : महिला युगल ग्रुप बी में दो बार हारी भारतीय टीम

नागोया. भारत को एशियाई खेलों की सेपकटेकरा स्पर्धा में महिला युगल ग्रुप-बी में दो पराजय का सामना करना पड़ा. प्रीति लोंगोलजाम, मेनेनु सुकरू और लेइरेंतोंबी देवी इलांगबाम की भारतीय टीम को दक्षिण कोरिया ने पहले मैच में 2-0 (15-8, 15-3) से हराया. इसके बाद फिलीपींस ने दूसरे मैच में 2-0 (15-12, 15-6) से शिकस्त दी. भारत का सामना आखिरी ग्रुप मैच में सोमवार को जापान से होगा. भारतीय पुरुष टीम भी रेगु स्पर्धा के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी थी.

मुक्केबाजी : परवीन, अंकुश और नरेंदर ने पक्के किये तीन पदक

निशियो (जापान). भारतीय मुक्केबाज परवीन हुड्डा, अंकुश पंघाल और नरेंदर बेरवाल ने रविवार को यहां क्वार्टर फाइनल में शानदार जीत दर्ज कर देश के लिए तीन पदक पक्के किये, जबकि सचिन सिवाच का अभियान अंतिम आठ चरण में समाप्त हो गया. पिछले महीने ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण जीतने वाले अंकुश ने पुरुषों के 80 किग्रा क्वार्टरफाइनल में ताजिकिस्तान के नेकरूज सालिमोव के खिलाफ 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज कर शुरुआत की. नरेंदर (90 किग्रा से अधिक) ने पिछले चरण के अपने कांस्य पदक में एक और पदक जोड़ लिया. परवीन ने उज्बेकिस्तान की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता नवबखोर खामिदोवा को हराकर महिलाओं के 65 किग्रा सेमीफाइनल में जगह बनायी.

ट्रैप निशानेबाजी : नीरू ढांडा का क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन

नागोया. नीरू ढांडा ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 50 में से 48 निशाने लगाये और रविवार को एशियाई खेलों में महिलाओं की ट्रैप निशानेबाजी स्पर्धा के क्वालीफिकेशन में संयुक्त रूप से शीर्ष पर रही. इटली के लोनाटो में हाल ही में आइएसएसएफ विश्व कप में ट्रैप स्पर्धा का व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनी नीरू ने उस आत्मविश्वास को कायम रखा. पहले दो दौर में उनके सिर्फ दो निशाने चूके. वह पहले दिन 24 और 24 का स्कोर करके कतर की बासिल रे के साथ शीर्ष पर रही. नीरू, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर ने मिलकर 130 अंक बनाये.

वॉलीबॉल : पूल-सी में भारत ने वियतनाम को 3-0 से हराया

नागोया. भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने रविवार को यहां एशियाई खेलों में पूल सी के अपने पहले मैच में वियतनाम को 3-0 से हराया. भारत ने एक घंटे और 24 मिनट चले मुकाबले में 25-23, 25-21, 25-20 से जीत दर्ज की. भारत सोमवार को हांगकांग से भिड़ेगा, जबकि मंगलवार को अपने अंतिम पूल मैच में कतर का सामना करेगा.

भारोत्तोलन : हरजिंदर कौर एशियाई खेलों में नौवें स्थान पर

नागोया. हरजिंदर कौर एशियाई खेलों की भारोत्तोलन स्पर्धा में रविवार को महिलाओं के 69 किलो वर्ग में निराशाजनक नौवे स्थान पर रही. दो बार की राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता कौर ने स्नैच में 94 और क्लीन एंड जर्क में 110 समेत कुल 204 किलो वजन उठाया. पंजाब की 29 वर्ष की यह खिलाड़ी स्नैच में तीन में से दो प्रयासों में विफल रही. उन्होंने क्लीन एंड जर्क में एक ही प्रयास किया. स्वर्ण पदक उत्तर कोरिया की सोंग कुक हियांग ने जीता, जिन्होंने कौर से 69 किलो वजन अधिक उठाया था. दो बार की विश्व चैम्पियन सोंग ने 273 किलो वजन उठान स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल में विश्व रिकॉर्ड बनाया.

कुराश स्पर्धा : भारतीय खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन

नागोया. भारतीय कुराश खिलाड़ियों का एशियाई खेलों में रविवार को निराशाजनक प्रदर्शन रहा, जब चारों खिलाड़ी अपने अपने मुकाबले हार गये. पहले दौर में बाय के बाद खेल रहे विशाल 90 प्लस क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के कुनातिप यी आन से 0-5 से हार गये. यश कुमार चौहान को ताजिकिस्तान के शकरमामाद मिरमामदेव ने पुरूषों के 90 प्लस किलो प्री क्वार्टर फाइनल में हराया. महिला वर्ग में संगीता 57 किलो वर्ग के अंतिम 32 में फिलीपींस की चार्मी कीलिनो से 0-10 से हार गयी.

एथलेटिक्स स्पर्धा में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी, रविवार को जीते पांच पदक

सिर्फ दो सेंटीमीटर से गोल्ड चूकीं सोजन

6.53 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से जीता सिल्वर

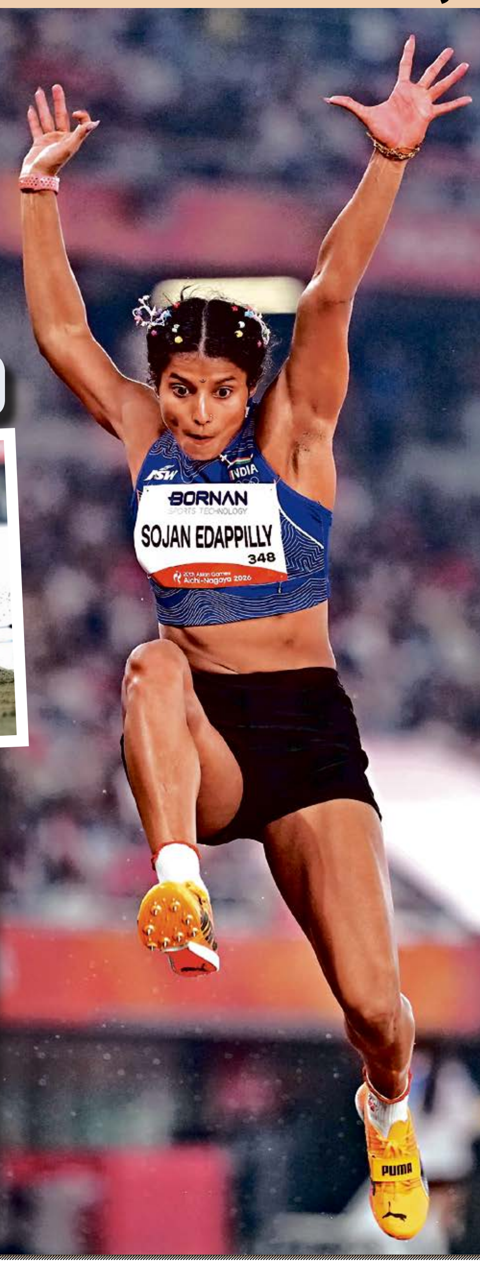

एजेंसियां, नागोया

भारत की एंसी सोजन ने रविवार को यहां एशियाई खेलों की महिला लंबी कूद स्पर्धा में अधिकांश समय बढ़त बनाये रखी, लेकिन अंत में उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा.. एंसी 6.53 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से दूसरे स्थान पर रहीं. चीन की हुआंग यिंगयिंग ने आखिरी प्रयास में 6.55 मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया. सिर्फ दो सेंटीमीटर से गोल्ड चूकीं लॉन्ग जंप क्वीन एंसी सोजन. हालांकि एंसी की हमवतन शैली सिंह को महिला लंबी कूद फाइनल में निराशा हाथ लगी. चीन की मेंगयी तान ने 6.46 मीटर की कूद लगाकर भारतीय खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया, जिससे शैली कांस्य पदक से चूक गयीं. एंसी ने अपने पांचवें प्रयास में 6.53 मीटर की कूद लगायी थी लेकिन यिंगयिंग ने अंतिम प्रयास में 6.55 मीटर की कूद के साथ भारतीय खिलाड़ी को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया.

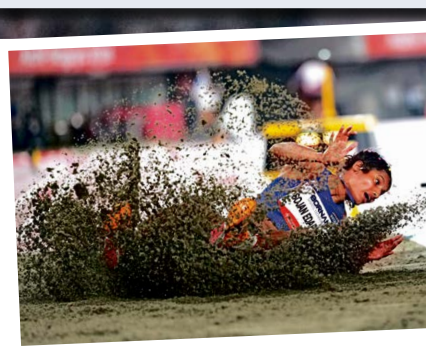

सफलता में दो ऑटो ड्राइवरों का योगदान

एंसी सोजन का जन्म एक मार्च साल 2001 में केरल के त्रिशूर जिले में स्थित नट्टिका नाम के एक छोटे से गांव में हुआ था. उनकी सफलता में दो ऑटो ड्राइवरों का अहम योगदान है. ये दोनों ऑटो ड्राइवर कोई और नहीं बल्कि उनके पिता सोजन ईटी और उनके बचपन के कोच सनोज वीवी हैं. सनोज को उनके गांव में "कन्नन मास्टर" के नाम से पुकारा जाता है. सोजन ईटी और सनोज वीवी का भी खेल में विशेष झुकाव थी. मगर संसाधनों की कमी के वजह से उनका सपना पूरा नहीं हो पाया. वह जिला स्तर तक ही सिमट के रह गये. एंसी सोजन के लिए उन्होंने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी. कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने एंसी की प्रतिभा पर भरोसा किया और उनके साथ जी तोड़ मेहनत की.

सर्वेश कुशारे ने रजत जीत रचा इतिहास

56 वर्ष बाद ऊंची कूद में पदक

नागोया. भारत के सर्वेश कुशारे ने रविवार को पुरुष ऊंची कूद में इतिहास रच दिया. 2.25 मीटर की ऊंची छलांग लगा कर रजत जीता और 56 साल बाद एशियन गेम्स के इस इवेंट में पदक जीतनेवाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं. हालांकि इस स्पर्धा का यह पहला रजत पदक है. इसके पहले 1970 बैंकाक एशियन गेम्स में भीम सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था. सर्वेश स्पर्धा में काफी समय तक शीर्ष पर रहे, लेकिन 2.25 मीटर की ऊंचाई को पहली कोशिश में पार नहीं कर पाने के बाद दूसरे स्थान पर खिसक गये. चीनी ताइपे के चाओ शुआन फू ने यह ऊंचाई अपनी पहली कोशिश में पार कर ली. हालांकि कुशारे ने दूसरी कोशिश में 2.25 मीटर की ऊंचाई पार कर ली. फाइनल मुकाबले में सर्वेश कुशारे ने शुरुआत से ही बेहतरीन प्रदर्शन किया. उन्होंने 2.10 मीटर, 2.14 मीटर, 2.18 मीटर, 2.22 मीटर और 2.25 मीटर की ऊंचाई को सफलतापूर्वक पार किया. हालांकि, 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने के लिए किये गये तीनों प्रयासों में उन्हें सफलता नहीं मिली. गोल्ड मेडल के लिए सर्वेश कुशारे और चीनी ताइपे के चाओ-ह्सुआन फू के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली. दोनों खिलाड़ियों ने 2.25 मीटर की ऊंचाई पार की थी. इसके बाद काउंटबैक नियम के आधार पर चाओ-ह्सुआन फू को गोल्ड मेडल मिला.

हरिता भद्रा ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक अपनी झोली में डाला

नागोया. भारत की हरिता भद्रा ने रविवार को यहां एशियाई खेलों में महिलाओं की 200 मीटर दौड़ के फाइनल में 23.20 सेकेंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता. भद्रा जापान की इडो अबिगेइरुफुका से ठीक आगे तीसरे स्थान पर रहीं. इडो ने 23.21 सेकेंड का समय निकाला. सिंगापुर की शांति परेरा ने सत्र के सर्वश्रेष्ठ 22.78 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीन की चेन युजी ने 22.93 सेकेंड के समय से रजत पदक जीता. फाइनल में शामिल दूसरी भारतीय उन्नति अयप्पा बोलैंड 23.48 सेकेंड के समय के साथ छठे स्थान पर रहीं.

डेकाथलन : तेजस्विन का 7,934 अंक के साथ ब्रॉन्ज पर कब्जा

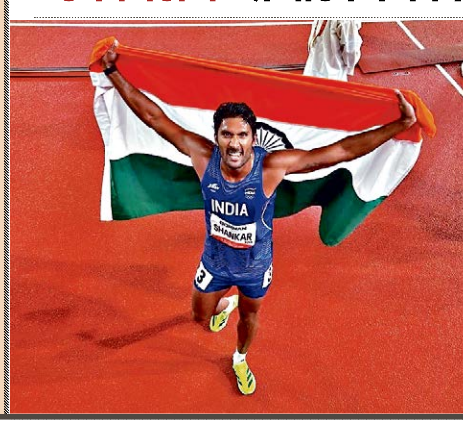

नागोया. भारतीय ट्रैक एवं फील्ड के स्टार खिलाड़ी तेजस्विन शंकर ने रविवार को यहां एशियाई खेलों की पुरुष डेकाथलन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता. उन्होंने बेहद चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता की अंतिम स्पर्धा 1500 मीटर दौड़ में जीत दर्ज करके यह पदक हासिल किया. तेजस्विन ने 7,934 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया. राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तेजस्विन ने 100 मीटर, लंबी कूद, गोला फेंक, ऊंची कूद और 400 मीटर में शानदार प्रदर्शन के दम पर पहले दिन 4,338 अंक जुटाये थे और दूसरे दिन की शुरुआत शीर्ष स्थान से की थी. दो दिन में हुई 10 स्पर्धाओं में तेजस्विन ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आखिर के लिए बचा कर रखा. उन्होंने 1500 मीटर दौड़ चार मिनट 33.09 सेकेंड में पूरी कर पहला स्थान हासिल किया. इस साल की शुरुआत में उन्होंने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भी कांस्य पदक जीता था.

3000 मीटर स्टीपलचेज : सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ पारुल चौधरी ने जीता कांस्य

नागोया. भारतीय एथलीट पारुल चौधरी ने रविवार को यहां एशियाई खेलों की महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में कांस्य पदक जीता. पारुल ने नौ मिनट 8.67 सेकेंड का अपना निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तीसरे स्थान पर रह कर कांस्य पदक हासिल किया. बहरीन की विनफ्रेड यावी ने नौ मिनट 4.36 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाखस्तान की नोराह जेरुतो तनुई ने नौ मिनट 06.82 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया. स्पर्धा में हिस्सा लेने वाली एक अन्य भारतीय एथलीट अंकिता नौ मिनट 19.24 सेकेंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहीं.

हॉकी : भारतीय महिला टीम सिंगापुर को 7-0 से हरा कर सेमीफाइनल में

एजेंसियां,काकामिगाहारा

सुनेलिता टोप्पो के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को यहां एशियाई खेलों के अपने अंतिम पूल-बी मैच में सिंगापुर को 7-0 से रौंद दिया, जिससे अब सेमीफाइनल में उसका सामना कोरिया से होगा. भारत ने पांच मैच में पांच जीत के साथ पूल बी में शीर्ष स्थान हासिल किया. अब सेमीफाइनल 30 सितंबर को होगा. भारत के लिए कप्तान और झारखंड की सलीमा टेटे (17वें मिनट) व निक्की प्रधान (35वें मिनट) और सुनेलिता (22वें, 24वें), लालरेमसियामी (26वें), रुतुजा दादासो पिसाल (29वें),दीपिका (55वें) ने गोल किये. गत चैंपियन और मौजूदा ओलिंपिक रजत पदक विजेता चीन दूसरे सेमीफाइनल में मेजबान जापान से भिड़ेगा. सिंगापुर ने पहले क्वार्टर में भारत को कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारत ने दबदबा बनाये रखा. सिंगापुर ने भारत के शुरुआती आठ पेनाल्टी कॉर्नर नाकाम किये. दूसरे क्वार्टर में सलीमा ने मैदानी गोल से भारत का खाता खोला.

30 सितंबर को होगा कोरिया से मुकाबला

झारखंड की खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

इसके बाद सुनेलिता ने दो गोल किये, जबकि ललरेमसियामी और रुतुजा ने भी गोल कर भारत को 5-0 से आगे कर दिया. तीसरे क्वार्टर में निक्की ने भारत की बढ़त 6-0 कर दी. भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम उन्हें गोल में बदलने में नाकाम रही. मैच खत्म होने से पांच मिनट पहले दीपिका ने शानदार फ्लिक से सातवां गोल किया.

बैडमिंटन में निराशा, सिंधु हारीं, व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत की झोली खाली

नागोया. पी वी सिंधु और उन्नति हुड्डा साहसिक प्रदर्शन के बावजूद एशियाई खेल महिला एकल क्वार्टर फाइनल में हार गयी, जिससे इन खेलों की व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत की झोली खाली रही. भारत ने हांगझोउ में पिछली बार खेलों में तीन पदक जीते थे, जिसमें पुरुष टीम ने रजत, सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पुरूष युगल में स्वर्ण और एच एस प्रणय ने पुरूष एकल में कांस्य पदक अपने नाम किया था. तीन साल बाद भारतीय पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीता लेकिन कोई भी भारतीय खिलाड़ी विभिन्न वर्गों में सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच सका. दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता सिंधु को 24 घंटे से भी कम समय में तीसरा मैच खेलना पड़ा, जो तोक्यो ओलिंपिक चैंपियन चेन यू फेइ से 21-11, 18-21, 10-21 से हार गयीं. हार के बाद सिंधु ने कहा कि मुझे दूसरे गेम में ही जीत जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं कर सकी. यह आसान गेम नहीं था और आसानी से अंक नहीं मिल रहे थे. उन्होंने कहा कि यह दुखद है लेकिन इससे उबरना होगा. सेमीफाइनल में पहुंचना अच्छा रहता, लेकिन यह सब होता रहता है.

तीरंदाजी : भारतीय पुरूष और महिला कंपाउंड टीमें सेफा में

एजेंसियां, नागोया

भारत ने एशियाई खेलों की तीरंदाजी स्पर्धा में मजबूत शुरूआत की और पुरूष तथा महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमें रविवार को सेमीफाइनल में पहुंच गयी, जबकि रिकर्व और मिश्रित टीमों ने भी जीत दर्ज की.

पुरुष टीम में कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम ने यूएई को अंतिम 16 में 235-215 से हराया और क्वार्टर फाइनल में भूटान को 235-232 से मात दी. महिला टीम में ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिता तानीपर्थी और प्रिथिका प्रदीप ने मंगोलिया को अंतिम-16 में 238-223 से हराने के बाद क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान को 233-230 से मात दी. दोनों टीमें 30 सितंबर को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया से खेलेंगी.पुरुष रिकर्व में धीरज बोम्मदेवरा और संजय भोगे ने फिलीपींस को 5-1 से हराया और एक और जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनायी. महिला रिकर्व टीम की कीर्ति और कुमकुम ने मंगोलिया और चीनी ताइपै को 6-0 से मात देकर अंतिम चार में प्रवेश किया. बाद में धीरज और कुमकुम की रिकर्व मिश्रित टीम ने यूएइ और वियतनाम को 6-0 से हरा कर सेमीफाइनल में जगह बनायी. साहिल जाधव और चितिका की कंपाउंड मिश्रित टीम ने मंगोलिया को 160-146 और कजाखस्तान को 159-154 से हराया.

भारत की चोटिल खिलाड़ियों की सूची बढ़ी, 400 मीटर बाधा दौड़ धावक यशस पलाक्षा हीट के बीच से हटे

नागोया. एशियाई खेलों में हिस्सा ले रहे भारत के ट्रैक एवं फील्ड के चोटिल खिलाड़ियों की सूची रविवार को उस समय और लंबी हो गयी, जब 400 मीटर बाधा दौड़ के खिलाड़ी यशस पलाक्षा अपनी हीट (शुरुआती दौर) के बीच में ही हट गये. इससे इन खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया और इसके लिए जवाबदेही को लेकर सवाल उठने लगे हैं.

पहला वनडे. जस्टिन ग्रीव्स का शतक बेकार, वेस्टइंडीज आठ विकेट से हारा

शुभ आगाज : विराट शतक से जीता भारत

एजेंसियां, तिरूवनंतपुरम.

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (नाबाद 139 रन) और कप्तान शुभमन गिल (110 रन) ने 50 ओवर के प्रारूप में अपनी महारत का प्रदर्शन करते हुए शानदार शतक जड़े, जिससे भारत ने रविवार को यहां पहले वनडे में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर तीन मैच की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली.कोहली ने अपनी नाबाद पारी के दौरान 10 चौके और नौ छक्के जड़े. उन्होंने और गिल ने दूसरे विकेट के लिए 150 रन जोड़कर मेजबान टीम को 296 रन का लक्ष्य 41.4 ओवर में दो विकेट पर 300 रन बनाकर हासिल करने में मदद की. वेस्टइंडीज के लिए भी जस्टिन ग्रीव्स (101 रन) ने शतक जड़ा लेकिन कुलदीप यादव के शानदार चार विकेट के स्पेल से पहले ही यह फीका पड़ गया. सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (32 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 75 रन बनाने के बाद कोहली के साथ गिल की पारी और निखर गयी. गिल ने 11 रन पर मिले जीवनदान का पूरा फायदा उठाया. स्थानापन्न खिलाड़ी कीमो पॉल ने जेडन सील्स की गेंद पर उनका कैच छोड़ दिया जिसके बाद भारतीय कप्तान ने 49 गेंदों में 50 रन बनाये और अगले 50 रन 47 गेंदों में पूरे किये. इस दौरान कई खूबसूरत शॉट्स की फेहरिस्त देखने को मिली, जिसमें अल्जारी जोसफ की गेंदों पर स्क्वायर कट और कवर के बीच, सील्स की गेंद पर स्क्वॉयर कट और स्पिनर गुडाकेश मोती के खिलाफ छक्के और चौके शामिल रहे.

- गिल ने 11 रन पर मिले जीवनदान का पूरा फायदा उठाया और शतक जड़ा
- 55वां वनडे शतक जड़ा कोहली ने अपने करियर का, यह उनका 86वां अंतरराष्ट्रीय शतक भी है

स्कोर बोर्ड

वेस्टइंडीज	रन	बॉल	4	6
कैंपबेल कै कृष्णा बो कुलदीप	62	60	6	3
ग्रीव्स पगबाधा बो कुलदीप	101	108	12	0
केसी कार्टी कै गिल बो कृष्णा	13	31	0	0
होप कै जडेजा बो कुलदीप	12	11	1	0
आमिर जंगू नाबाद	58	43	7	1
जेवेल कै रोहित बो कुलदीप	00	01	0	0
रोस्टन चेज बो कृष्णा	24	32	3	0
मैथ्यू कै धीर बो नीतीश	07	13	0	0
गुडाकेश मोती नाबाद	04	04	0	0

अतिरिक्त : 14, **कुल** : 7/295 रन (50 ओवर), **विकेट पतन** : 1-135, 2-176, 3-195, 4-198, 5-198, 6-250, 7-288, **गेंदबाजी** : प्रसिद्ध कृष्णा 10-0-60-2, नीतीश कुमार रेड्डी 5-0-45-1, गुरनूर बरार 10-0-61-0, रवींद्र जडेजा 10-0-54-0, नमन धीर 5-0-33-0, कुलदीप यादव 10-1-40-4.

भारत	रन	बॉल	4	6
रोहित कै जेवेल बो जोसेफ	32	35	2	3
शुभमन कै जेवेल बो चेज	110	108	13	1
विराट नाबाद	139	88	10	9
रुतुराज नाबाद	13	19	0	0

अतिरिक्त : 06, **कुल** : 2/300 (41.4 ओवर), **विकेट पतन** : 1-74, 2-225, **गेंदबाजी** : जेडन सील्स 7-0-32-0, मैथ्यू फोर्डे 5-0-39-0, अल्जारी जोसेफ 9-1-81-1, गुडाकेश मोती 10-0-66-0, रोस्टन चेस 10-0-64-1, कीसी कार्टि 0 .4-0-17-0.

शतरंज ओलिंपियाड पुरुषों ने जीता रजत महिलाओं को कांस्य

समरकंद. भारतीय पुरुष टीम ने 46वें शतरंज ओलिंपियाड के अंतिम दौर में रविवार को यहां हंगरी के साथ ड्रॉ खेलकर टाइब्रेकर में रजत पदक हासिल किया, जबकि महिला टीम ने जॉर्जिया के साथ बाजी बराबर रहने के बाद कांस्य पदक अपने नाम किया. उज्बेकिस्तान ने ओपन वर्ग में यूक्रेन के खिलाफ अंतिम दौर का मुकाबला 2.5-1.5 से जीत कर स्वर्ण पदक फिर अपने नाम किया. उज्बेकिस्तान ने संभावित 22 में से 20 अंक जुटाये. टीम ने 10 दौर में जीत दर्ज की और केवल एक मुकाबला जर्मनी के खिलाफ गंवाया. भारतीय पुरुष टीम ने 18 अंक जुटाये और नीदरलैंड को हराने वाले जर्मनी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रही. हालांकि बेहतर टाईब्रेकर स्कोर के कारण भारत को रजत पदक मिला जबकि जर्मनी को कांस्य से संतोष करना पड़ा. महिला वर्ग में चीन ने वियतनाम के खिलाफ 3-1 की शानदार जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक हासिल किया.

राष्ट्रीय राजधानी में करम मिलन समारोह : दिखी झारखंड की लोक-संस्कृति की भव्य छटा

करमा के गीतों पर झूमी दिल्ली, गूंजी मांदर की थाप

संवाददाता, नयी दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार को झारखंड की लोक-संस्कृति की भव्य छटा देखने को मिली. रक्षा राज्य मंत्री व रांची के सांसद संजय सेठ के नयी दिल्ली स्थित जंतर-मंतर रोड आवास पर करम मिलन समारोह में महाजुटान हुआ. समारोह में मांदर की थाप, करमा गीतों और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल पूरा झारखंडमय हो गया. समारोह में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओरांव, केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल सहित अनेक मंत्री, सांसद एवं गणमान्य अतिथि भी शामिल हुए और करम पर्व की शुभकामनाएं दीं.

झारखंड की परंपराओं के संरक्षण का संकल्प

समारोह के दौरान झारखंड के पारंपरिक लोकगीत, मांदर की थाप, करमा गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दिल्ली में झारखंड की मिट्टी की खुशबू बिखेर दी. कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने करम पर्व की खुशियों को साझा किया और झारखंड की लोक-संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण का संकल्प लिया.

- रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के नयी दिल्ली स्थित आवास पर महाजुटान
- झारखंड के राज्यपाल, राजनाथ सिंह सहित कई गणमान्य शामिल

झारखंड की विरासत को नयी पीढ़ी के साथ जोड़ने का प्रयास : सेठ

समारोह में संजय सेठ ने कहा कि करम पर्व प्रकृति और लोक-संस्कृति के संरक्षण का संदेश देने वाला उत्सव है. झारखंड की विरासत को राष्ट्रीय राजधानी में सामने लाने और नयी पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया गया है. झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि करम पर्व प्रकृति और मानव जीवन के बीच सदियों से चले आ रहे आत्मीय रिश्ते की जीवंत अभिव्यक्ति है.

दिल्ली के जंतर-मंतर रोड स्थित केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास पर करम मिलन समारोह में पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति देते झारखंड के कलाकार.

संयुक्त राष्ट्र महासभा. रूसी विदेश मंत्री ने भारत संग निभायी दोस्ती

यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का रूस ने किया समर्थन

एजेंसियां, संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत की स्थायी सदस्यता की मांग को रूस का खुला समर्थन मिला है. 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना चाहिए. उन्होंने स्थायी सीट के लिए भारत और ब्राजील की दावेदारी का समर्थन किया. साथ ही जर्मनी और जापान जैसे पश्चिमी देशों को अतिरिक्त स्थायी सीट देने का विरोध किया.

रूस और जर्मनी के बीच तनाव फिर सामने आया : यूएन महासभा में रूस और जर्मनी के बीच तनाव एक बार फिर खुल कर सामने आया. जर्मनी ने रूस से जर्मनी, यूरोप और नाटो की ओर बढ़ते तनाव को कम करने की अपील की. रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस सलाह को खारिज करते हुए जर्मनी पर यूक्रेन का मुख्य समर्थक बनने और यूरोप में बड़ी सैन्य शक्ति बनने की कोशिश का आरोप लगाया. उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध का जिक्र करते हुए भी सवाल उठाया.

यूएनएससी का मौजूदा ढांचा

- **कुल सदस्य :** 15
- **स्थायी सदस्य :** अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस
- **वीटो अधिकार :** पांचों स्थायी सदस्यों के पास
- **अस्थायी सदस्य :** 10, कार्यकाल दो वर्ष
- **चयन :** अस्थायी सदस्यों का चुनाव यूएनजीए करता है
- **भारत :** 2021-22 में अस्थायी सदस्य रहा था.

एक्सप्लेनर — स्थायी सदस्यता से भारत को लाभ

- वैश्विक शांति और सुरक्षा से जुड़े अहम फैसलों में स्थायी भूमिका मिलेगी
- वर्तमान पांच स्थायी सदस्यों की तरह वीटो अधिकार मिलने की संभावना होगी
- युद्ध, प्रतिबंध और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भारत की भूमिका अधिक संस्थागत होगी
- एशिया और ग्लोबल साउथ का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा
- हालांकि सदस्यता के लिए यूएन चार्टर में बदलाव और व्यापक सदस्य-समर्थन जरूरी है, इसलिए रूस का समर्थन अपने आप सीट सुनिश्चित नहीं करता

कनाडा, मेक्सिको और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों से मिले एस जयशंकर

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अलग-अलग बैठकों में कनाडा, मेक्सिको और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की. इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों, आपसी सहयोग और मौजूदा क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत हुई. जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ बैठक की. जयशंकर ने कहा कि दोनों देश अपने संबंधों को नया ऊंचाई पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं.

हर देश को अपना एआइ तंत्र तैयार करने का अधिकार : जयशंकर ने कहा कि हर देश को अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुसार अपना एआइ तंत्र तैयार करने का अधिकार है.

जनगणना में अब तक 32 करोड़ परिवारों का डेटा दर्ज : पीएम मोदी

एजेंसियां, नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी. बालाकोट एयर स्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति भी स्पष्ट की है. यह नीति आज भी है. पीएम ने बताया कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जनगणना का पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है और 32 करोड़ से अधिक परिवारों की जानकारी दर्ज की जा चुकी है. पीएम ने विहिप के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष अशोक सिंघल की 100वीं जयंती पर उन्हें याद किया.

पीएम ने नशामुक्ति और पोषण को जनभागीदारी से जोड़ने का दिया संदेश

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के झारखाली की उन महिलाओं का उल्लेख किया, जिन्होंने मैंग्रोव लगाकर गांवों के लिए प्राकृतिक सुरक्षा-कवच तैयार किया और आजीविका भी पायी. उन्होंने 'नशामुक्त युवा अभियान' का जिक्र करते हुए बताया कि यह अभियान 100 सप्ताह चलेगा. पोषण के लिए छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा' पहल की सराहना की. उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में आंवला प्रसंस्करण की करीब 100 इकाइयों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा कैंडी, मुरब्बा और जूस बनाने का भी उल्लेख किया.

सीजेपी नेता आशुतोष रांका का दावा- असम पुलिस ने पहले हिरासत में लिया, बाद में छोड़ा

गुवाहाटी. कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता आशुतोष रांका ने रविवार शाम कहा कि असम पुलिस ने पहले उन्हें व अन्य कार्यकर्ताओं को अवैध हिरासत में लिया और फिर बाद में रिहा कर दिया. रांका ने हिरासत में लिये गये अन्य लोगों के साथ रिहा होने के बाद एक्स पर एक पोस्ट में यह बात कही. उन्होंने कहा, हमने पुलिस से कहा है कि वह हमें उसी जगह ले जाकर छोड़े, जहां से हमें पहले गैर कानूनी रूप से हिरासत में लिया गया था. वह दिसपुर इलाके में राज्य सचिवालय के सामने स्थित चौधरी टीला से मामले में आगे की जानकारी साझा करेंगे. रांका व सीजेपी के 40 से अधिक कार्यकर्ताओं को पुलिस ने दिन में एक बैठक से पहले चौधरी टीला स्थित एजेपी के नेता के आवास से हिरासत में लिया था.

ग्लोबल बाइट्स

प्रवेश वर्मा के युवक को थप्पड़ मारा राहुल बोले- वोट चोरी से अहंकार

नयी दिल्ली. दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने रविवार को एक सड़क निरीक्षण के दौरान कथित तौर पर भ्रष्टाचार के सवाल पर एक युवक को थप्पड़ मार दिया. उन्होंने आरोप लगाया कि युवक सिर्फ वीडियो बना रहा था. राहुल ने इसे सरकार के अहंकार से जोड़ते हुए कहा कि सवाल पूछने वालों को दबाया जा रहा है और यह कथित 'वोट चोरी' से पैदा हुए अहंकार का नतीजा है.

इंडिया गठबंधन की 30 को होने वाली बैठक में शामिल नहीं होंगे अखिलेश

नयी दिल्ली. सपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच सीट शेयरिंग को लेकर चल रही बयानबाजी के बीच अखिलेश यादव 30 सितंबर को दिल्ली में होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होंगे. पत्रकार वार्ता में अखिलेश ने कहा कि मैं इस बार बैठक में शामिल नहीं हो पाऊंगा. इस बारे में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से उनकी बात हुई है. उस दिन मैं व्यस्त हूं. बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता जायेंगे.

20 वर्षों से खदान का कचरा फेंके जाने से चीन की महान दीवार क्षतिग्रस्त

बीजिंग. चीन की महान दीवार का एक सुदूर हिस्सा 20 वर्षों से खदान का कचरा फेंके जाने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है. उत्तर-मध्य चीन में मिंग राजवंश के दौर की इस प्राचीन दीवार के पत्थरों को कोयला खदान के कचरे को सस्ते में ठिकाने लगाने के लिए इस्तेमाल किया गया. दीवार के एक हिस्से का इस्तेमाल कई सालों से कोयला खदान का कचरा फेंकने के आसान रास्ते के रूप में किया जा रहा था.

हैदराबाद : 35 हजार लोग साथ दौड़े दिया ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता का संदेश

हैदराबाद. हुसैन सागर के किनारे रविवार की सुबह पिंक पावर रन 3.0 में करीब 35 हजार लोगों ने दौड़ लगाकर ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता और महिला सशक्तीकरण का संदेश दिया. इसका आयोजन संयुक्त रूप से मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड और सुधा रेड्डी फाउंडेशन ने किया. हाफ मैराथन में अमेरिका, ब्रिटेन, यूएइ, इथियोपिया, केन्या, कनाडा समेत 12 से अधिक देशों के धावकों ने हिस्सा लिया.

अंबाला में निर्माणाधीन इमारत गिरी चार की मौत, 12 से अधिक मजदूर दबे

अंबाला. हरियाणा के अंबाला शहर के धूलकोट गांव में तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत अचानक भरभराकर गिर गयी. इमारत के गिरते ही मौके पर हड़कंप मच गया. मलबे में एक दर्जन से अधिक मजदूर दबे होने की आशंका है. मौके पर पहुंची पुलिस-प्रशासन की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया है. अब तक चार लोगों की मौत ही पुष्टि हुई है, जबकि 13 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है.

एलपीयू में बवाल : छात्रों का प्रदर्शन पुलिस पर पथराव, गाड़ियां तोड़ीं

- यूनिवर्सिटी 10 दिन के लिए बंद प्राथमिकी दर्ज, एसआइटी गठित

एजेंसियां, चंडीगढ़

पंजाब के फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के छात्रों ने विवि परिसर में बाहरी व्यक्ति द्वारा एक छात्रा से कथित दुष्कर्म के दावे को लेकर परिसर में तोड़फोड़ की और एनएच-44 बाधित कर दिया. जालंधर ग्रामीण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह विर्क ने बताया कि शनिवार रात भर चले हिंसक प्रदर्शन चला. रविवार शाम पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिश की. इसके बाद, छात्रों ने पथराव शुरू कर दिया और पुलिस वाहनों को निशाना बनाया. इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गये. पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया. छात्रों की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच के लिए एसआइटी का गठन किया गया है.

क्या है मामला

विवि के छात्रों ने आरोप लगाया है कि छात्रावास में रहने वाली एक छात्रा से तीन दिन पहले एक प्लंबर ने दुष्कर्म किया था. हालांकि, विश्वविद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है. कुछ असामाजिक तत्व झूठे, बेबुनियाद और मनगढ़ंत आरोप फैला रहे हैं.

जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक अमेरिका में गोयल होंगे शामिल

वाशिंगटन. जी20 देशों के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री अमेरिका की बदलती शुल्क नीतियों, लंबे समय से जारी ईरान युद्ध और आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ रहे दबाव के बीच मिलवॉकी में बैठक करेंगे. वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 29 सितंबर से एक अक्तूबर तक अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर की मेजबानी में होने वाली जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे. बैठक में आपूर्ति श्रृंखलाओं में बंधुआ मजदूरी को खत्म करने, सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र के सिद्धांत को अद्यतन करने, खाद्य उत्पादों के व्यापार को राजनीतिक हथियार बनाने का विरोध करने पर चर्चा होगी.

मौसम की मार : रुद्रप्रयाग में भूस्खलन, चार हजार लोग फंसे, उप्र में दो दिन में 62 की मौत

एजेंसियां, रुद्रप्रयाग/लखनऊ

बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर का असर कम हुआ है, मगर उत्तराखंड के सभी जिलों में रविवार को भी बारिश जारी रही. रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भूस्खलन हुआ है. इससे करीब चार हजार श्रद्धालु फंस गये हैं. उत्तरकाशी जिले में विभिन्न स्थानों पर 136 पर्वतारोही बेस कैंप व अन्य स्थानों पर फंस गये हैं. उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर समेत 45 शहरों में 70 घंटे से बारिश जारी रही. आंधी-बारिश की वजह से दो दिनों में 62 लोगों की मौत हो चुकी है.

लखनऊ

ओडिशा में बाढ़ से हालात बिगड़े, सीएम ने किया हवाई सर्वेक्षण : ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गंजाम और कोरापुट के जलमग्न इलाके का हवाई सर्वेक्षण किया. बारिश से ओडिशा के 13 जिले बुरी तरह प्रभावित हुए हैं. 70,000 लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है.

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से छह मरे, 200 घरों पर खतरा

काठमांडू. नेपाल में भी भारी बारिश के बीच बाढ़ और भूस्खलन के कारण अलग-अलग स्थानों में छह लोगों की मौत हो गयी है. दो लोग घायल भी हुए हैं. रुपन्देही जिले के बुटवल में तिनाऊ नदी खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गयी. इसके बाद नदी किनारे के इलाकों में पानी घुस गया और छह घर बह गये. करीब 200 घरों पर अभी भी खतरा बना हुआ है. नेपाल पुलिस के अनुसार, प्रभावित इलाकों से सैकड़ों लोगों को सुरक्षित निकाला गया है.

यूपी/राजस्थान की खबरें

पूर्व मंत्री का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

बलिया. समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और आठ बार के विधायक रहे पूर्व मंत्री राम गोविंद चौधरी का रविवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि पैतृक गांव सिकंदरपुर क्षेत्र के गोसाईपुर में सरयू नदी के तट से थोड़ी दूर स्थित एक स्थान पर चौधरी का अंतिम संस्कार किया गया. इस मौके पर भारी संख्या में उनके समर्थक और सपा सांसद, विधायक और कार्यकर्ता मौजूद रहे.

तेज बारिश के कारण पेड़ गिरने से दंपती की मौत

महराजगंज. महराजगंज जिले में तेज बारिश और हवाओं के बीच एक पेड़ गिरने से दंपती की मौत हो गयी, जबकि उनकी 19 वर्षीय बेटी घायल हो गयी. शनिवार दोपहर पनियरा थाना क्षेत्र के चंदन छापी गांव में हुई. गौरी शंकर पासवान (55), उनकी पत्नी श्रीमती देवी (52) और बेटी अंजिलिका एक बकरी को खोजने जंगल गये थे. इसी दौरान तेज बारिश और हवाओं के बीच एक पेड़ गिर गया और तीनों उसके नीचे दब गये.

अपार्टमेंट में हंगामे के बाद दो पुलिस कांस्टेबल अरेस्ट

जयपुर. जयपुर में एक अपार्टमेंट के निवासियों के साथ झड़प के बाद दो पुलिस कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया गया. बाद में एक महिला ने दोनों पर मारपीट और छेड़छाड़ करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया. एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. घटना शनिवार देर रात प्रताप नगर थाना क्षेत्र के पास स्थित एक अपार्टमेंट में हुई.

लिव इन पार्टनर की हत्या कर बगीचे में दफनाया

जयपुर. जयपुर में 32 वर्षीय महिला की उसके 'लिव-इन पार्टनर' (सहजीवन साथी) ने हत्या कर दी. युवक ने शव किराये के मकान के पास मौजूद बगीचे में दफना दिया और फरार हो गया. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. पुलिस के अनुसार, बिंदायका इलाके की प्रेस्टिज कॉलोनी में एक मकान के बगीचे से महिला का शव बरामद किया गया. मकान मालिक को बगीचे की मिट्टी खुदी हुई दिखीयी देने के बाद घटना का पता चला.

बिंदायका थानाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश निवासी प्रवेश (22) ने करीब दो महीने पहले मकान किराये पर लिया था. उसने महिला किरण (32), जो उत्तर प्रदेश की ही रहने वाली थी, को

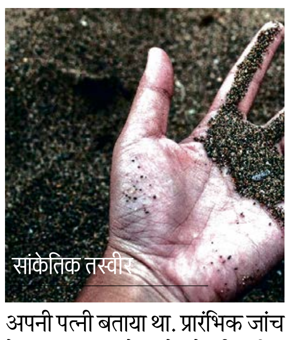

सांकेतिक तस्वीर

अपनी पत्नी बताया था. प्रारंभिक जांच के अनुसार, प्रवेश ने दो-तीन दिन पहले महिला की हत्या की और रात में बगीचे में गड्ढा खोदकर शव दफना दिया. इसके बाद मकान पर ताला लगाकर फरार हो गया.

पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह मकान मालिक संपत्ति देखने पहुंचा, तो मकान पर ताला लगा मिला. पड़ोसियों से पूछताछ के बाद उसने बगीचे की जांच की और मिट्टी खुदी हुई देखी. मौके की जांच करने पर एक जगह मानव हाथ दिखायी दिया, जिसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी. पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम की मदद से शव को बाहर निकाला. शव को पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है.

पुलिस के अनुसार, प्रवेश बिंदायका इलाके की एक फैक्टरी में काम करता था. उसे पकड़ने के लिए पुलिस की टीमें गठित की गयी हैं. पुलिस महिला के उत्तर प्रदेश में रहने वाले परिजनों से भी संपर्क करने का प्रयास कर रही है. पुलिस ने बताया कि हत्या के कारण और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है.

'राज्य सरकारों को बारिश से प्रभावित लोगों की मदद करनी चाहिए'

लखनऊ. बसपा प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को सभी राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे भारी बारिश और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराएं. उत्तर प्रदेश में शनिवार को बारिश से जुड़ी घटनाओं में लोगों की मौत और घायल होने के बाद उनकी यह टिप्पणी आयी. मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले कुछ दिनों से देश के अलग-अलग हिस्सों में लोग भारी बारिश, आंधी-तूफान और सूखे जैसे हालात की वजह से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं.

15 अक्तूबर से मिठाई की 'यूज बाई डेट' दिखाना अनिवार्य

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में मिठाई खरीदने वाले उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और हितों को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने राज्य में 15 अक्तूबर से बेची जाने वाली मिठाइयों पर 'यूज बाई डेट' यानी उपयोग की अंतिम तिथि प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया.

अधिकारियों के मुताबिक, यह व्यवस्था विशेष रूप से खुली मिठाइयों को लेकर महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक इनके संबंध में उपयोग की अंतिम तिथि प्रदर्शित करने का कोई अनिवार्य प्रावधान नहीं था. राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, पिछले कुछ समय में मिठाई निर्माण और बिक्री प्रतिष्ठानों में की गयी प्रवर्तन एवं निरीक्षण कार्रवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि कई स्थानों पर उपभोक्ताओं को मिठाई के निर्माण की तारीख और उसके इस्तेमाल की समय सीमा के बारे में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं करायी जाती है. अधिकारियों ने बताया कि ऐसे में उपभोक्ता मिठाई खरीदते समय उसकी ताजगी और उपयोग अवधि के बारे में सही निर्णय नहीं ले पाता है. खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब द्वारा जारी आदेश के अनुसार, मिठाई की उपयोग अवधि उसकी प्रकृति और प्रकार के आधार पर अलग-अलग होती है.

वर्ष : 27, **अंक :** 267 **रजिस्ट्रेशन :** WBHIN/2000/2711, **अखबार के स्वामी** न्यूट्रल पब्लिशिंग हाउस लि. के लिए **मुद्रक एवं प्रकाशक** विकाश कुमार द्वारा प्रकाशित तथा न्यूट्रल पब्लिशिंग हाउस लि.,अवकाश इंडस्ट्रीयल एस्टेट , जी एल न. 73, खतियान न. 1350, मौजा - शेरपुर, थाना - भागोड़, जिला - 24 परगना (दक्षिण), प. बं., पिन - 743502. से मुद्रित और न्यूट्रल पब्लिशिंग हाउस लि. हनुमान एस्टेट (द्वितीय तल), 19, आरएन मुखर्जी रोड, कोलकाता-700001 से प्रकाशित. **प्रधान संपादक :** अंकित शुक्ला, **संपादक :** कौशल किशोर त्रिवेदी* **फोन :** 9264427612, 9264427613, **फैक्स** 033-22100178, **ई-मेल :** kolkata@prabhatkhabar.in, * पीआरपी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी.